वर्ष 69 अंक 02 पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 29 सितंबर, 2025
आश्विन शुक्ल पक्ष 07, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

विश्व हृदय दिवस आज

पाकिस्तान को पांच विकेट से परास्त कर टीम इंडिया ने 9वीं बार जीता एशिया कप

भारत के भाल पर विजय 'तिलक'

दुबई, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट टीम ने नौवीं बार एशिया कप खिताब जीतकर एक बार फिर अपनी बादशाहत साबित कर दिया। वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया ने एशिया कप टी-20 के फाइनल में पाकिस्तान को दो गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से परास्त कर खिताब अपने नाम कर लिया। अजेय भारत की इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान पर यह तीसरी जीत है। इससे पहले उसने ग्रुप स्टेज और सुपर-4 में पाकिस्तान को परास्त किया था। एशिया कप के 41 सालों के इतिहास में पहली बार भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल खेला गया।

टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करते हुए स्पिनर्स की बदौलत पाकिस्तान को केवल 19.1 ओवर में 146 के स्कोर पर समेटने के बाद शायद ही भारत ने सोचा होगा कि उन्हें जीत हासिल करने के लिए इतना जोर लगाना पड़ेगा। तिलक वर्मा की नाबाद 69 रनों की शानदार पारी की बदौलत भारत ने यह रोमांचक मैच अपने नाम किया।

पाकिस्तान के 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत काफी खराब रही। पूरे सीरीज के दौरान फार्म में रहे अभिषेक 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उनके जोड़ीदार शुभमन गिल और कप्तान सूर्यकुमार भी सस्ते में चलते बने। एक समय 20 रन पर तीन विकेट खोने के बाद भारत पर संकट के बादल गहराने लगे थे। लेकिन तिलक वर्मा ने धैर्य के साथ पारी को एक छोर से संभाला। संजू सैमसन और शिवम दुबे ने बखूबी साथ दिया। आखिरी ओवर की चौथी गेंद पर रिंकू सिंह का चौका लगते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम और मैदान में मौजूद दर्शक खुशी से झूम उठे। कोच गौतम गंभीर भी उत्साह छुपा नहीं सके। तिलक और रिंकू सिंह ने बल्ला लहराकर जश्न मनाया।

देश में जगह-जगह लोगों ने मनाया जश्न

स्पिनर्स के बाद तिलक ने लिखी जीत की कहानी पेज-10

टीम इंडिया ने पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं ली।

आखिरी ओवर की चार गेंदों का रोमांच

आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए 10 रन चाहिए थे और पहली दो गेंदों पर तिलक ने एक छक्का और दो रन की मदद से आठ रन बना दिए थे। अगली गेंद पर सिंगल लेकर उन्होंने रिंकू सिंह को विजयी रन बनाने का मौका दिया। एशिया कप में अपनी पहली गेंद पर रिंकू ने चौका लगाते हुए भारत को खिताबी जीत दिलाई। जीत के बाद रिंकू ने कहा- इस टूर्नामेंट में एक ही गेंद खेली। यह मायने नहीं रखता, टीम के लिए जितनी भी गेंद खेलने के लिए मिले तो उसमें अपना योगदान देने की कोशिश करता हूं।

पाक पर जीत की हैट्रिक

03 बार भारत ने पाकिस्तान को इस टूर्नामेंट में हराया है।

07 वीं जीत भारत की एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट 2025 में है। ग्रुप स्टेज, सुपर-4 में टीम ने सभी मुकाबले जीते थे।

16 वीं भारत ने पाकिस्तान को टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शिकस्त दी है। दोनों के बीच 16 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें पाक ने सिर्फ 3 मैच जीते हैं।

भारत पहला ऐसा देश बन गया है, जिसने दो-दो बार टी-20, वनडे फॉर्मेट एशिया कप जीता है। भारत ने सात बार वनडे एशिया कप की ट्रॉफी जीती है, जबकि 2025 और 2016 में टी-20 फॉर्मेट का एशिया कप जीता। टी-20 फॉर्मेट में एक ट्रॉफी श्रीलंका ने जीती है।

सूर्यकुमार यादव भारत के छठे कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने एशिया कप की ट्रॉफी उठाई है। मो. अजहरुद्दीन, एमएस धोनी, रोहित शर्मा ने 2-2 बार एशिया कप पर कब्जा किया, जबकि एक-एक बार दिलीप वेंगसरकर, सुनील गावस्कर सूर्य कुमार यादव ने एशिया कप कप्तानी में भारत को जिताया है।

कुलदीप ने एशिया कप के एक संस्करण में सर्वाधिक विकेट के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इस सीजन में कुलदीप ने 17 विकेट लिए। 2007 में अजंता मेंडिस श्रीलंका ने ऐसा करनामा किया।

तमिलनाडु भगदड़ : विजय की पार्टी पर एफआईआर दर्ज

सियासी रैली: बदइंतजामी ने ली 40 लोगों की जान

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु के करूर में शनिवार को मची भगदड़ के दौरान अभिनेता और टीवीके चीफ विजय की रैली के लिए 10000 लोगों की परमिशन थी, जबकि रैली में लाखों में लोगों की भीड़ जुट गई। भीड़ को काबू करने सिर्फ 500 पुलिसकर्मी ही तैनात किए गए। ऐसे में प्रशासन के इंतजाम नाकामी साबित हुए और एक अफवाह ने 8 बच्चों और 16 महिलाओं सहित 40 लोगों की जान ले ली। हादसे में 100 से अधिक लोग घायल हैं। अब विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) ने इस मामले में मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया है। पार्टी ने भगदड़ को साजिश बताते हुए किसी स्वतंत्र एजेंसी या सीबीआई से जांच की मांग की है। कोर्ट ने तत्काल सुनवाई की मांग वाली टीवीके की याचिका स्वीकार कर ली है। टीवीके की कानूनी शाखा के स्टेट कॉर्डिनेटर अरिवाझगन ने कहा,वे कल हाईकोर्ट की मदुरै पीठ के सामने यह मामला उठाएंगे। करूर की घटना में आपराधिक साजिश थी, इसलिए हाईकोर्ट से मामले की स्वतंत्र रूप से जांच करने का अनुरोध किया है, न कि किसी राज्य एजेंसी से। वकील ने कहा, आपराधिक साजिश थी। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

करूर में रैली में भगदड़ के बाद बचीं भयावह निशानियां।

भगदड़ से 20 सालों में 1,500 मौतें

तमिलनाडु के करूर में अभिनेता और नेता थलापति विजय की रैली में भगदड़ मचने से 39 लोगों की मौत हो गई है और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। 51 अभी अस्पताल में भर्ती हैं। इस साल की ये छठी बड़ी भगदड़ है। इससे पहले मंदिरों, रेलवे स्टेशन और धार्मिक आयोजनों में हुई भगदड़ों ने उत्साह के पलों को मातम में बदल दिया है।

इस साल 5 भगदड़, 71 मरे

- **8 जनवरी:** तिरुमाला के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में धक्का-मुक्की, 6 की मौत
- **3 मई:** गोवा के लैराई देवी मंदिर में भगदड़, 6 की मौत।
- **15 फरवरी:** नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़, 18 की मौत।
- **29 जनवरी:** महाकुंभ में भगदड़ से 30 तीर्थयात्रियों की मौत।
- **4 जून:** बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़, 11 की मौत।

मुरैना में ऑनर किलिंग

नाबालिग बेटी को गोली मारकर नदी में फेंका

जागरण, मुरैना। प्रदेश के मुरैना में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। प्रेम-प्रसंग से नाराज पिता ने पहले नाबालिग बेटी को गोली मार दी, फिर लाश को नदी में फेंक दिया। बेटी दूसरी जाति के लड़के से शादी करना चाहती थी। इससे नाराज पिता ने उसकी जान ही ले ली। पड़ोसी के संदेह पर पुलिस ने पिता से पूछताछ की। सख्ती पर वह टूट गया और हत्या की बात कबूल ली। रविवार को क्वॉरी नदी से शव बरामद किया है। आरोपी पिता भरत उर्फ बंटू सिकरवार को पुलिस ने हिरासत में लिया है। वारदात मुरैना के शिवनगर में रहने वाली 17 साल की 12वीं की छात्रा दिव्या के साथ हुई। पुलिस के मुताबिक, सिकरवार के पड़ोसी ने सिविल थाने में फोन कर बताया कि भरत की बड़ी बेटी दिव्या गायब है। गुरुवार को भरत के घर से गोली और किसी के चीखने की आवाज सुनी है। इस पर पुलिस भरत के घर पहुंची। उससे पूछताछ की। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता लगा कि भरत के घर में पांच सदस्य हैं। पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा। बड़ी बेटी दिव्या घर से गायब थी, उसके बारे में पूछने पर भरत ने पुलिस को गोलमोल जवाब दिया, जिससे पुलिस का शक गहरा गया। इसके बाद भरत को थाने लाकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक, भरत ने दिव्या को छोटी बेटी के सामने गोली मारी। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

सर्वे युवा प्रोफेशनल्स पर ताजा सर्वेक्षण में सामने आई वजह

वेतन असमानता की बड़ी वजह मातृत्व अवकाश

नई दिल्ली, जेएनएन। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं में से लगभग आधे युवाओं (45 प्रतिशत) की राय है कि भारत में लैंगिक वेतन अंतर 20 प्रतिशत से अधिक है, जिसमें मातृत्व से संबंधित करियर अवकाश और कार्यस्थल पर पूर्वाग्रह को सबसे बड़ा कारण बताया गया है। युवा प्रोफेशनल्स पर किए गए एक सर्वेक्षण की रिपोर्ट में कहा गया है कि युवा पेशेवरों, नए कर्मचारियों और मध्यम स्तर के पेशेवरों ने स्पष्ट रूप से माना कि नियोक्ताओं द्वारा लैंगिक वेतन अंतर किया जा रहा है और आईटी क्षेत्र को इसका सबसे बड़ा उदाहरण बताया गया है। सर्वेक्षण में शामिल आधे पेशेवरों ने आईटी को सबसे ज्यादा लिंग-भेद वेतन अंतर वाला उद्योग बताया।

80 उद्योगों में किए गए नौकरी सर्वेक्षण के अनुसार, 51 प्रतिशत पेशेवरों ने मातृत्व अवकाश को लिंग-भेद के बीच वेतन असमानता का प्रमुख कारण बताया। लगभग 27 प्रतिशत ने कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रह की ओर इशारा किया, जिस तरह से उन्हें काम पर देखा जाता है, कि वे महिला होने की वजह से पूर्ण क्षमता से कार्य नहीं कर सकतीं। उत्तरदाताओं में आईटी (56 प्रतिशत), फार्मा (55 प्रतिशत) और ऑटोमोबाइल (53 प्रतिशत) क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स सबसे ज़्यादा थे। रिपोर्ट में बताया गया कि करियर ब्रेक का वेतन अंतर पर सबसे ज़्यादा प्रभाव पड़ता है, ऐसा मानने वालों में 5-10 साल के अनुभव वाले पेशेवर(54 प्रतिशत) और 10-15 साल के अनुभव वाले पेशेवर (53 प्रतिशत) शामिल थे। वेतन अंतर की धारणा के मामले में विमानन (57 प्रतिशत), शिक्षा (52 प्रतिशत) जैसे क्षेत्र रियल एस्टेट (21 प्रतिशत), एफएमसीजी (18 प्रतिशत) और बैंकिंग (12 प्रतिशत) से कहीं आगे निकल गए। जबकि तेल एवं गैस तथा खुदरा जैसे पारंपरिक उद्योगों ने अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। प्रौद्योगिकी केंद्र हैदराबाद (59 प्रतिशत) और बेंगलुरु (58 प्रतिशत) आईटी वेतन असमानताओं के बारे में सबसे अधिक चिंतित थे। सर्वेक्षण में पाया गया कि वरिष्ठ पेशेवर लैंगिक वेतन अंतर को अधिक स्पष्ट रूप से देखते हैं। 10-15 वर्षों (46 प्रतिशत) और 15+ वर्षों (47 प्रतिशत) के अनुभव वाले लगभग आधे उत्तरदाताओं ने कहा कि यह अंतर 20 प्रतिशत से अधिक बना हुआ है।

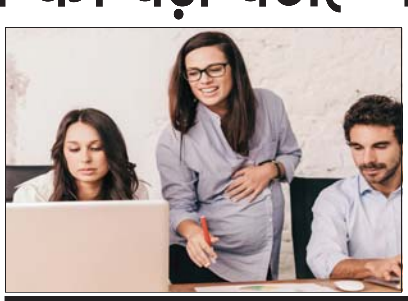

पेशेवरों ने बड़े पैमाने पर दी प्रतिक्रिया

सर्वेक्षण के दौरान पेशेवरों ने बड़े पैमाने पर प्रतिक्रिया दी कि प्रदर्शन-आधारित पदोन्नति वेतन अंतर को पाट सकती है। विशेष रूप से नोएडा और गुड़गांव जैसे शहरी समूहों में पक्षपात-मुक्त और पारदर्शी नियुक्ति (27 प्रतिशत) और पारदर्शी वेतन प्रथाओं (21 प्रतिशत) का भी व्यापक रूप से समर्थन किया गया, जहां वेतन पारदर्शिता की मांग सबसे मजबूत थी।

संक्षिप्त खबरें

स्कूलों के बैंक खातों में आज राशि होगी अंतरित

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को हरदा जिले के खिरकिया में शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत 20 हजार 652 अशासकीय विद्यालयों को 489 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। राशि आरटीई में अध्ययनरत बच्चों की वर्ष 2023-24 की 8 लाख 45 हजार बच्चों की फीस की प्रतिपूर्ति होगी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम में गैर-अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों को उनके समीप के विद्यालय में प्रथम प्रवेशित कक्षा की न्यूनतम 25 प्रतिशत सीटों पर निःशुल्क प्रवेश का प्रावधान है। वर्तमान में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत प्रदेश में लगभग 8 लाख 50 हजार बच्चे अशासकीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

राजधानी में एक अक्टूबर को हो सकता है अवकाश

विशेष संवाददाता, भोपाल। राजधानी में एक अक्टूबर को स्थानीय अवकाश घोषित किया जा सकता है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने सामान्य प्रशासन विभाग को प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव मंजूर होता है, तो कर्मचारी-अधिकारियों को लगातार दो दिन का अवकाश मिल सकता है। हर साल भोपाल में 4 स्थानीय अवकाश होते हैं। इनमें मकर संक्रांति, रंगपंचमी, गणेश चतुर्थी और भोपाल गैस त्रासदी की बरसी पर अवकाश घोषित किए जाते हैं। सरकार ने 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी पर पूरे राज्य में स्थानीय अवकाश घोषित किया था। ऐसे में जिला प्रशासन 27 अगस्त के अवकाश को 1 अक्टूबर के लिए मांग कर रहा है।

भारतीय मजदूर संघ की कार्यकारिणी गठित

भोपाल। भारतीय मजदूर संघ की कार्यकारिणी गठित कर दी गई है। इसमें 16 कर्मचारियों को पद दिए गए हैं। इसमें पीएचई मूरैना से द्वारका कुशवाहा को अध्यक्ष बनाया है। वहीं कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर पीएचई के श्रीराम लाल शर्मा का चयन किया गया है। पीएचई के मनोहर लालू को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दीपनारायण उपाध्यक्ष, शिवेन्द्र पांडे उपाध्यक्ष, प्रदीप कुमार महामंत्री, कुलदीप सिहं राजपूत सहमंत्री, अशोक चतुर्वेदी मंत्री, विजय राज सोनी मंत्री, विनोद जी बोयत मंत्री, दिनेश ठाकुर मंत्री, इलियास खान मंत्री और मृणाली पांडे करेले मंत्री के तौर पर चयनित किए गए हैं।

कमलेश्वर पटेल के बाद अरुण ने प्रदेश कांग्रेस को दिखाया आइना

बढ़ रहा विवादः इंदौर शहर अध्यक्ष ने दिग्विजय सिंह के आंदोलन पर उठाए सवाल

विशेष संवाददाता, भोपाल। जिन उद्देश्यों को लेकर प्रदेश कांग्रेस में संगठन सृजन अभियान चलाया गया था, वह पार्टी नेताओं के बीच सामंजस्य की दृष्टि से कोसों दूर है। आलम यह है कि पहले सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल ने प्रदेश प्रभारी पर सवाल खड़े किए थे, तो अब केन्द्रीय मंत्री रहे वरिष्ठ नेता अरुण यादव ने प्रदेश संगठन की कार्यपद्धति पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे अरुण यादव ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली है। इसमें उन्होंने प्रदेश संगठन के मध्य समन्वय और एकजुटता पर सवाल खड़े किए हैं।

उन्होंने एक्स पर लिखा की पार्टी एवं पार्टी की विचारधारा के लिए वैचारिक और सतही संघर्ष आज समय की मांग है सिर्फ भाषणों एवं बयानों से जहरीली विचारधाराओं से संघर्ष कर पाना नामुमकिन है,सभी को साथ रखकर अपनी विचारधारा को लेकर समन्वय और एकजुटता से हम संघर्ष करेंगे,तभी प्रदेश में हमारी सरकार बनाने का सपना साकार होगा। उन्होंने आगे लिखा कि जिस साहस और ईमानदारी के साथ हमारे नेता राहुल गांधी संघर्ष कर रहे हैं, उसका एक प्रतिशत भी मध्यप्रदेश में हम अंगीकार कर लें, तो संघर्ष की राह आसान हो जाएगी।

पटेल ने गुटबाजी पर खड़े किए थे सवाल

गौरतलब है कि कुछ दिनों अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सदस्य कमलेश्वर पटेल ने प्रदेश के प्रभारी हरीश चौधरी और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए थे। तब उन्होंने इन नेताओं से कहा कि उनका दोनों का काम सबको साथ लेकर चलने का है,लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। उन्हें इस तरह से संगठन नहीं चलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुटबाजी और प्रतिस्पर्धा अपनी जगह है,लेकिन गुटबाजी इतनी ज्यादा भी नहीं होनी चाहिए। इन नेताओं की जिम्मेदारी है कि समन्वय बनाकर चले ना कि खुद पार्टी बन जाएं।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच मचे घमासान को कर दिया उजागर

इधर इंदौर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने रविवार को अपने एक बयान से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच मचे घमासान को उजागर कर दिया। चिंटू ने पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के इंदौर शीतलामाता बाजार को लेकर किए गए आंदोलन पर सवाल खड़े कर दिए। उन्होंने इंदौर के गांधी भवन में हुई समन्वय समिति की बैठक में कहा कि शहर में भोपाल और दूसरे स्थानों से आने वाले नेता बिना किसी सूचना के अपने स्तर पर आयोजन रख लेते है। ऐसा अब नहीं चलेगा। चाहे वह पूर्व मुख्यमंत्री हो या कोई अन्य नेता हो। इस तरह की गतिविधियां अनुशासन हीनता की श्रेणी में आता है। शहर में किस तरह के हालात है और कैसे आयोजन करना है,यह हमें बेहतर पता होता है। इसलिए कोई भी आयोजन शहराध्यक्ष की बिना मंजूरी के नहीं होना चाहिए।

दिल्ली की नजर प्रदेश के केवल बड़े नेताओं पर

इधर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की नजर मध्यप्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर हैं।

पिछले दिनों पूर्व सीएम कमलनाथ और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के बीच हुई बयानबाजी के उपरांत हाईकमान ने हस्तक्षेप किया था, तब दोनों नेताओं को आपसी मनमुटाव नहीं होने की बात कहनी पड़ी थी। लेकिन पार्टी हाईकमान राज्य के दूसरे बड़े नेताओं की नाराजगी को लगातार नजरादांज करते आ रहा है, जबकि कांग्रेस का एक बड़ा जनाधार इन्हीं नेताओं पर कायम है।

खींचतान की वजह से सार्वजनिक विरोध

कांग्रेस से जुड़े जानकारों का कहना है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा अपने ही नेताओं पर सार्वजनिक तौर पर सवाल खड़ा करना उनके आक्रोश से ज्यादा इस बात की ओर इशारा कर रहा है कि पार्टी में अंदरुनी खींचतान जमकर मची हुई है। हालांकि कांग्रेस नेतृत्व कई बार सभी नेताओं के एकजुट होने का प्रदर्शन जरूर करता है,लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। संगठन सृजन अभियान के बाद इस तरह की स्थिति उत्पन्न हुई है,जिसने प्रदेश कांग्रेस को मजबूत बनाने की जगह और कमजोर किया है।

पांच साल पुराने मामले पर चार साल पहले नौकरी छोड़ चुके अफसर को चार्जशीट

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के वन महकमे ने एक ऐसे अधिकारी के खिलाफ चार्जशीट जारी करने के निर्देश दे दिए,जो चार साल पहले भारतीय वन सेवा से मुक्त हो चुके हैं। मजे की बात यह है कि जिस मामले में पूर्व अफसर को नोटशीट दी गई है, वह पांच साल पुराना है। जानकारी के अनुसार जिन अधिकारी को चार्जशीट देने का आदेश दिया गया है, वो सिद्धार्थ गुप्ता वर्ष 2015 बैच के आईएफएस अधिकारी रहे हैं, जिन्होंने आईएफएस की सेवाएं छोड़कर भारतीय राजस्व सेवा को ज्वाइन किया। गुप्ता 2021 बैच के (आईआरएस) अधिकारी हैं। अपने वन विभाग के दायित्व के दौरान गुप्ता वर्ष 2019 से 2020 तक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के उप संचालक रहे थे। इस दौरान उन पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ईको सेंसिटिव जोन (ईएसजेड) में धमोखर बफर क्षेत्र से सटे ग्राम महामन में निजी भूमि पर वाटर पार्क निर्माण की अनुमति देने का आरोप लगा है। विभागीय सूत्रों की माने तो इस मामले पर तत्कालीन एपीसीसीएफ सुनील अग्रवाल ने उप संचालक को लिखित रूप से निर्देशित किया था कि वाटर पार्क निर्माण से न तो वन्यजीवों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा और न ही वृक्षों का नुकसान होगा और यह कार्य ईएसजेड अधिसूचना के तहत प्रतिबंधित गतिविधियों में नहीं आता। अग्रवाल ने इस संबंध में कहा था कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से पर्यावरणीय स्वीकृति की आवश्यकता है या नहीं, इसकी जांच की जाए।

निर्माण के बाद सामने आया मामला

जानकारी के अनुसार महामन में वाटर पार्क के निर्माण के बाद यह मामला सुर्खियों में आया। इस संबंध में शिकायत हुई, तो वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लिया और जांच के आदेश दिए गए। पिछले दिनों विभाग की टाइम लिमिट बैठक के दौरान विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने तत्कालीन उप संचालक को दोषी मानते हुए उन्हें चार्जशीट जारी करने का निर्देश दिए। विभागीय सूत्रों का कहना है कि इस मामले पर न तो एसीएस ने पूरे प्रकरण के बारे में जानकारी ली और न ही बैठक में मौजूद पीसीसीएफ स्तर के अधिकारियों ने उन्हें यह नहीं बताया कि संबंधित अनुमति तत्कालीन उप संचालक ने उस समय एपीसीसीएफ (भू-प्रबंध) रहे सुनील अग्रवाल के लिखित निर्देश पर दी थी।

स्वदेशी अपनाना विकसित भारत के लिए मजबूत कदम : देवड़ा

विशेष संवाददाता, भोपाल। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि स्वदेशी अपनाओ अभियान विकसित भारत के निर्माण की दिशा में मजबूत कदम है। इस समय नवरात्रि चल रही है, दशहरा और दीपावली आने वाली है, हम सब का दायित्व है कि स्वदेशी अपनाएं और भारत को समृद्ध बनाएं। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने यह बात रविवार को भोपाल के लखेरापुरा मार्केट के दुकानदारों के बीच जाकर कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का संलल्प है कि 2047 में हमारा देश विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आए और हमारा भारत देश विश्व गुरू के रूप में स्थापित हो। उन्होंने स्वदेशी संकल्प पत्र स्वयं भरा और ग्राहकों से अपील की कि वे भी स्वदेशी सामग्री खरीदने का संकल्प लें। श्री देवड़ा ने सभी को सामूहिक रूप से स्वदेशी अपनाने की शपथ भी दिलाई। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने लखेरापुरा मार्केट में स्वदेशी अपनाओ अभियान के तहत स्थानीय व्यापारी बंधुओ से भेंट कर उन्हें अभियान के संबंध में जानकारी दी।

सिंहस्थ में भारतीय संस्कृति का वैभव पूरी दुनिया देखेगी:सीएम

उज्जैन में विकास कार्यों के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हुए शामिल

विशेष संवाददाता , भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ-2028 में भारतीय संस्कृति का वैभव पूरी दुनिया देखेगी। इसके लिए सरकार जहां क्राउट मैनेजमेंट पर ध्यान दे रही है,तो वहीं मध्यप्रदेश और उज्जैन की कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री रविवार को उज्जैन में उज्जैन में नवीन संयुक्त प्रशासनिक भवन के साथ अन्य विकास कार्यों के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ 2028 के लिए हाल ही में 2675 करोड़ रुपए की लागत राशि से 33 प्रमुख कार्यों को मंजूरी दी गई है।उज्जैन के प्रमुख मंदिरों का भी विस्तारीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि जिला कार्यालय एक ही छत के नीचे होने

चाहिए। लगभग 135 करोड़ रुपये की लागत से उज्जैन में बन रहा संयुक्त प्रशासनिक भवन लोक-कल्याण और सुशासन का उदाहरण बनेगा। यह अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं से सुसज्जित होगा। अधिकारियों के लिए नवीन आवासीय भवन बनाए जायेंगे। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ-2028 के लिए शिप्रा नदी पर लगभग 30 किलोमीटर लंबे सुविधायुक्त नवीन घाटों का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही पुराने घाटों का उन्नयन कर 5 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान की व्यवस्था की जा रही है। शिप्रा नदी पर ब्रिजों की श्रृंखलाओं का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ के लिए साधु-संतों की मंशानुसार कार्य हो रहे हैं। शिप्रा नदी पर 77 करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाले 4 नए पुलों से आने वाले दिनों में मोक्षदायिनी शिप्रा मैया पुलों वाली नदी भी कहलाएंगी। यह उज्जैन की काया पलटने वाले विकास कार्य हैं जो सिंहस्थ-2028 को भव्यता प्रदान करेंगे। डॉ. यादव ने कहा कि बहुत जल्द मेट्रो ट्रेन भी उज्जैन में आएगी। कृषकों के लिए भावांतर योजना लागू कर लगभग 35 लाख से अधिक किसानों को लाभ दिया जायेगा।

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अख़बार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 अंक 02 पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 29 सितंबर, 2025
आश्विन शुक्ल पक्ष 07, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

"हर वक्त आप जोश से काम नहीं ले सकते, कभी-कभी होश से भी काम लेना जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

मासूम को तालाब में फेंक कर, मां फंदे पर झूली

जागरण, टीकमगढ़। घरेलू कलह ने एक बार फिर परिवार को मिटा दिया। पति से विवाद के बाद टीकमगढ़ के बल्देवगढ़ में मां ने तीन साल के बेटे को तालाब में फेंक दिया फिर तीन किमी दूर जाकर पेड़ पर साड़ी से फांसी लगा ली। पुलिस ने दोनों के शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए हैं। महिला की पहचान केलपुरा गांव निवासी संतोषी राजपूत (24) के रूप में हुई है। बच्चे का नाम अभिजीत है। पुलिस के मुताबिक, रविवार सुबह करीब 8 बजे गांव वालों ने महिला का शव पेड़ पर लटका देखा। इसके बाद थाने में सूचना दी। मौके से करीब तीन किलोमीटर दूर तालाब में बच्चे का शव उतराता दिखा तो लोगों ने भी बलदेवगढ़ थाना पुलिस को सूचना दी थी।

जल्द कुछ एक्टर-क्रिकेटर की संपत्ति जब्त करेगी ईडी

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही कुछ खिलाड़ी और अभिनेताओं की करोड़ों की संपत्तियां जब्त करने की तैयारी में है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत ऑनलाइन बेटिंग एप 1×बेट के प्रमोशन मामले में होगी। इस एप से मिले एडवर्टाइजमेंट पैसों का इस्तेमाल कुछ सेलिब्रिटीज ने संपत्ति खरीदने में किया है। इन्हें प्रोसीड्स ऑफ क्राइम यानी अपराध से कमाई गई संपत्ति माना गया है। ईडी जल्द ही सेलिब्रिटीज की चल-अचल संपत्तियों को जब्त करने का आदेश जारी करेगी। कुछ सेलिब्रिटीज की संपत्तियां यूएई जैसे देशों में भी हैं। इनकी कीमत और मूल्यांकन किया जा रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में ईडी ने क्रिकेटर युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन, अभिनेता सोनू सूद, अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती और अंकुश हाजरा (बंगाली सिनेमा) से पूछताछ की है।

मेट्रो के ट्रैक-रैक ओके, पर स्टेशनों की व्यवस्था देखने के बाद मिलेगी हरी झंडी

स्टेशनों पर चल रहे सौंदर्यीकरण के काम से मेट्रो के संचालन पर नहीं पड़ेगा फर्क

जागरण संवाददाता, भोपाल। शहर में 2016 से शुरू हुआ मेट्रो लाइन बिछाने का सफर 2025 के आखिर में अब पूरा हो गया है। मेट्रो के अधिकारियों की मानें तो अब अक्टूबर में मेट्रो का संचालन शुरू किया जा सकता है। 8 किमी के प्रायोरिटी कॉरिडोर में चलने वाली भोपाल मेट्रो के ट्रैक को यात्री संचालन के लिए रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) द्वारा पहले ही फिट करार दिया चुका है। जबकि इन ट्रैक पर दौड़ने वाले रैक भी पूरी तरह से फिट हैं। रैक को पिछले डेढ़ साल में हर तरह के मौसम में विभिन्न गति सीमाओं पर चलाकर देखा गया है। प्रायोरिटी कॉरिडोर के 8 में से 5 स्टेशन 100 फीसदी कंप्लीट हैं। केवल 3 स्टेशनों पर सौंदर्यीकरण का कार्य चल रहा है। अधिकारियों की मानें तो इन कार्यों से मेट्रो के संचालन पर फर्क नहीं आएगा। संचालन के साथ साथ इन कार्यों को भी पूरा किया जाता रहेगा। अब अगला मुख्य कार्य इन स्टेशनों पर संचालन, सुविधा व सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा का है। कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) व उनकी टीम अपने एक दिवसीय निरीक्षण में यदि इन व्यवस्थाओं से संतुष्ट हो जाती है, तो इसके बाद मेट्रो का संचालन कभी भी शुरू किया जा सकता है। सीएमआरएस की अनुमति के बाद संचालन शुरू करवाना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

सुभाष नगर से सीधे पहुंच सकेंगे एम्स

भोपाल मेट्रो के शुरू होते ही सुभाष नगर से एमपी नगर, डीबी मॉल, रानी कमलापति और एम्स पहुंचना आसान हो जाएगा। वहीं भेल क्षेत्र में रहने वाले लोग भी रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से सीधे अल्कापुरी और एम्स उतर सकेंगे। इस तरह से पहले चरण में शहर के 6 लाख से ज्यादा लोगों को मेट्रो की सुविधा का लाभ मिलेगा। ऐसे में इस क्षेत्र में लोगों की महंगे परिवहन साधनों और सिटी बस पर निर्भरता कम होगी और 8 किमी रूट पर संचालन शुरू होने से ज्यादा लोग इस सुविधा का लाभ ले सकेंगे। इससे वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी।

जांच के बाद सीएमआरएस की टीम भी दिखी संतुष्ट

आरडीएसओ की टीम के कड़े परीक्षण के बाद 25 सितंबर को एक दिवसीय निरीक्षण कार्यक्रम के बाद सीएमआरएस और उनकी टीम भोपाल मेट्रो को विभिन्न पैमानों पर परखने के बाद संतुष्ट दिखी। इसके बाद सीएमआरएस को एक और निरीक्षण करने के लिए भोपाल आना है और यह निरीक्षण अब कभी भी हो सकता है। इस दौरान टीम भोपाल मेट्रो के सभी आठ स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं और सुरक्षा का कड़ा निरीक्षण करेगी, जांच के दौरान सीएमआरएस यदि स्टेशन की व्यवस्थाओं से संतुष्ट हुए तो मेट्रो को संचालन के लिए तैयार माना जाएगा। मेट्रो के अधिकारियों की मानें तो इन सभी आठ स्टेशनों पर लगभग सभी कार्य पूर्ण हो चुके हैं। डीआरएम ऑफिस, अल्कापुरी और एम्स स्टेशन पर सौंदर्यीकरण के कुछ कार्य बचे हुए हैं।

कलेक्ट्रेट के पास चेकिंग के दौरान सिपाही पर बोलेरो चढ़ाने की कोशिश, बाल-बाल बची जान

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कलेक्ट्रेट के पास शनिवार शाम चेकिंग के दौरान सिपाही पर बोलेरो चढ़ाने की कोशिश की गई। समय रहते सिपाही पीछे हट गया और जान बच गई। पुलिस ने गाड़ी रोकी तो चालक व उसके साथी ने अभद्रता कर दी। बाद में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया। कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक 28 वर्षीय अनुज तिवारी आरक्षक हैं। वह यातायात थाना भोपाल में पदस्थ हैं। शनिवार शाम साढ़े चार बजे सिपाही एएसआई प्रभुदयाल व आरक्षक सूरज के साथ कोहेफिजा तिराहा कलेक्ट्रेट कार्यालय के पास वाहन चेकिंग कर रहे थे, तभी उन्हें एक बोलेरो गाड़ी तेज रफ्तार में आती हुई दिखाई दी। पुलिसकर्मियों ने रुकने का इशारा किया, लेकिन आरोपी चालक ने गाड़ी नहीं रोकी। गाड़ी रोकने का प्रयास कर रहे पुलिसकर्मियों पर गाड़ी चढ़ते-चढ़ते बच गई। गाड़ी चालक सीट बेल्ट भी नहीं लगाए था। जब पुलिसकर्मियों ने गाड़ी के कागजात मांगे तो पता चला कि गाड़ी किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर थी। पुलिस ने चालक से ट्रैफिक नियमों को तोड़ने व ओवर स्पीड से गाड़ी चलाने का बोलकर चालानी कार्रवाई के लिए कहा तो आरोपी चालक ने अपने साथी अनस के साथ मिलकर पुलिसकर्मियों से गाली-गलौच कर अभद्रता की। बिना चालान भरे वहां से चले गए। सिपाही की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

इंडसइंड बैंक में 2000 करोड़ का घोटाला!

नई दिल्ली, जेएनएन। इंडसइंड बैंक अकाउंटिंग लैप्स मामले की जांच में नया खुलासा हुआ है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की शुरुआती जांच में सामने आया कि बैंक के उस समय के शीर्ष प्रबंधन अधिकारियों ने अकाउंटिंग बुक्स में एडजस्टमेंट किए जाने की बात स्वीकार की है। यह मामला लगभग 2000 करोड़ रुपए के गड़बड़ी से जुड़ा है। पिछले सप्ताह ईओडब्ल्यू ने बैंक के पूर्व सीएफओ गोबिंद जैन, पूर्व डिप्टी सीईओ अरुण खुराना व पूर्व सीईओ सुमंत कथपालिया के बयान दर्ज किए। खुराना को बाद में फिर से समन भेजा गया। जांच से जुड़े सूत्रों का कहना है कि खुराना की भूमिका बेहद अहम है, क्योंकि वे उन बदलावों और एडजस्टमेंट से वाकिफ थे जो बैंक की बुक्स में कथित तौर पर किए गए थे।

जगदीशपुर में सुनी पीएम के मन की बात, सीएम बोले

हमारा ध्येय समग्र विकास हर संकल्प को करेंगे पूरा

बैरसिया के जगदीशपुर में मन की बात सुनते सीएम डॉ. यादव।

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अगर हम स्वदेशी वस्तुएं खरीदेंगे, तभी हमारे सूक्ष्म, लघु, मध्यम एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे हम प्रदेश को आर्थिक रूप से और मजबूत कर सकेंगे। हमारी सरकार सबके समग्र विकास का ध्येय लेकर आगे बढ़ रही है। हम अपने हर संकल्पों को पूरा करके दिखाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जगदीशपुर के चमन महल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, किसान, गरीब, युवा, महिलाओं के कल्याण एवं विकास के लिए पृथक-पृथक मिशन चलाए जा रहे हैं। सबका विकास हमारा संकल्प है और इस संकल्प की पूर्ति के लिए हम अपना हर वादा पूरा करके दिखाएंगे। उन्होंने कहा, त्यौहारों में सिर्फ स्वदेशी और भारत में निर्मित वस्तुएं ही खरीदें। डॉ. यादव ने ग्रामीणों को स्वदेशी संकल्प की शपथ दिलाई और अपील की कि जीवन में अधिकतम भारतीय उत्पादों का उपयोग करें और आयातित वस्तुओं की जगह देशी अपनाएं। उन्होंने जगदीशपुर स्थित चमन महल की तारीफ करते हुए कहा, गोंडवाना साम्राज्य का सदियों पुराना यह किला आज भी हमें उस गौरवशाली अतीत की याद दिलाता है।

उज्जैन में बोले-सरकार किसानों की हितैषी है

उज्जैन में मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार किसानों की हितैषी सरकार है। किसानों के हित के लिए सरकार के पास राशि की कोई कमी नहीं है। किसान-कल्याण हमारी पहली प्राथमिकता में है। किसानों के लिए राज्य सरकार अनेक योजनाएं भी संचालित कर रही है। किसानों द्वारा भावांतर योजना प्रारंभ करने पर किसानों ने सीएम का स्वागत कर आभार व्यक्त किया। इसके बाद किसानों से कहा, सोयाबीन उत्पादक किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम मिले, इसके लिए भावांतर योजना शुरू की गई है। ऐसे किसान जिन्हें निर्धारित समर्थन मूल्य से कम दर मिली है। उसके अंतर की राशि राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। किसानों को किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। डॉ. यादव ने हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी अभियान के अंतर्गत पीएम मोदी द्वारा किए गए आह्वान पर खादी ग्राम उद्योग मंडल द्वारा स्वदेशी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। वहीं खादी ग्रामोद्योग मंडल और भारतीय ज्ञानपीठ परिवार द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी को सराहा। उन्होंने कहा, ऐसी प्रदर्शनियों को प्रदेश में सभी जगह पर लगाया जाना चाहिए, जिससे जनता स्वदेशी अभियान को आगे बढ़ाए और और स्वदेशी उत्पादों के प्रति जागरूक होकर उनका लाभ लें।

MARUTI SUZUKI

NEXA

CELEBRATIONS JUST GOT BIGGER.
WITH GST BENEFITS + LIMITED PERIOD FESTIVE OFFERS*

	PRICE REDUCTION OF UP TO#	NOW STARTING AT#	ADDITIONAL FESTIVE OFFERS OF UP TO*
FRONX	₹1 12 600	₹6 84 900	₹70 000
GRAND VITARA	₹1 07 000	₹10 76 500	₹1 29 100 + 5 Year Extended Warranty
BALENO	₹86 100	₹5 98 900	₹72 500
IGNIS	₹71 300	₹5 35 100	₹62 500
INVICTO	₹61 700	₹24 97 400	₹1 40 000
XL6	₹52 000	₹11 52 300	₹25 000
JIMNY	₹51 900	₹12 31 500	₹1 00 000

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

NEXA SAFETY SHIELD

*FESTIVE OFFERS VALID TILL 30TH SEP ONLY

UP TO 100% WAIVER ON CAR LOAN PROCESSING FEE (ONLY TILL 30TH SEP)##

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Contact us at 1800-200-6392 1800-102-6392

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers and features may vary subject to the model and variant purchased. *The mentioned offers include "Consumer Offer + Booking offer + Exchange Bonus + Rural offer", and may vary from city to city. Please contact nearby dealership for more details. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 30th September '25 or till stocks last. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities. ##Offers include consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offers (wherever applicable) on select models/variants. Finance is at the sole discretion of the financer by selected finance partners. #Prices and savings mentioned above are for select variants and may vary across cities/ variants.

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 30.0°c | न्यूनतम 23.4°c
राजधानी में लगातार बारिश का मौसम बना हुआ है। आज भी संभावना है

•11• राज्य •31• संस्करण मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित www.dainikjagranmpcg.com

अष्टमं महागौरी

ॐ. नमो भगवती महागौरी वृषारूढ़े श्रीं हीं क्लीं हूँ फट् स्वाहा।
भगवती महागौरी वृषभ की पीठ पर विराजमान हैं, जिनके मस्तक पर चन्द्र का मुकुट है। मणिकान्ति मणि के समान कान्ति वाली अपनी चार भुजाओं में शंख, चक्र, धनुष और बाण धारण किए हुए हैं जिनके कानों में रत्न जटित कुण्डल झिलमिलाते हैं, ऐसी भगवती महागौरी हैं।

8 माह में 20 करोड़ की सायबर ठगी, सबसे ज्यादा निवेश के नाम पर 9.25 करोड़ ऐंठे

राजधानी में लगातार बढ़ रहे ठगी के मामले, यूपीआई से 2.04 और कार्ड फ्रॉड से 1.13 करोड़ ठगे

सबसे बड़ी ठगी: विदेश से इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने के नाम पर 3.42 करोड़ का फ्रॉड

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुलिस और सायबर एक्सपर्ट मानते हैं आने वाले समय में सबसे ज्यादा आर्थिक अपराध होंगे। वर्तमान में बढ़ रहे अपराध इसी ओर इशारा करते हैं। केवल राजधानी की बात करें तो इस साल आठ माह में (जनवरी से अगस्त तक) करीब 20 करोड़ की सायबर ठगी हो चुकी है। केवल एक फ्रॉड में 3.42 करोड़ की राशि जालसाजों ने हड़प ली। विदेश से इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने-बेचने के नाम पर यह ठगी की गई। इंवेस्टमेंट (निवेश) के नाम पर इस बीच 9.25 करोड़ की ठगी इसके बाद यूपीआई से 2.04 करोड़ और कार्ड फ्रॉड से 1.13 करोड़ की ठगी सामने आई है। सायबर जालसाजों ने निवेश और डिजिटल अरेस्ट नाम के दो फ्रॉड पकड़ रखे हैं, जो अभी ट्रेंड में हैं। निवेश के नाम पर की गई ठगी की राशि गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल के बैंक खातों में जाना पाया गया है। पुलिस के लिए इन अपराधियों तक नहीं पहुंच पाने में सबसे बड़ी चुनौती आईपी लॉग्स विदेशी होते हैं, जिससे वह मूल अपराधी तक

पुलिस के लिए चुनौती: विदेशी आईपी लॉग्स होने से मूल अपराधी तक पहुंच नहीं पाती

नहीं पहुंच पाती है। ज्यादातर आईपी लॉग्स कंबोडिया, ताईवान, वियतनाम, बांग्लादेश, साउदी अरब के आते हैं। जानकारी के मुताबिक साल 2025 की सबसे बड़ी ठगी की बात की जाए तो यह सोशल मीडिया के टेलीग्राम ग्रुप से की गई। टेलीग्राम में बिजनेसमैन को जोड़कर विदेश से बिजनेस देने का वायदा किया गया। भोपाल निवासी अमित कुमार (परिवर्तित नाम) इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स का कारोबार करते हैं। विदेश के एक कंपनी से उन्होंने 9 करोड़ में सामान बुलवाए। कंपनी ने उन्हें डॉलर में एडवांस देने बोला। अमित कुमार ने इंडियन करंसी में पेमेंट का बोला। वो भी इंडिया में जिसका बैंक खाता हो। उन्हें एक बैंक खाता दिया गया। एडवांस के तौर पर उन्होंने 3.42 करोड़ रुपए जमा कर दिए। अब उन्होंने कंपनी से माल भेजने को कहा। कंपनी ने उनसे और पैसे मांगे। शक होने पर पता किया तो मालूम चला कि इस नाम से कोई कंपनी अस्तित्व में नहीं है। इस तरह उनसे जालसाज ने 3.42 करोड़ की धोखाधड़ी कर ली।

डर, लालच और लापरवाही कारण

एडिशनल डीसीपी सायबर क्राइम शैलेंद्र सिंह चौहान का सायबर फ्रॉड तेजी से बढ़ता अपराध है। फ्रॉडस्टर आपको तरह-तरह से डराता, धमकाता है। लालच और लापरवाही के कारण भी आप उनका शिकार बनते हैं। कोई भी लिंक खोल लेना, झांसे में आ जाना, आपकी कमी को उजागर करता है। चार गुना मुनाफे के लालच में निवेश फ्रॉड होते हैं। डिजिटल अरेस्ट में डर आपको ले डूबता है। ऐसे किसी फोन पर विश्वास न करें। पास के थाने या सायबर थाना जाएं, पूरी बात बताएं। पुलिस आपकी हर संभव मदद करेगी। बैंक खाता बंद हो जाएगा। कार्ड ब्लॉक कर देंगे, ऐसी धमकियों से डरे नहीं बल्कि जबाब दें। कोई भी एजेंसी (आईबी, सीबीआई, नारकोटिक्स, एयरपोर्ट अथॉरिटी) आपको वीडियो कॉल नहीं करती है।

28 तरह से ठग कर रहे जालसाज

डाक्यूमेंट्स फ्रॉड, लॉस्ट सेल, मिररएप, मल्टीपल अकाउंट ओपन, स्कॉलरशिप फ्रॉड, सेक्सटॉर्सन, टावर इंस्टॉलेसन, कस्टम, गेमिंग, ओटीपी, कॉल ह्रासमेंट, इंश्योरेंस, लिंक फ्रॉड, गूगल सर्च, मेट्रीमोनियल, लोन एप, बिइंग रिलेटिव पर्सन, अननॉन ट्रांजेक्शन, लोन, जॉब, एपीके फाइल, टास्क फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, बाय-सेल फ्रॉड, कार्ड, इंवेस्टमेंट, यूपीआई और सोशल मीडिया।

बदमाशों ने छात्र पर तलवार से किया हमला

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। अशोका गार्डन इलाके में ग्यारहवीं के एक छात्र पर तलवार से हमला हो गया। बाइक सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना के वक्त छात्र अपने दोस्तों के साथ घर के पास टहल रहा था। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर अज्ञात चार के खिलाफ धारदार हथियार से हमला समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, 15 वर्षीय मयंक सिंह पिता लाल सिंह एमपीएल तिराहे के पास औद्योगिक क्षेत्र में रहता है। लाल सिंह ठेकेदार हैं। मयंक ग्यारहवीं का छात्र है। गत 24 सितंबर की रात करीब साढ़े 10 बजे मयंक खाना खाने के बाद अपने चार दोस्तों के साथ घर के पास टहल रहा था। तभी दो बाइक पर सवार चार लड़के आए। उनकी बाइक मयंक के घर की ओर गई। इसके बाद वापस मुड़ी। एक बाइक सवार ने बेल्ट चलाया जोकि मयंक के दोस्त आकाश को लगा। पीछे से आ रही दूसरी बाइक पर सवार युवक ने मयंक के चेहरे पर हमला किया।

गुजरात के बैंक मैनेजर पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गुजरात के बैंक मैनेजर के खिलाफ महिला थाना पुलिस ने दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया है। महिला का आरोप है कि पति और ससुराल वाले उससे दहेज में 20 लाख रुपए मांग रहे थे। रुपए न देने पर प्रताड़ित करते थे। पीड़ित पिछले दिनों मायके आई। इसके बाद थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। महिला थाना पुलिस के मुताबिक, मूलतः इटरासी निवासी पीड़िता के पिता रेलवे से रिटायर्ड अफसर हैं। पीड़िता भी पीएचडी स्कॉलर है। एक साल पहले उसकी शादी विधित धगट से हुई थी।

संक्षिप्त खबरें

गाय के इलाज को लेकर बजरंगियों से मारपीट

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार रोड इलाके में लंपी वायरस से ग्रसित गाय का इलाज कराने का कहने पर गाय मालिक और उसके साथियों ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से मारपीट कर दी। मारपीट के बाद बजरंगियों के खिलाफ कोलार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंच गए। इस बात की जानकारी लगते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने के सामने बैठ गए और हंगामा कर दिया। हालांकि बाद में बजरंगियों और गाय मालिक के बीच समझौता हो गया। इसके बाद वे चले गए। जानकारी के मुताबिक, रविवार दोपहर कोलार रोड पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने लंपी वायरस से ग्रसित गाय को कोलार रोड पर देखा था। उन्होंने गाय के मालिक से कहा कि यह वायरस बहुत खतरनाक है। इससे अन्य गायों को भी बीमारी फेल जाएगी। गाय को पशु चिकित्सालय ले जाकर उसका इलाज कराओ। यह बात सुनते ही गाय मालिक और उसके साथी भड़क उठे। उन्होंने समझाइश देने वाले बजरंगियों के साथ झूमाझटकी कर मारपीट कर दी। मारपीट के बाद वह बजरंगियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने कोलार थाने पहुंचे। जहां बजरंग दल के कार्यकर्ता भी पहुंच गए। उन्होंने मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

खंडेलवाल सभा ने किया मेधावी बच्चों का सम्मान

जागरण, भोपाल। श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल सभा भोपाल संभाग का क्षमावाणी एवं पारितोषिक वितरण कार्यक्रम रविवार को पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जवाहर चौक पर मनाया गया। इस मौके पर समाज के मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही विगत दो वर्ष में हुए सभा के सदस्यों के दुखद निधन पर उन्हें सामूहिक रूप से श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सभा के संरक्षक एवं मुख्य सलाहकार विनीत गोधा, पीसी सेठी मौजूद रहे। सभा के अध्यक्ष संदीप गोधा, उपाध्यक्ष विजित पाटनी, पंकज विनायका सह सचिव अभिनय जैन कासलीवाल और सुधा काला ने सभी आगंतुकों का आभार माना।

भानपुर मालीखेड़ी में आज 4 घंटे बंद रहेगी बिजली

जागरण संवाददाता, भोपाल। सोमवार को भानपुर मालीखेड़ी सहित आसपास के कई इलाकों में बिजली सप्लाई 4 घंटे तक बाधित रहेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज मालीखेड़ी, शबरी नगर, शुक्ला फार्म हाउस, विजय मार्केट, भारती बस्ती, भानपुर ब्रिज, शिव नगर फेस 1 से फेस 3 और आसपास के इलाकों में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। बिरला मंदिर, ओम नगर, भीम नगर व वल्लभ नगर सहित आसपास सुबह 6 से 7 बजे तक, राजीव गांधी कालेज, प्रियदर्शिनी, विनीत कुंज बी सेक्टर व आसपास सुबह 10 से 3 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

बीडीए संपत्ति मेले का आज अंतिम दिन

भोपाल। भोपाल विकास प्राधिकरण मुख्यालय में संपत्ति मेले का लाभ उठाने का अंतिम दिन है। रविवार को मेले में 150 से च्यादा लोगों ने प्रॉपर्टी में रुचि दिखाई। संपत्ति मेले में लगभग 400 प्रॉपर्टी आम नागरिकों की सुविधा के लिए विक्रय हेतु रखी हैं। बीडीए के संपत्ति मेले में आम नागरिकों हेतु व्यावसायिक भूखंड, रेसीडेंशियल भूखंड एवं मध्य वर्ग के लिए अफॉर्डेबल आवास विक्रय हेतु उपलब्ध है। संपत्ति के विक्रय हेतु ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है, जिसमें पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं त्वरित निराकरण हेतु बनाई गई है।

मां दुर्गा की आराधना

राजधानी स्थित टीटी नगर में रविवार को बंगाली समाज के लोगों मां दुर्गा की आराधना की। छाया: एचसी वर्मा

अब मिलेगी सूबे के साढ़े तीन हजार स्कूलों को मान्यता, कल से खुल जाएगा पोर्टल

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश में पहली से आठवीं तक के स्कूलों को मान्यता देने में साढ़े तीन हजार से ज्यादा प्रकरण अटके हुए हैं। उक्त प्रकरणों की संख्या भोपाल में सबसे ज्यादा करीब 500 है। उक्त स्कूलों को विलंब शुल्क के साथ मान्यता देने की तैयारी शुरू हो गई है। मान्यता के लिए पोर्टल सोमवार से खोला जाएगा। प्रदेश के निजी स्कूलों की पहली से आठवीं तक की मान्यता और नवीनीकरण राज्य शिक्षा केंद्र जारी करता है। स्कूल संचालकों को राज्य शिक्षा केंद्र से मान्यता लेना होगी। उनका नवीनीकरण तीन साल में किया जाता है। इसी साल मार्च अप्रैल तक वर्ष 2025-26 के लिए स्कूलों को मान्यता दी गई। प्रदेश में सत्र 2025-26 में पहली से आठवीं तक की मान्यता के लिए 23 हजार 316 स्कूलों ने आवेदन किया था। बीआरसीसी स्तर पर 23 हजार 272 स्कूलों की मान्यता का निराकरण कर दिया गया है। बीआरसीसी स्तर पर 44 मामले लंबित हैं, जबकि राजधानी में बीआरसीसी स्तर पर मान्यता का एक भी मामला लंबित नहीं है। मान्यता के सभी मामले जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) स्तर पर लंबित है। डीपीसी स्तर पर प्रदेश भर में तीन हजार 634 मामले लंबित हैं। इसमें सबसे ज्यादा भोपाल जिले में 480 मामले हैं। करीब साढ़े तीन हजार से अधिक स्कूल बिना मान्यता के संचालित हो रहे थे। स्कूलों की मान्यता रजिस्टर्ड किरायानामा की अनिवार्य के चलते रोकी गई थी। कुछ स्कूल संचालकों ने हाईकोर्ट की शरण ली। जहां से उन्हें रजिस्टर्ड किरायानामा की अनिवार्यता पर स्टे मिल गया।

दस हजार का भरना होगा विलंब शुल्क

राज्य शिक्षा केंद्र के जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया कि सत्र 2025-26 मान्यता नवीनीकरण के लिए शेष रह गए निजी स्कूल विलंब शुल्क दस हजार रुपए के साथ अंतिम अवसर दिया जा रहा है। मान्यता नवीनीकरण आवेदन के लिए 29 सितंबर से पोर्टल प्रारंभ किया जाएगा। इसकी अंतिम तिथि 10 अक्टूबर तय की गई है। इसी तिथि में नवीन स्कूलों की मान्यता के लिए आवेदन नहीं होंगे। सिर्फ सत्र 2025-26 में शेष रह गए स्कूलों की मान्यता के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

हाईकोर्ट के निर्देशों के अधीन रहेगी मान्यता

राज्य शिक्षा केंद्र ने इस बार की मान्यता नवीनीकरण में शासन द्वारा पंजीकृत किरायानामा बनवाने की अनिवार्यता कर दी थी। पंजीकृत किरायानामा नहीं बनने के कारण कई स्कूल प्रबंधन मान्यता के लिए आवेदन नहीं कर पाए। राज्य शिक्षा केंद्र की प्रक्रिया के विरोध में प्रायवेट स्कूल वेलफेयर संचालक मंच ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई। हाईकोर्ट ने रजिस्टर्ड किरायानामा के मामले में स्टे दे दिया था। जिसके बाद राज्य शिक्षा केंद्र हाईकोर्ट के निर्देशों के अधीन रजिस्टर्ड किरायानामा नहीं होने पर मान्यता देने के लिए तैयार हो गया है।

दुर्गा पंडालों व गरबा स्थलों पर सीसीटीवी अनिवार्य : सीपी

महिलाओं के लिए महिला वालिंटियर तैनात करें

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। दुर्गाउत्सव, गरबा, रामलीला, रावण दहन चल समारोह, प्रतिमा विसर्जन के दौरान आमजन की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस आयुक्त (सीपी) हरिनारायणाचारी मिश्र ने रविवार दोपहर कमिश्नर कार्यालय सभागार में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों तथा हिन्दू उत्सव समिति की संयुक्त बैठक ली गई। बैठक में सीपी ने कहा कि दुर्गा पंडालों और गरबा स्थलों पर सीसीटीवी अनिवार्य रूप से लगवाएं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला वालिंटियर लगाएं। बैठक में भोपाल अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मोनिका शुक्ला एवं समस्त पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, हिन्दू उत्सव समिति के पदाधिकारी, शांति समिति के पदाधिकारी, दुर्गा उत्सव समिति एवं आयोजक/राम बारात/दशहरा जुलूस/रावण दहन/झांकी चल समारोह के संरक्षक, डीजे संचालक, गरबा आयोजक, पीडब्ल्यूडी, एमपीईबी, भोपाल मेट्रो व नगर निगम के जोनल अधिकारी, सहायक पुलिस आयुक्त एवं थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि नवरात्रि एवं दशहरा पर्व शहर में बड़ी ही धूमधाम एवं उत्साहपूर्वक मनाया जाने वाला प्रमुख त्यौहार है। इस दौरान भारी संख्या में शहर एवं दीगर शहरों व कस्बों की जनता त्यौहार का आनंद लेने झांकी स्थलों एवं गरबा स्थलों पर आती हैं, जिनकी सुरक्षा एवं पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की जाए। नवरात्रि पर्व, गरबा महोत्सव, रावण दहन, जुलूस व प्रतिमा विसर्जन के दौरान सावधानियां बरतते हुए सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान रखें।

परंपराओं में विद्यमान है समृद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण: परमार

ज्ञान एवं विज्ञान को शोध और अनुसंधानकर दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि भारतीय समाज में हर विद्या-हर क्षेत्र में विद्यमान ज्ञान और विज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में पुनः शोध एवं अनुसंधान कर, दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता हैं। इसके लिए समाज में विद्यमान अपने पुरातन परंपरागत ज्ञान और विज्ञान के प्रति स्वत्व का भाव जागृत कर, हीन भावना से मुक्त होना होगा। अपने ज्ञान के प्रति विश्वास का भाव जागृत कर, भारतीय दृष्टिकोण के साथ विश्वमंच पर भारतीय ज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में पुनः स्थापित करना होगा। मंत्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने समाज में शोध एवं अनुसंधान के आधार पर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण समावेशी परंपराएं स्थापित की थीं। अतीत के विभिन्न कालखंडों में भारतीय समाज की परम्पराओं के प्रति हीन दृष्टि बनाने का

कुत्सित प्रयास किया गया। मंत्री परमार रविवार को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के ज्ञान-विज्ञान भवन में आयोजित विज्ञान मेला में आयोजित भारत का विज्ञान -भारत के लिए विज्ञान विषयक भारतीय ज्ञान परंपरा संगोष्ठी में सहभागिता कर, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा समावेशी शिक्षा के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मंत्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति एवं प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों जल, सूर्य एवं वृक्ष आदि के संरक्षण के लिए कृतज्ञता के भाव से श्रद्धा रूप में परम्परा एवं मान्यता स्थापित की थीं। कृतज्ञता, भारत की सभ्यता एवं विरासत है। श्री परमार ने कहा कि भारत की गृहणियों की रसोई में कोई तराजू नहीं होता है, गृहिणियों को भोजन निर्माण के लिए किसी संस्थान में अध्ययन करने की आवश्यकता नहीं होती है। भारतीय गृहिणियों में रसोई प्रबंधन का उत्कृष्ट कौशल, नैसर्गिक एवं पारम्परिक रूप से विद्यमान है। भारत की रसोई, विश्वमंच पर प्रबंधन का उत्कृष्ट आदर्श एवं श्रेष्ठ उदाहरण है। भारतीय समाज में ऐसे असंख्य संदर्भ, परम्परा के रूप में प्रचलन में हैं। परमार ने बताया कि इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं तकनीकी के क्षेत्र में भी भारत के पास समृद्ध ज्ञान था। मुख्य वक्ता प्रो. गंटी सूर्य नारायण मूर्ति ने अपने बीज वक्तव्य में भारतीय ज्ञान परम्परा के संदर्भ में विस्तृत जानकारी साझा की। प्रो मूर्ति ने विकसित भारत:2047 की संकल्पना की सिद्धि में सामना करने वाली चुनौतियों एवं समाधान पर व्यापक प्रकाश डाला। प्रो मूर्ति ने समग्रता के साथ, शिक्षा में भारतीय ज्ञान परम्परा के समावेश की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो मूर्ति ने भारतीय दृष्टि के साथ, भारतीय ज्ञान परम्परा में जीवन दर्शन, ज्ञान और विज्ञान की महत्ता को साझा किया।

दशहरा प्रदेश के प्रमुख बैंड, घोड़े, शहनाई व नृत्य मंडली की होगी प्रस्तुति

छोला दशहरा मैदान में 51 फीट रावण का होगा दहन, सीएम करेंगे श्रीराम का तिलक

चल समारोह में भी होंगे रंगारंग कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, भोपाल। श्री हिंदू उत्सव समिति के तत्वावधान में 2 अक्टूबर को छोला दशहरा मैदान पर इस बार दशहरा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। रविवार को मंगलवारा स्थित होटल शिखा में आयोजित पत्रकार वार्ता में समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि इस बार भव्य चल समारोह के बाद 51 फीट ऊंचे रावण का भी दहन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम डॉ. मोहन यादव होंगे। वे इस अवसर पर भगवान श्री रामचंद्र का विजय तिलक कर, पूजन-अर्चन करेंगे। इसके बाद रावण दहन किया जाएगा। तिवारी ने बताया कि रात 8.30 बजे आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी। रावण के साथ साथ 45 फीट ऊंचे

कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतले का भी दहन किया जाएगा। रावण दहन के पूर्व चल समारोह का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें धार्मिक व सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर धर्म ध्वजा विजय पताका लेकर सबसे आगे चलने वाले धारक सबके आकर्षण का केंद्र रहेंगे। चल समारोह में चल रहे 11 ब्राह्मण वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान राम का तिलक कर चलसमारोह का शुभारंभ किया जाएगा। चल समारोह में नासिक की ढोल पार्टी द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही पुलिस बैंड द्वारा भी एक प्रस्तुति दी जाएगी। चल समारोह में सुसज्जित रथ पर भगवान रामचंद्र, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान के अलावा रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के स्वरूप उपस्थित रहेंगे। अखाड़ा दल द्वारा लोगों का मनोरंजन करने के लिए करतब और प्रदर्शन किए जाएंगे। साथ ही ताशा पार्टी, प्रदेश के प्रमुख बैंड घोड़े, शहनाई, और नृत्य मंडलियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही दशहरा मैदान पर सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुति होगी। इसके पश्चात भगवान राम द्वारा रावण वध और रावण दहन का कार्यक्रम होगा। रावण दहन के पश्चात रंगारंग आतिशबाजी की जाएगी।

डीजे-ढोल की थाप पर गरबा प्रेमियों ने मचाया धमाल

जागरण, भोपाल। राजधानी के भेल जंबूरी मैदान में चल रहा भोजपाल गरबा महोत्सव इन दिनों अपने शबाब पर है। गरबा प्रेमी और शहरवासी गुजराती कलाकारों की सुमधुर गीतों, एक लाख किलोवॉट साउंड सिस्टम, डीजे और गुजराती ढोल की थाप पड़ते ही खुद को थिरकने से रोक नहीं पा रहे हैं। गरबा महोत्सव के अंतिम दिन सोमवार को बुंदेली लोक गायिका ममता शर्मा अपनी गीतों से समां बांधेंगी। मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी ने दीप प्रच्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आज बुंदेलखंड की प्रसिद्ध भजन गायिका ममता शर्मा अपनी सुमधुर गीतों की प्रस्तुति देंगी। आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस साल भी महोत्सव में मनोरंजन और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि गरबा के दौरान आयोजन स्थल पर आने वाले लोगों की सुरक्षा और पहचान सुनिश्चित करने के लिए आधार कार्ड से ही एंट्री दी

जा रही है। गरबा करने वाले और यहां आने वाले हर व्यक्ति को चंदन का तिलक लगाकर और कलावा बांधकर पारंपरिक रूप से स्वागत किया जा रहा है। लोगों के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए आयोजन स्थल पर मेडिकल टीम, सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा, पुलिस बल के साथ ही प्राइवेट सिक्योरिटी, वालंटियर मौजूद हैं। आयोजन समिति हर दिन गरबा प्रेमियों के उत्साह को बनाए रखने के लिए अलग-अलग श्रेणियों में विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक इनाम दे रही है। बड़ी संख्या में लोग हर शाम पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर माता रानी के भक्ति गीतों पर तालियों की गूंज के बीच थिरक रहे हैं।

मिर्ची प्रिस्टीन और दैनिक जागरण डांडिया मिक्स 2025 के समापन समारोह में बिंदी ग्रुप की सांस्कृतिक प्रस्तुति और आतिशबाज़ी

गरबा-डांडिया मिक्स का भव्य समापन रहा उत्साह से भरपूर

30 सदस्यीय टीम की रास गरबा प्रस्तुति

तीसरे दिन का सबसे आकर्षक पल था बिंदी ग्रुप की सांस्कृतिक प्रस्तुति, जिसने पारंपरिक और आधुनिक रंगों का संगम पेश किया। उनके संगीत और नृत्य ने पूरे समारोह को श्रद्धा और भव्यता से भर दिया। इसके साथ ही 30 सदस्यीय प्रोफेशनल डांस टीम ने अपनी शानदार रास-गरबा प्रस्तुतियों से उत्सव को अंतिम पलों तक जीवंत बनाए रखा। तीनों दिन लगातार उमड़ती भीड़, पारिवारिक सहभागिता और बच्चों की मौजूदगी ने इस आयोजन को पूरे शहर के लिए साझा त्योहार और उत्सव बना दिया। सभी प्रतियोगिताओं और मनोरंजन गतिविधियों ने दर्शकों को जोड़कर रखा और उत्सव की ऊर्जा को चरम पर पहुंचाया। आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन अब तक का सबसे सफल और भव्य डांडिया उत्सव साबित हुआ। टिकट पूरी तरह सोल्ड आउट होना और दर्शकों की भागीदारी और उत्साह इसकी लोकप्रियता और भव्यता का सर्वोत्तम प्रमाण हैं। मिर्ची प्रिस्टीन और दैनिक जागरण डांडिया मिक्स 2025 अब भोपाल की नवरात्रि का सबसे यादगार उत्सव बन गया है।

जागरण, भोपाल। तीन दिन तक चलने वाले मिर्ची प्रिस्टीन और दैनिक जागरण डांडिया मिक्स 2025 का समापन रविवार रात एनराइज बाय सायाजी में भव्य और यादगार अंदाज में हुआ। यह आयोजन पूरी तरह सफल रहा और भोपाल की नवरात्रि को एक नया आयाम और पारंपरिक उत्सव का स्वरूप प्रदान किया। डीजे इकबाल और डीजे ड्रेडजैम ने अंतिम दिन भी माहौल को ऊर्जावान बनाए रखा। दर्शक थिरकते और नाचते रहे, और गरबा-डांडिया की पारंपरिक धुनों ने पूरे स्थल को उत्सवमय बना दिया।

मिर्ची प्रिस्टीन और दैनिक जागरण डांडिया मिक्स में डांस का तड़का लगाने पहुंचे 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी-बींदणी' के कलाकार, जहां उन्होंने महोत्सव में आए सभी प्रतिभागियों के साथ जमकर गरबा खेला

फोटो :- एचसी वर्मा

सिटी न्यूज

साहित्य, संगीत और भक्ति परंपरा का 'संस्कृति पर्व-9' कल

जागरण, भोपाल। कला समय सामाजिक संस्था द्वारा संस्कृति संचालनालय के सहयोग से संस्कृति पर्व-9 का आयोजन 30 सितंबर को एसवी पॉलीटेक्निक कॉलेज सभागार में होगा। यह एक दिवसीय सांस्कृतिक एवं वैचारिक उत्सव दोपहर 3 बजे साहित्यिक संगोष्ठी से प्रारंभ होगा। जिसका विषय भक्तिकाल और सामाजिक जागरण पर महर्षि वैदिक संस्थान के अध्यक्ष प्रभुदयाल मिश्र और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. विनय षड़ंगी राजाराम अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। शाम 6 बजे से कार्यक्रम का वातावरण संगीत की मधुर लहरियों से गूंजेगा। संध्या मंडपे शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देंगी, जबकि चैतन्य भट्ट अपने एकल गायन से श्रोताओं को बांधेंगे। साथ ही पुष्पलता शर्मा का भक्तिपद गायन भी होगा।

स्वदेशी गरबा महोत्सव में मिला नारी शक्ति और संस्कृति को सम्मान

जागरण, भोपाल। लायंस क्लब इंटरनेशनल भोपाल एवं आर्ट स्टूडियो द्वारा सायाजी होटल में भव्य स्वदेशी गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। गरबा की लहराती ताल और रंगीन परिधानों ने माहौल को संस्कृति और परंपरा के रंगों से भर दिया। मुख्य अतिथि राच्य मंत्री कृष्णा गौर एवं विशिष्ट अतिथि अशोक कडेल उपस्थित रहे। कृष्णा गौर ने स्वयं गरबा में शामिल होकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में पारंपरिक गीत-संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर समाजसेवा, कला, पर्यावरण और फैशन जगत की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित हस्तियों में पर्यावरणविद् अंकिता मिश्रा, मिसेज इंडिया हिमानी सिंह, युवा प्रेरणा आयुश्री सिंह, डिज़ाइनर आराधना मालवी व अल्पा रावत, साथ ही मॉडल-एक्टर सलोनी शर्मा, पूजा शर्मा, मोनिका तिवारी, सान्या भास्कर और नित्या तलरेजा शामिल रहीं। आयोजन में लायंस क्लब अध्यक्ष मनोहर आशुदानी, जोन चेयरमैन प्रकाश बच्चानी, हरिओम जाटिया, अपेक्षा डबराल और पूर्व आईएएस राजेश मिश्रा भी मौजूद रहे।

नाटक मंचन में पहली बार एनिमेशन का प्रयोग

राम वनवास षड्यंत्र नहीं, कैकेयी के अंतर्द्वंद्व का परिणाम था

जागरण, भोपाल। रामायण की कथा में कैकेयी का नाम आते ही अक्सर हमारे मन में एक खलनायिका की छवि उभरती है। वही कैकेयी, जिसने राम को वनवास दिलवाया और अयोध्या का राजपाट भरत को दिलाने का आग्रह किया। पर क्या यही उनकी पूरी पहचान है? लिटिल बैले ट्रूप में रंगदूत सीधी की नवीन प्रस्तुति नाटक कैकेयी का मंचन इसी सवाल को केंद्र में रखकर किया गया है। नाटक को लिखा और निर्देशित किया है प्रसन्न सोनी ने। इसकी खास बात यह है कि इसमें पहली बार रंगमंच पर एनिमेशन का प्रयोग कर कहानी को आधुनिक और प्रभावी रूप दिया गया है।

नाटक की कहानी और दृष्टि

यह प्रस्तुति कैकेयी को केवल दोषारोपण की दृष्टि से नहीं, बल्कि एक संघर्षशील और मानवीय स्त्री के रूप में प्रस्तुत करती है। नाटक में दिखाया गया है कि कैकेयी केवल एक रानी नहीं थी, बल्कि एक माँ, पत्नी और धर्मनिष्ठ नारी भी थी। उसका निर्णय व्यक्तिगत स्वार्थ से नहीं, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों और कर्तव्य-बोध से प्रभावित था। राम को वनवास दिलाना उसके अंतर्द्वंद्व का परिणाम था, न कि महज षड्यंत्र। कैकेयी को केवल दोषी मानना हमारे दृष्टिकोण की संकीर्णता है।

संभावना गतिविधि

बीन वादन, सैला व मोरिला जनजातीय नृत्य की प्रस्तुतियां

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में हर रविवार नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना का आयोजन हुआ। जिसमें उपेंद्र सिंह कुशराम एवं साथी, सीधी द्वारा सैला नृत्य, दानबहादुर घासी एवं साथी, उमरिया द्वारा मोरिला नृत्य एवं जितेंद्र कुमार शर्मा एवं साथी, अशोकनगर द्वारा बीन वादन की प्रस्तुति दी गई।

सैला नृत्य

सुदूर छत्तीसगढ़ से लगाकर मंडला के गोंड और बैगा जनजातियों तक इसका विस्तार मिलता है। सैला नृत्य शरद ऋतु की चाँदनी रातों में किया जाता है। हाथों में लगभग सवा हाथ के डंडे के कारण इसका नाम सैला पढ़ा। आदिदेव को प्रसन्न करने के लिए सैला नृत्य का प्रचलन है। कहते हैं सरगुजा की रानी से अप्रसन्न होकर आदिदेव बघेसुर अमरकंटक चले गये थे, वहां के बांसों को काटकर इस नृत्य का प्रचलन हुआ।

बीन वादन

यह कालबेलिया समुदाय की एक विशेष परंपरा है और वे अमावस्या एवं पूर्णिमा में गांव-गांव जाकर बीन वादन करते हैं। इसके साथ-साथ नागपंचमी इनका मुख्य पर्व है। बीन की यह परंपरा अब धीरे-धीरे घरों में होने वाले अनुष्ठानिक कार्यों एवं अवसरों तक भी पहुंच गई। कलाकारों द्वारा प्रस्तुति के दौरान धार्मिक एवं नाथ भजनों की भी प्रस्तुति दी गई।

मोरिला नृत्य

मोरिला नृत्य बघेलखंड क्षेत्र में गोंड जनजातियों एवं कहीं कहीं यादव समाज के लोक कलाकारों द्वारा किया जाता है। इस नृत्य में गोंड युवा दल हांथ में डंडा लेकर मोर के पंख व मुकुट पहनकर मोर की तरह शारीरिक गति के साथ नृत्य करते हैं। नृत्य करते हुए यह हूबहू मोर की ही तरह दिखते हैं जिसके कारण इस नृत्य का नाम मोरिला नृत्य नाम पड़ा।

अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का छठवां दिन, विविध प्रसंग प्रस्तुत

भजन गायक अनूप जलोटा व्यास गद्दी पर रहे उपस्थित

जागरण, भोपाल। राम का स्वरूप मानवीय आचरण में मर्यादा का आदर्श है, परंतु उनकी सत्ता केवल मानव-लोक तक सीमित नहीं है। वे दैहिक और लौकिक सीमाओं से परे जाकर संपूर्ण ब्रह्मांड के नियामक रूप में प्रतिष्ठित हैं। यह दृष्टिगोचर हो रहा है अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव में, जिसका आयोजन मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से किया जा रहा है। इस सात दिवसीय उत्सव के छठवें दिन मैनाक पर्वत प्रसंग, सुरसा-सिंहिका-लंकिनी प्रसंग, लंका दहन प्रसंग, विभीषण शरणागत प्रसंग, सेतु निर्माण, लक्ष्मण-शक्ति प्रसंग प्रस्तुत किए गए। रवीन्द्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर आयोजित हो रहे इस उत्सव में श्रीलीला गुरुकुल संस्थान, चित्रकूट के कलाकार अपने अभिनय और प्रस्तुतिकरण से दर्शकों को आनंददायी अनुभूति दे रहे हैं। श्रीराम मंदिर के दिव्य और भव्य सेट पर छठवें दिन इस लीला के भजनों में अपनी आवाज देने वाले सुप्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा भी उपस्थित रहे। उन्होंने व्यास गद्दी पर स्थान ग्रहण किया।

मैनाक पर्वत प्रसंग

हनुमानजी जब सीता जी की खोज के लिए समुद्र लांघने निकले, तो समुद्र ने उनकी सहायता के लिए स्वर्णमय पर्वत मैनाक को ऊपर उठाया। मैनाक ने हनुमानजी को विश्राम करने और फलाहार करने का आग्रह किया। किंतु श्रीरामकार्य की तात्कालिकता को देखते हुए हनुमानजी ने आभार व्यक्त कर बिना विश्राम किए आगे प्रस्थान किया।

सिंहिका प्रसंग - आगे मार्ग में सिंहिका नामक राक्षसी ने हनुमानजी की छाया पकड़कर उन्हें रोकना चाहा। पराक्रमी हनुमानजी ने उसे मार गिराया और अपने मार्ग पर अग्रसर हुए।

लंका दहन प्रसंग - हनुमानजी ने सीता माता का पता लगाया और अशोक वाटिका में उन्हें श्रीराम का संदेश दिया। रावण द्वारा अपमानित करने और अपनी पूंछ में अग्नि लगवाने के पश्चात् उन्होंने संपूर्ण लंका को दग्ध कर दिया।

गरबा महोत्सव

त्यौहारों में ही हम परंपरा से जुड़ते है : मोनिका

भोपाल में गरबा खेलते दिखे 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी-बींदणी' के कलाकार

जागरण, भोपाल। नियो चैनल पर प्रसारित हो रहे सीरियल 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी-बींदणी' के कलाकार इन दिनों झीलों की नगरी भोपाल पहुंचे, जहाँ वे मिर्ची प्रिस्टीन और दैनिक जागरण डांडिया मिक्स में शामिल हुए। मोनिका खन्ना, अक्षय जग्गा, गौरी शेलगांवकर ने भोपालवासियों का आभार जताते हुए कहा कि उनकी वजह से ही उन्हें गरबा खेलने का मौका मिल रहा है। उन्होंने बताया कि वे मुंबई के गरबे को मिस कर रहे थे लेकिन अब भोपाल में पूरे उत्साह के साथ गरबा खेलेंगे।

रैपिड फायर राउंड

रैपिड फायर राउंड का पहला सवाल था गरबा खेलने में ज्यादा मजा किसके साथ आता है, जिस पर शो के कलाकारों ने कहा मजा तो दोस्तो के साथ ही आता है। गरबा ड्रेस को मॉडर्न टच के साथ पहचानें या फिर ट्रेडिशनल टच के साथ इस तरह से सबने मिश्रित जवाब दिया। मोनिका और गौरी ने कहा कि त्योहारों में ही तो हम परंपरा से जुड़ी चीजें करते हैं। वहीं अक्षय ने कहा कि मॉडर्न टच के साथ बेहतर होगा। भोपाल का मौसम या मुंबई का मौसम पर कलाकारों ने भोपाल के मौसम को सुहाना बताया लेकिन साथ ही मुंबई की बारिश को भी खास बताया।

शो की कहानी और ट्विस्ट

कलाकारों ने शो में आ रहे नए ट्विस्ट पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि धारावाहिक में ड्रामा, एक्शन और थ्रिल सबकुछ है, जिससे दर्शक कभी बोर नहीं होंगे। मोनिका खन्ना ने कहा मेरा इरादा घेवर को हवेली से बाहर निकालने का है, लेकिन उसकी चालाकियों के कारण मेरी सारी प्लानिंग फेल हो जाती है। वहीं, मेरा भाई यानी उसका बींद भी बीच में आ जाता है, जिससे मुझे पीछे हटना पड़ता है। यह संघर्ष ही शो को रोचक बनाता है।

प्रादेशिक लोकभाषा कहानी लघुकथा गोष्ठी : कथा सृजन पर सार्थक विमर्श

जागरण, भोपाल। दुष्यन्त कुमार स्मारक पाण्डुलिपि संग्रहालय में मध्यप्रदेश लेखक संघ द्वारा रविवार को प्रादेशिक लोकभाषा कहानी/लघुकथा गोष्ठी का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि कहानी तभी कालजयी बनती है जब वह पाठकों के दिल तक उतरती है। सारस्वत अतिथि डॉ. स्वाति तिवारी ने साहित्य को अंतर्मन की आवाज बताया, जबकि डॉ. कान्ता राय ने लघुकथा को कम शब्दों में गहरी छाप छोड़ने वाली विधा बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी ने कहा कि विशेषज्ञों के सुझावों पर ध्यान देकर लेखन को और सार्थक बनाया जा सकता है। गोष्ठी में मनोरमा पन्त, वीरेंद्र श्रीवास्तव, अवनिन्द्र खरे, जया आर्य, संतोष परिहार, डॉ. मौसमी परिहार, संत कुमार संत, रश्मि दीक्षित, आनंदकुमार तिवारी और घनश्याम मैथिल सहित कई साहित्यकारों ने अपनी कहानियां व लघुकथाएं प्रस्तुत कीं।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

ट्रंप के फैसले से भारतीय फार्मा उद्योग संकट में

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिये नए सिरे से जारी बातचीत के बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फार्मा उत्पादों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवा उत्पादों पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है, बशर्ते कि दवा निर्माता कंपनियां अमेरिका में उत्पादन सुविधाएं स्थापित न करें। आशंका है कि ट्रंप के इस कदम का प्रभाव भारत के फार्मा उद्योग पर पड़ सकता है, जिसने देश को 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में स्थापित किया है। दुनिया भर से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले तीस अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों में से दस अरब डॉलर से अधिक का निर्यात भारत से होता है। भारत मुख्य रूप से अमेरिका को कम लागत वाली जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। यह अच्छी बात है कि ये जेनेरिक दवाइयां नई टैरिफ व्यवस्था के दायरे में नहीं आती हैं। हालांकि, अभी तक सक्रिय दवा सामग्री यानी एपीआई पर कोई स्पष्टता नहीं है। वैसे भारत से भारतीय ब्राडेंड दवाइयों का भी निर्यात होता है। व्यापार अनुसंधान एजेंसी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के अनुसार फॉर्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत सबसे बड़ा निर्यातक है, लेकिन ये अधिकांशतः गैर-ब्रांडेड दवाइयां हैं। वैसे अमेरिका द्वारा भारतीय आयात पर पचास फीसदी टैरिफ लगाने पर भी आशंका जताई गई थी कि इससे जेनेरिक व ब्रांडेड दवाएं महंगी हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में भारत की फार्मा कंपनियों की आय का बड़ा जरिया होने के कारण ये काफी कम मार्जिन पर काम करती हैं। ऐसे में यदि उन पर टैरिफ लगता है, तो उनका वहां कारोबार करना कठिन हो सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के दवा बाजार में बड़े ब्रांड वाली दवाइयों के सस्ते प्रारूप वाली जेनेरिक दवाइयों का आधे से अधिक हिस्से पर अधिकार है, जिससे अमेरिका की स्वास्थ्य सेवा लागत में अरबों रुपये की बचत होती है।

आशंका जतायी जा रही है कि यदि भारत व अमेरिका में व्यापार समझौता नहीं होता तो भी टैरिफ के कारण कुछ भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों को बाजार से बाहर होना पड़ सकता है। लेकिन यह स्थिति अमेरिका के लिये भी संकट बढ़ा सकती है। भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों की अनुपस्थिति में अमेरिका में पहले ही दवाओं की कमी का संकट और गहरा सकता है। लेकिन ट्रंप के फार्मा उद्योग पर सौ फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय दवा उद्योग में निराशा जरूर व्याप्त हुई है। देश के बड़े दवा शेयरों में अचानक आई गिरावट इसका ही नतीजा है। अब चाहे यह गिरावट अल्पकालिक हो, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि ट्रंप के अगले कदम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। दवा उद्योग को आशंका है कि ट्रंप आने वाले दिनों में जेनेरिक दवाओं पर भी टैरिफ लगा सकते हैं, जबकि अमेरिकी प्रशासन को पता है कि ऐसे किसी प्रतिबंध से वहां स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में इजाफा होगा। वहीं दूसरी ओर, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की इन दवाओं तक पहुंच सीमित हो जाएगी। निश्चित रूप से अमेरिका से चल रही बातचीत के दौरान भारत को इस मुद्दे को प्राथमिकता देनी चाहिए। हालांकि, अमेरिका को भी पता है कि ये निषेधात्मक टैरिफ खुद उसके लिये भी प्रतिकूल साबित हो सकते हैं। साथ ही, अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर प्रतिकूल असर डाल सकते हैं, जो पहले ही ट्रंप के विघटनकारी फैसलों का शिकार है। ऐसे में अमेरिका को सस्ती दवाओं को एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आगामी समझौते में उसके दवा क्षेत्र के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित हों। इसके साथ ही भारत को अपनी दवाओं के लिये नये बाजार तलाशने चाहिए। साथ ही, प्रमुख भारतीय दवा कंपनियों को जटिल जेनेरिक दवाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो मुख्य रूप से ब्रांडेड श्रेणी में आती हैं। इससे दवा कंपनियों को उच्च मूल्य वाले बाजार में पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है।

आत्मनिर्भरता की रणनीति से उद्योग की दिशा परिवर्तन का वक्त

राष्ट्रीय व्यापार नीति

रिटा. ले. जनरल एसएस मेहता

अक्सर, हम मात्रा को कीमत समझ बैठते हैं। हम स्केल का जश्न मनाते हैं, न कि ठोस हकीकत का। भारत कारें असेंबल करता है, लेकिन एक भी स्वदेशी 300-350 एचपी इंजन व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नहीं। रेलवे आज भी विदेशी डिजाइंड डीजल इंजनों पर निर्भर है। रक्षा उत्पादन क्षेत्र बिजली संयंत्र विहीन है। हॉर्सपावर उधार की, कंप्यूटर चिप्स आयातित, एपीआई में विदेशी निर्भरता, दूरसंचार तंत्र पट्टे पर, बैटरियां खरीदी जा रही...। आत्मनिर्भरता की रणनीति उधार ट्रांसमिशन चेन और हॉर्सपावर पर नहीं चल सकती।

ग्लोबल साउथ में आकार और प्रतिभा के मामले में कोई भी राष्ट्र नेतृत्व करने के लिए हमसे बेहतर स्थिति में नहीं है। मौजूदा वैश्विक स्थितियों का फायदा उठाकर नेतृत्वकारी भूमिका के लिए उद्योग के लिए देश के खुद के 4.0 यानी अन्वेषण, समावेश, निवेश, नवाचार वाले दिशा सूचक होने चाहिये। वहीं आत्मनिर्भरता जरूरी है। मूलभूत जरूरतों के लिए पराश्रित देश विश्व में स्वायत्तता का दावा नहीं कर सकता।

दुनिया के बारे में अब पहले से कोई अनुमान नहीं लगा सकते हैं। यूरोप और पश्चिम एशिया में युद्ध खिंचते ही जा रहे। आपूर्ति श्रृंखला को हथियार बनाया जा रहा है, कंप्यूटर चिप्स से लेकर एपीआई और ऊर्जा तक। समझौतों से ज़्यादा तेजी से टैरिफ की दीवारें खिंच रही हैं। डब्ल्यूटीओ निष्प्रभावी सा है; हमारे पड़ोसियों खाड़ी देश, पाकिस्तान, चीन इनसे जुड़े हमारे जोखिम बढ़ रहे हैं। इस मामले में भारत अकेला नहीं। अमेरिका अपने उद्योगों का संरक्षण टैरिफ और अब एच-1बी से कर रहा है। यूरोप आयात पर कार्बन-टैक्स लगा रहा है, अफ्रीकी मुल्क दूसरों पर निर्भरता से व आसियान देश सप्लाई चेन की कमज़ोरी से जूझ रहे हैं। हर भूभाग अपना बाजार दूसरों के माल से बचा रहा है। केवल वे देश जो अपनी आंतरिक लोच बना लेंगे, दूसरों को स्थिरता दे सकेंगे।

आत्मनिर्भरता बतौर दिशासूचक : भारत के लिए अब केवल अस्तित्व काफी नहीं। आत्मनिर्भरता महज नारा न होकर एक मिशन है। मूल जरूरतों के लिए पराश्रित देश इस विभाजित विश्व में स्वायत्तता का दावा नहीं कर सकता। इसीलिए वित्त मंत्री का उद्योग जगत को आह्वान खास तात्कालिकता रखता है- निवेश करें और दिशा बदलें। विश्व स्तर पर उद्योग 4.0 स्मार्ट कारखाने, ऑटोमेशन और डिजिटल एकीकरण का लघु प्रारूप है। भारत के लिए इसका अर्थ कुछ गहरा चाहिए। उद्योग 4.0 हमारा अपना दिशासूचक है - अन्वेषण, समावेशन, निवेश, नवाचार। यह पश्चिम का उद्योग 4.0 न होकर भारतीय संस्करण है, विवेक और स्केल पर आधारित, जिसका उद्देश्य दक्षता व बैसाखी रहित समावेशिता बनाना है।

दुष्चक्र तोड़ना : मार्जिन मामूली होता है क्योंकि स्केल छोटा होता है, और स्केल इसलिए छोटा है कि क्रयशक्ति कम है। इसका हल है अधिक मार्जिन वाला वैश्विक बाज़ार, तुलनात्मक लाभ और अनुसंधान एवं विकास में पुनर्निवेश करने में। हमारा बहुचर्चित आईटी उद्योग अन्य मिसाल है, एक उच्च लाभकारी बिजनेस जो ट्रांसलेशनल एआई मॉडल बनाने की बजाय नकद मुनाफे को तरजीह देता रहा है। परिणाम- सेवा क्षेत्र में अग्रणी, किंतु वैश्विक उत्पादों में नहीं।

आईना : अक्सर, हम मात्रा को कीमत समझ बैठते हैं। हम स्केल का जश्न मनाते हैं, न कि ठोस हकीकत का। भारत कारें असेंबल करता है, तथापि एक भी स्वदेशी 300-350 एचपी इंजन व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नहीं। रेलवे आज भी विदेशी डिज़ाइंड डीजल इंजनों पर निर्भर है। रक्षा उत्पादन क्षेत्र बिजली संयंत्र विहीन है। रणनीति उधार ट्रांसमिशन चेन और हॉर्सपावर पर नहीं चल सकती। स्टैनफोर्ड अध्ययन में भारत को एआई जीवंतता में चौथा स्थान मिला है, गिट हब में इंजीनियरों की बाढ़ सी है, विमर्श सक्रिय है, कौशल प्रचुर है। लेकिन पेटेंट, निवेश, बुनियादी ढांचा और आधारभूत मॉडलों में हम पिछड़े हैं। एआई में योगदान तो करते हैं, लेकिन मालिक नहीं। हॉर्सपावर उधार की, कंप्यूटर चिप्स आयातित, एपीआई में विदेशी निर्भरता, दूरसंचार तंत्र पट्टे पर, बैटरियां खरीदी गयी-इंजीनियरों का देश अभी भी रॉयल्टी चालित है। विकल्प स्पष्ट है- अपने खुद के उत्पादों के बिना आईटी सेवा आधारित आर्थिकी बने रहें या उधार के पुर्जों पर चलने वाला इंजीनियरिंग बेस या फिर अन्वेषण, नवाचार और स्वामित्व की दिशा में बदलाव लाकर आत्मनिर्भरता साबित करें।

सफलता अपरिहार्य : ऐसा नही है कि हर मोर्चे पर असफलता ही है, जब कभी अन्वेषण, निवेश और संकल्प एक साथ आए हैं, तो भारत ने परिणाम दिए हैं। इसरो ने वैश्विक लागत के एक अंश जितने खर्च में मंगल और चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान पहुंचा दिए। आधार, यूपीआई, कोविन बड़े पैमाने का डिजिटल समावेशन दर्शाते हैं। एपीआई पर निर्भरता के बावजूद, फार्मा कंपनियों ने भारत को दुनिया का विश्वसनीय जेनेरिक दवा सप्लायर बनाया दिया। फिनटेक, लॉजिस्टिक्स, एसएएएस में यूनिकॉर्न कंपनियों ने उद्यमशीलता की ललक साबित की। क्वांटम कम्प्यूटिंग पर काम जारी हैं। ये सफलताएं साबित करती हैं- जब-जब नीति, लाभ और शेयरधारक के मूल्य एक साथ आए, तब-तब भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया।

दिशा बदलने का मौका : उद्योग मूकदर्शक बना नहीं रह सकता। उसे महज एक यात्री की बजाय सहयात्री होना पड़ेगा। सरकारी मदद जोखिम कम कर सकती है, लेकिन जोखिम केवल उद्योग ही उठा सकता है। वे नेतृत्व करने, सरकार संग सह-निवेश करने व विदेश में झंडा बुलंद करने का लक्ष्य रखें। देश की दिशा तय करने की जिम्मेदारी उन पर है। आह्वान टैरिफ के पीछे छिपने का न होकर, आत्मविश्वास के साथ वैश्विक बाज़ारों में उतरने का होना चाहिए। अगर उद्योग इस रास्ते पर चलेंगे, तो वे अकेले नहीं होंगे, बल्कि उनके साथ नीति, पूंजी और लोग होंगे। साथ मिलकर, यह चौकड़ी आत्मनिर्भरता का सच्चा इंजन बनाती है। उद्योग को नीति पर चलने के लिए नहीं बुलाया जा रहा; उसे इतिहास रचने और वह ज्वार लाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है जो सभी नावों को एक साथ ऊपर उठाए।

वैश्विक व्यवहार से सीख : एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल जोखिम भरे शोध में अरबों डॉलर झोंक देते हैं; कुछेक में मिली सफलता उनकी प्रमुखता सुनिश्चित कर देती है। अमेज़ॉन लॉजिस्टिक्स और क्लाउड में पुनर्निवेश कर रहा है। हुआवे और बीवाईडी दूरसंचार और मोबिलिटी में पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने में लगे हैं। इजराइल रक्षा आरएंडडी को स्टार्टअप में बदल रहा है। हर जगह, मुनाफे को बीज रूप में लिया जाता है, न कि जेब में डालने वाले लाभांश के रूप में।

फायदे का द्वार खोलना : जहां नीति, शेयरधारक और पूंजी एक साथ आएं। यही वह जगह है जिसमें भारत की असली बढ़त निहित है। नीति और पूंजी मिलकर वैश्विक खिलाड़ी बनाएं, न कि महज घरेलू अस्तित्व। यदि दोनों पक्ष इस समझौते पर पहुंचते हैं, तब भारत का लाभ विडंबनापूर्ण न बनकर; सहकार; मिसाल योग्य बन मुनाफे, लोच और पहुंच में परिवर्तित हो जाएगा। तिमाही परिणामों के साथ-साथ एक वार्षिक 'विवेक आह्वान' भी हो, जो समावेशिता और उत्तरदायित्व मापे।

जोखिम में कमी लाने वाली नीति लाजिमी : इसके लिए जरूरी हैः न केवल पूंजीगत व्यय को, बल्कि दीर्घकालिक अनुसंधान एवं विकास को भी पुरस्कृत करना। संप्रभु नवाचार निधियों के जरिए सह-निवेश बनाना। नियमों का सरलीकरण ताकि स्टार्टअप विकसित हों, न कि अनुपालन करने में ही डूब जाएं। बौद्धिक संपदा संरक्षण की त्वरित गारंटी हो। कार्बन टैरिफ सम्मत भारतीय निर्यात तैयार करना। पेंशन और बीमा निधियों का निवेश नवाचारकों को पूंजी देने में लगाना। मानदंड निर्धारित करना; उच्च मानक कंपनियां बनाना, अनुपालन प्रोत्साहन; अच्छा प्रदर्शन करने वाली कंपनियों को वैश्विक खिलाड़ी बनाना।

आह्वान का बिगुल : यह सभी के लिए है - यहां आत्मनिर्भरता का अर्थ अलग-थलग के बजाय सृजन है। ज्ञान का वह भंडार जो गैर-दखलअंदाज, आमंत्रित करता, साझेदारी एवं देखभाल बनाने वाला है।भारत का उद्योग तब-तब हमेशा उभरा है जब-जब दुनिया को संदेह हुआ है, वर्ष 2000 में, आईटी बूम में, डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं में। आज, असमंजस भीतर है, क्या हम असेम्बलिंग और पुनर्लेबलिंग करने भर से संतुष्ट हैं या डिज़ाइन करेंगे और स्वामित्व बनाएंगे? इसका उत्तर केवल नीति से नहीं आ सकता, बल्कि उन बोर्डरूमों से आएगा जो आरामतलबी की बजाय नागरिक साहस चुनेंगे।

भौगोलिक दृष्टि से लाभान्वित, हिंद महासागर में हमारी स्थिति वैश्विक समुद्री जीवनरेखा में काफी अहम है; सफलताएं और असफलताएं, दोनों के प्रमाण के साथ अब समय आ गया है कि हम अपनी दिशा बदलें। हमारे आकार और प्रतिभा वाला कोई अन्य देश नहीं है जो विश्व के इस दक्षिणी भाग का नेतृत्व करने में हम से बेहतर स्थिति में हो। उद्योग जगत के लिए अनूठा अवसर केवल 2047 तक ले जाने वाले राजमार्ग पर चलने में नहीं है, बल्कि इसकी नींव रखने, अपने विस्तार का परीक्षण करने और दुनिया के लिए अपने टोल गेट खोलने का है।

बेरोजगार युवाओं का भरोसा तोड़ा पेपर लीक श्रृंखला ने

चयन परीक्षाएं

वेद विलास उनियाल

उत्तराखंड स्थापना आंदोलन के दौरान रोजगार प्रमुख मुद्दों में शामिल था ताकि नये राज्य में युवाओं का भविष्य बेहतर हो। राज्य स्थापना के 25 साल बाद अब फिर युवा उसी तरह सड़कों पर उतरा है। भर्ती परीक्षा में पेपर लीक होना तंत्र से भरोसे को डिगाता है।

उत्तराखंड राज्य के आंदोलन को मातृशक्ति और युवा शक्ति का आंदोलन कहा गया था। एक स्वयंस्फूर्त आंदोलन में युवाओं की ऐसी भागीदारी थी, जिसमें वे निजी हितों को तिलांजलि देकर बड़े उद्देश्य के लिए आंदोलन में कूद पड़े थे। राज्य स्थापना के आंदोलन के पीछे कई पहलुओं को देखा गया, लेकिन दशकों से चले आ रहे आंदोलन को नब्बे के दशक में चिंगारी रोजगार के मसले पर ही मिली थी। युवाओं ने महसूस किया था कि जिस आरक्षण को राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में लागू किया जा रहा है, वह उनके रोजगार छीन लेगा। राज्य स्थापना के 25 साल बाद अब फिर युवा उसी तरह सड़कों पर उतरा है। बेशक उसका यह आंदोलन किसी आरक्षण या किसी तकनीकी आधार के विरोध पर नहीं, लेकिन उत्तराखंड में फिर से पेपर लीक की घटना से वह आहत हुआ है। उसे फिर लगा कि उसके जीवन से खिलवाड़ हो रहा है। सियासी पार्टियों के अपने-अपने बयान हैं, लेकिन यह हकीकत है कि राज्य में ऐसा ढांचा बना है जो पेपर लीक करने वालों में डर पैदा नहीं कर पा रहा। उत्तराखंड में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की स्नातक स्तरीय परीक्षा के दौरान पेपर लीक हुआ है। परीक्षा शुरू होने के 35 मिनट के अंदर पेपर के तीन पेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। हालांकि पेपर लीक होना या भर्ती घोटाला इस राज्य के लिए नई बात नहीं रही। राज्य बनने के साथ ही ऐसी घटनाएं समय-समय पर होती रही हैं। राज्य की शुरुआत के साथ ही 2003 में पटवारी भर्ती घोटाला और दारोगा भर्ती घोटाला सामने आये। पेपर लीक का यह पहला मामला नहीं। साल 2021 में स्नातक स्तरीय परीक्षा में पेपर लीक का मामला सामने आया था। इसमें कई आरोपी गिरफ्तार हुए तथा जांच के आदेश दिए थे। राज्य में पटवारी, लेखपाल, ग्राम विकास अधिकारी जैसी कई परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोप लगे। वन दारोगा भर्ती में भी पेपर लीक व ऑनलाइन नकल के आरोप लगे। जांच हेतु राज्य सरकार ने विशेष जांच दल गठित किया।

2023 में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और कथित घोटालों के खिलाफ छात्रों के जगह-जगह विरोध प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार 'उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम 2023' लेकर आई थी। तब इसे पेपर लीक और नकल रोकने के लिए सबसे सख्त कानून बताया गया। इसमें ऐसी कड़ी धाराएं थी जो ऐसी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों को सोचने पर विवश करें। लेकिन हाल ही में फिर उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की स्नातक स्तरीय परीक्षा दौरान पेपर लीक की बात सामने आई है, जिसने सबको चौंकाया। हर कोई हैरान है कि कड़े कानून और समय-समय पर कार्रवाई होने के बावजूद ऐसे तत्वों पर फर्क नहीं पड़ा है। निश्चित ही ऐसे काम को अंजाम देने वाली एक बड़ी लॉबी सक्रिय है, और इस पूरे तंत्र से निपटना किसी भी सरकार के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसे तत्वों का फैलाव इतनी दूर तक है कि सरकार का मजबूत तंत्र उनसे निपट नहीं पा रहा है। दरअसल यह किसी एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे देश की भी चिंता है। ऐसे कई सवाल उत्तराखंड के छात्रों के मन में उठना स्वाभाविक है कि छोटे-छोटे कबूतर नहीं, असली बाज कौन हैं? उत्तराखंड सामाजिक आंदोलनों के लिए जाना जाता है। कभी यहां की निरक्षर महिलाओं ने दुनिया भर को पर्यावरण के महत्व से जागरूक किया। यहीं महिलाओं ने अपने बच्चों के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए आंदोलन किया। युवाओं को शिक्षा व रोजगार के लिए मातृशक्ति ने नब्बे के दशक में ऐसा आंदोलन खड़ा किया, जिससे एक नहीं, तीन राज्यों की स्थापना करा दी। इन सबके मूल में एक आदर्श राज्य बनाने की सोच थी, जहां युवाओं के रोजगार सुरक्षित हों, अवसर मिलें। लेकिन आज भी लोगों की आंखों की नमी कम नहीं हुई।

पच्चीस साल बाद उत्तराखंड का युवा फिर उसी जद्दोजहद में फंसा दिख रहा है, तो मानना चाहिए कि इसके पीछे कई पेच हैं। उसके स्वर आज भी यही हैं कि 'हमारे साथ अन्याय हो रहा है।' जिस जवानी को उत्तराखंड के भविष्य के साथ जोड़कर देखा जा रहा है, उसके सीधे सवाल हैं- इस पूरे मामले की सीबीआई जांच कराई जाए, परीक्षा को रद्द किया जाए, अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। वे यह भी कह रहे हैं कि अब पुलिस ने जो कार्रवाई की है, वह उनके दिए तथ्यों के आधार पर की है। पुलिस ने अपने स्तर पर क्या किया है? और सरकार का ठोस कानून युवाओं के हितों का संरक्षण क्यों नहीं कर पा रहा है? निश्चित ही युवा यह भी चाहते हैं कि उनके खिलाफ दर्ज मुकदमें वापस लिये जाएं। आखिर उन्हें लगता है कि अन्याय हुआ है, तो आवाज़ उठाने से उन्हें क्यों रोका जाए? यह सवाल पूरे उत्तराखंड में उठ रहा है कि असल चूक कहां हो रही है? इस पूरे जाल को कैसे ध्वस्त किया जा सकता है? युवाओं में शासन के प्रति विश्वास कायम रहना चाहिए। कुछ ताकतें स्थितियों को अराजकता की ओर ले जाने के लिए तत्पर रहती हैं। ऐसे में सावधानी बरतते हुए युवाओं को अपनी बात सक्षम तरीके से रखनी होगी। लेकिन इसके लिए सरकारों से भी उनके प्रति संवेदनशीलता की अपेक्षा की जाती है। अब युवाओं में भरोसा जगना चाहिए कि एक चुनी हुई सरकार उनके साथ खड़ी है, उनकी चिंता को समझ रही है।

विश्व हृदय दिवस आज

बेहतर सेहत के लिए दिल का सेहतमंद होना जरूरी

हृदय रोग पहले केवल बुजुर्गों की बीमारी समझी जाती थी, लेकिन आज की स्थिति बिल्कुल अलग है। अस्वास्थ्यकर खानपान, धूम्रपान, मद्यपान, मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और तनाव ने युवाओं को भी इसकी चपेट में ला दिया है। 30-40 वर्ष की आयु में हार्ट अटैक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।

हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस (वर्ल्ड हार्ट-डे) मनाया जाता है। इसका उद्देश्य है लोगों को हृदय(जिसे दिल भी कहते हैं)से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरूक करना और यह संदेश देना कि एक स्वस्थ दिल ही स्वस्थ जीवन की बुनियाद है। आज जब दुनिया भौतिकवादी विकास में तेजी से भाग रही है, तनाव और असंतुलित जीवनशैली हमारी दिनचर्या का हिस्सा बन गई है। ऐसे माहौल में हृदय रोग एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार हर साल करोड़ों लोग हृदय संबंधी बीमारियों से असमय मृत्यु के शिकार होते हैं।

हृदय रोग पहले केवल बुजुर्गों की बीमारी समझी जाती थी, लेकिन आज की स्थिति बिल्कुल अलग है। अस्वास्थ्यकर खानपान, धूम्रपान, मद्यपान, मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और तनाव ने युवाओं को भी इसकी चपेट में ला दिया है। 30-40 वर्ष की आयु में हार्ट अटैक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यह केवल व्यक्तिगत स्तर पर समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी गहरी चिंता का विषय है।

भारत जैसे विकासशील देशों में हृदय रोग का बोझ और भी ज्यादा है। यहां स्वास्थ्य सेवाओं की असमान पहुंच, ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी और महंगी चिकित्सा ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। ऐसे में रोकथाम ही सबसे बेहतर उपाय बन जाता है।

जीवनशैली में बदलाव हृदय को स्वस्थ रखने के लिए जीवनशैली में बदलाव करना बेहद ज़रूरी है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और तनावमुक्त जीवन इसके प्रमुख आधार हैं। डॉक्टरों का कहना है कि रोजाना कम से कम आधे घंटे तेज चाल से चलना या हल्का व्यायाम करना हृदय की सुरक्षा के लिए काफी लाभकारी है। वहीं, तली-भुनी चीज़ों और अधिक नमक-चीनी के सेवन से बचना चाहिए। हरी सब्जियां, फल, अनाज और पर्याप्त पानी हृदय की मजबूती में मदद करते हैं।

तनाव भी हृदय रोग का बड़ा कारक -भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति बनाए रखना उतना ही जरूरी है जितना कि शरीर को स्वस्थ रखना। योग और ध्यान इसके प्रभावी साधन हो सकते हैं।

तंबाकू और शराब से दूरी- हृदय रोग के सबसे बड़े कारणों में धूम्रपान और शराब शामिल हैं। तंबाकू का सेवन न केवल दिल को कमजोर करता है बल्कि फेफड़ों और कैंसर जैसी बीमारियों को भी न्योता देता है। शराब का अत्यधिक सेवन रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, जिससे हृदयाघात का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए इनसे दूरी बनाना ही हृदय की सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है।

समय पर जांच और इलाज : अक्सर लोग हृदय रोग के शुरुआती लक्षणों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, अत्यधिक थकान और चक्कर आना जैसे संकेतों को हल्के में नहीं लेना चाहिए। नियमित रूप से ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाना ज़रूरी है। समय पर पहचान और इलाज से हृदय रोग की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

दरअसल, विश्व हृदय दिवस हमें यह याद दिलाता है कि दिल की धड़कन ही जीवन की असली ताल है। यदि हम अपने हृदय की सुरक्षा नहीं करेंगे तो जीवन की सारी खुशियां अधूरी रह जाएंगी। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनावमुक्त जीवन, तंबाकू और शराब से दूरी और समय पर जांच-ये सभी कदम न केवल हमें स्वस्थ रखेंगे बल्कि हमारे परिवार व समाज को भी सुरक्षित बनाएंगे।

आज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने और अपने प्रियजनों के दिल की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। क्योंकि दिल की सेहत ही जीवन की दौलत है।

॥गीता॥

श्लोक

अनेकशास्त्रं बहुवेदितव्यम,
अल्पश्च कालो बहवश्च विघ्नाः।
यत् सारभूतं तदुपासितव्यं, हंसो
यथा क्षीरमिवाम्भुमध्यात॥

भावार्थ

संसार में अनेक शास्त्र, वेद है, बहुत जानने को है लेकिन समय बहुत कम है और विद्या बहुत अधिक है। अतः जो सारभूत है उसका ही सेवन करना चाहिए जैसे हंस जल और दूध में से दूध को ग्रहण कर लेता है।

जीवन दर्शन

यों भी खुश हुआ जा सकता है, कोई कारण होना जरूरी नहीं

सहज रूप से भी खुश हुआ जा सकता है। इसके लिए कोई कारण होना जरूरी नहीं। यही तो मनुष्य का मौलिक स्वभाव है। खुशी महज एक क्षणिक भावना नहीं है, बल्कि यह कई महत्वपूर्ण बदलावों को जन्म देती है, जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। खुशी हमारी दूसरी भावनाओं से बहुत अलग है। यह लंबे समय से इच्छित काम को पूरा करने से जुड़ी है, जिसका नतीजा हमारी उम्मीदों से बढ़कर होता है। खुशी अक्सर जीवन से संतुष्टि की व्यापक भावना को दर्शाती है। खुशी से एक ऐसी सच्ची मुस्कान पैदा होती है, जो अनैच्छिक होती है और हमारी आंखों तक पहुंचती है। खुशी हमारे शरीर में भी कई तरह के बदलाव लाती है। मसलन, खुश होने पर हमारी सांसें तेज हो जाती हैं, दिल की धड़कन बढ़ जाती है, और पूरा शरीर गर्म महसूस होता है। ये अनुभूतियां एड्रेनालाइन के स्राव के कारण होती हैं, जिससे हम जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए मानसिक रूप से अधिक तैयार महसूस करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि खुशी यानी आनंद एक गुण भी है और अवस्था भी। यानी, जहां हममें से कुछ लोग इसे किसी सुखद परिस्थिति की वजह से अनुभव करते हैं, वहीं कुछ लोगों में अकारण भी इसी अवस्था में रहने की क्षमता होती है। कुछ शोध बताते हैं कि यह क्षमता आनुवंशिक होती है, और अनुमान है कि लगभग 30 फीसदी लोगों में 'जेनेटिक प्लास्टिसिटी' नामक क्षमता होती है। यानी वे अपने बाहरी वातावरण से असमान रूप से प्रभावित होते हैं और आनंद उत्पन्न करने की तकनीकें सीखने के बाद, उन्हें इसका अनुभव करना आसान लग सकता है। इस प्रकार, सकारात्मक अनुभवों के लिए उनकी आनुवंशिक प्रवृत्ति अधिक आनंद का कारण बन सकती है। खुशी की भावना को बढ़ाने के कई तरीके हो सकते हैं। मसलन, दूसरों के साथ कुछ बांटने से हमें ज्यादा खुशी का अनुभव हो सकता है और ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है कि दूसरों की संगति से हमारी खुशी बढ़ती है। दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताना भी खुशी बढ़ा सकता है। इसलिए अगर आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बदलाव चाहते हैं, तो दोस्तों के साथ डिनर पार्टी का आयोजन करें, जहां आप सब मिलकर खाना तैयार करें। दूसरों के साथ दौड़ते या टहलते समय, हमें अकेले दौड़ने या टहलने की तुलना में ज्यादा आनंद का अनुभव होता है। खुशी की भावना को बढ़ाने का एक सरल तरीका यह है कि आप अपनी भावनाओं को कागज पर लिखने की आदत डालें। खुशी की अनुभूति अद्भुत है, लेकिन यह हमारे जीवन की एकल भावना नहीं है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी बाकी सभी भावनाओं से घिरे होने के बावजूद भी खुश रहना सीखें।

जोलांटा बर्क

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	30.0	23.4
इंदौर	29.1	24.0
जबलपुर	30.8	23.7
ग्वालियर	35.1	27.0

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	37.2	25.7
मुंबई	27.7	24.4
चेन्नई	37.5	21.5
कोलकाता	32.6	26.2

सूर्यास्त 6:11 PM
सूर्योदय 6:11 AM
चन्द्रोदय 11:42 AM
चन्द्रास्त 10:17 PM

अब दतिया में दिखा आई लव मोहम्मद, एक घंटे में हटवाया

जागरण, दतिया। उत्तरप्रदेश के बरेली में नफरत फैला चुका आई लव मोहम्मद का पोस्टर एमपी के उज्जैन के बाद अब दतिया में नजर आया है। मगर इसके नजर आते ही पुलिस और प्रशासन सक्रिय हो गया। उज्जैन की तरह दतिया में भी पुलिस ने एक घंटे के अंदर ही यह विवादित पोस्टर हटवा दिया। बताया जाता है कि ये पोस्टर व होर्डिंग्स रविवार को शहर के मुस्लिम बहुल सायनी मोहल्ला इलाके में नजर आए थे। इन बैनरों को धार्मिक उन्माद फैलाने के उद्देश्य से लगाया गया था। लोगों ने इनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। इन्हें देखते ही कोतवाली पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया और मौके पर पहुंचकर बैनर व होर्डिंग्स हटवा दिए। इसके पहले उज्जैन में भी दो-तीन जगहों पर इसी तरह के पोस्टर लगाए गए थे। जिन्हें पुलिस ने तत्काल हटवा दिया। अच्छी बात यह है कि पुलिस की इस कार्रवाई का शांति पसंद प्रदेश के लोगों ने कोई विरोध नहीं किया। जबकि गुजरात के अलावा यूपी के कानपुर व बरेली में नवरात्र के दौरान आई लव मोहम्मद के बैनर्स के कारण सांप्रदायिक माहौल बिगड़ गया था।

घर में मृत मिले मां बेटे, हत्या की आशंका को लेकर जांच शुरू

जागरण, सिवनी। धनोरा थाना क्षेत्र के गनेरी गांव में घर के अंदर मां-बेटे के शव मिलने से हड़कंप मच गया। दरवाजा बंद होने और घर से कोई आहट न मिलने पर जब ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी, तो टीम मौके पर पहुंची। घर खोलकर देखा गया तो वृद्धा प्रयागों बाई सरवैया और उनका बेटा निरंजन सरवैया मृत अवस्था में पड़े मिले। पुलिस ने दोनों शवों को पीएम के लिए भिजवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रूप से हत्या की आशंका जताई जा रही है। दोनों खेती-किसानी का काम करते थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने जैसे ही दरवाजा खोला, अंदर का दृश्य देखकर ग्रामीण और पुलिसकर्मी दंग रह गए। मां-बेटे दोनों मृत अवस्था में पड़े हुए थे। पुलिस ने हत्या की आशंका जताते हुए जांच शुरू कर दी है। निरंजन करीब एक साल से पत्नी से अलग रह रहा था। उसकी पत्नी और बच्चे दुर्ग-भिलाई में रहते हैं। वहीं मां प्रयागों बाई बेटे के साथ गांव में ही रह रही थी। गांव के लोगों का कहना है कि निरंजन मेहनती और सीधा-सादा युवक था। धनोरा थाना प्रभारी मनीष बंसोड़ ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल मर्ग कायम किया गया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि मां-बेटे की हत्या किन कारणों से की गई और इस वारदात को किसने अंजाम दिया। गांव में इस दोहरे मौत की वारदात के बाद से दहशत का माहौल है। ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। लोग इसे हत्या मान रहे हैं और जल्द खुलासा करने की मांग कर रहे हैं।

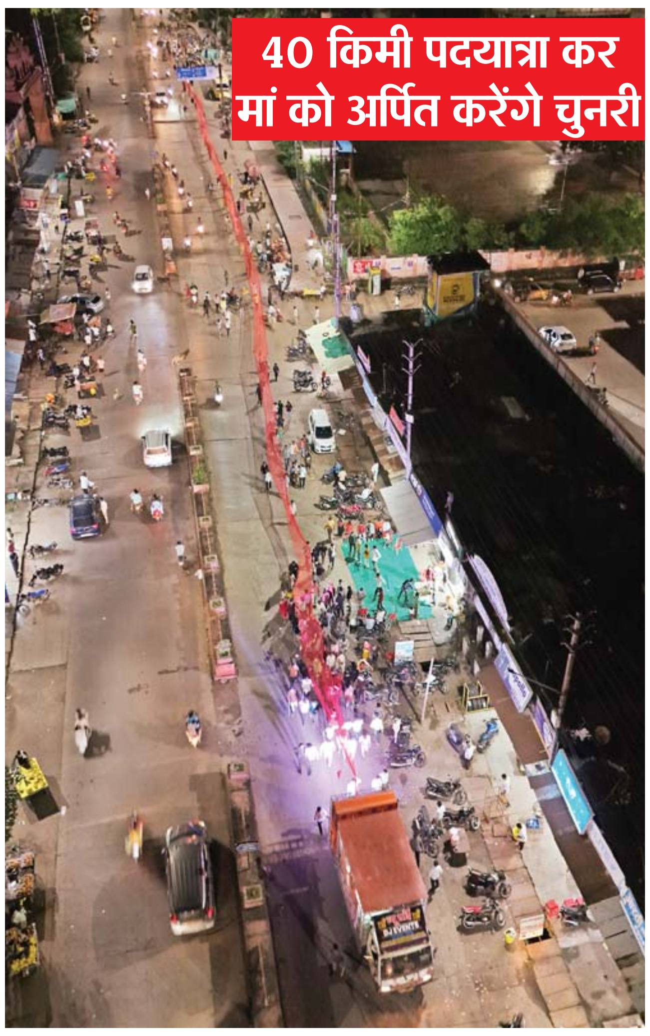

जागरण, भैरुंदा। नगर के प्रमुख मार्गों से देर रात को ग्राम नीम खेड़े की चुनरी यात्रा देवी धाम सलकनपुर के लिए निकली। ग्रामीण 40 किलोमीटर पदयात्रा करते हुए देवी धाम पहुंचकर मां बिजासन को चुनरी अर्पित करेंगे।

देवी स्थल बीसभुजा देवी की महिमा

20 भुजाएं, लेकिन गिन कोई नहीं पाता

जागरण, गुना। जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर, बजरंगगढ़ की ऊंची पहाड़ी पर विराजमान मां बीस भुजा देवी के मंदिर की महिमा दूर-दूर तक प्रख्यात है। सैकड़ों वर्ष पुराने इस मंदिर की मान्यता दूरों तक फैली है, यहां देशभर से लोग अपनी मुरादे लेकर मां के दरबार में आते हैं। गुना जिले के इस मंदिर से देशभर में रह रहे कई लोगों का नाता वर्षों से जुड़ा हुआ है। आज भी गुना के रहवासी जो अन्य प्रांतों में जाकर रहने लगे हैं, वह नवदुर्गा में यहां माता के दर्शन करने जरूर आते हैं। इस मंदिर में खास बात है, मैया की प्रतिमा की भुजाएं। कहने को मैया का नाम 20 भुजा माता है, लेकिन आज तक कोई भी व्यक्ति मां की 18 भुजाओं से ज्यादा तक की गिनती नहीं कर पाया। इसीलिए बीसभुजा के नाम से यह रहस्य बरकरार है। मंदिर के पुजारी महेश शर्मा के अनुसार, मां बीस भुजा देवी की प्रतिमा स्वयंभू है, यानी यह स्वयं प्रकट हुई है और इसकी स्थापना नहीं की गई है। यह मंदिर लगभग 5,500 साल पुराना है। भविष्य पुराण और पद्म पुराण में भी इस जगह का उल्लेख मिलता है। यह शाश्वत नाम का शिखर है, जहाँ भगवती महाभारत से पहले भी विराजमान थीं। अंगराज कर्ण ने यहां नौ वर्ष तक तपस्या की थी, और उससे पहले महर्षि दुर्वासा ने भी इस पर्वत पर तपस्या की थी।

ऐसे पड़ा बीस भुजा नाम : पुजारी महेश शर्मा बताते हैं कि मां भगवती ने स्वयं कहा था कि वे अपने प्रिय भक्त को बीस हाथों के साथ दर्शन देंगी, इसलिए संसार में उनका नाम बीस भुजा प्रसिद्ध हुआ। अंगराज कर्ण को उन्होंने बीस हाथों के साथ दर्शन दिए, जिसके बाद कर्ण ने बीसम भुजाम सुंदरी कहकर उनकी स्तुति की। तभी से माँ का नाम बीस भुजा पड़ा। आमतौर पर 18 भुजाओं वाली माता के मंदिर होते हैं, लेकिन यह शायद इकलौता मंदिर है जहां मां बीस भुजाओं के साथ विराजमान हैं।

छूकर देख लें, जीवंत नहीं प्रतिमा ही...

जागरण, गुना। वर्षों से तलैया महोल्ला में नवदुर्गा महोत्सव पर लगने वाली झांकी का स्वरूप इस बार जीवंत है। माता की प्रतिमा ऐसी लगती है, मानो माता जीवंत रूप में हों। उक्त प्रतिमा गुना से 800 किमी दूर छत्तीसगढ़ के एक शहर से ऑर्डर पर बनवाई गई है। झांकी के संचालक विक्की छारी ने बनाया कि उक्त प्रतिमा बनाने वाले कलाकार के यहां दो साल पहले ऑर्डर दिया गया था, तब जाकर इस साल गुना का नंबर आया। इस प्रतिमा को देखने के लिए रोजाना हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। यहां चलित झांकी भी लगाई गई है तथा सप्तचंडी यज्ञ भी चल रहा है।

कहां हैं डॉग लवर्स! बच्चों समेत पांच लोगों को किया लहूलुहान

जागरण, सागर। शहर के मढ़िया विट्ठल नगर वार्ड में कुत्तों के हमले ने लोगों की नींद हराम कर दी है। आवारा कुत्तों ने हमला करते हुए बच्चों समेत पांच लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। लोगों का कहना है कि कहां हैं वे डॉग लवर्स जो शहर में इन कुत्तों को पकड़ने का विरोध कर रहे हैं। इस संबंध में आम आदमी पार्टी ने भी कार्यवाही की मांग की है। वैसे तो शहर के साथ उपनगरीय क्षेत्र मकरोनिया में आवारा कुत्तों की बड़ी संख्या लोगों को परेशान कर रही है लेकिन शहर के विठ्ठल नगर वार्ड में आवारा कुत्तों की दहशत जैसे चरम पर पहुंच गई है। बीते दिनों हुई कुछ घटनाओं के बाद रविवार को एक बार फिर एक पागल कुत्ते का कहर यहां के लोगों पर टूटा। जानकारी के अनुसार कुत्ते ने बच्चे समेत चार लोगों पर ऐसा हमला किया कि उन्हें अस्पताल पहुंचाना पड़ा। आलम यह हो गया है कि लोगों को हाथ में लाठी लेकर अपनी रक्षा करनी पड़ रही है। लोगों में आक्रोश इस बात को लेकर भी है कि निगम आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए कोई कार्यवाही क्यों नहीं कर रहा है। आम आदमी पार्टी जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीकांत राज ने बताया कि विठ्ठल नगर वार्ड में रविवार की सुबह से एक आवारा पागल कुत्ते की दहशत देखने को मिली। वार्ड के करीब चार व्यक्तियों को आवारा कुत्ते द्वारा काटकर घायल कर दिया। इसमें कुछ छोटे बच्चे भी शामिल हैं। वार्ड में रहने वाले हर्ष

जाटव, शिवांश, रवि अहिरवार आदि को कुत्ते ने बुरी तरह घायल कर दिया आप नेता राज ने कलेक्टर को पत्र लिखकर नगर निगम आयुक्त, मकरोनिया सीएमओए और डॉग लवर्स पर कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व मुझे भी मकरोनिया के दीनदयाल नगर कॉलोनी गणेश पार्क के पास गया हुआ था तभी वहां पर आवारा कुत्ते ने कुत्ते ने काट लिया था। इस संबंध में सीएमओ मकरोनिया को शिकायत भी की लेकिन वहां भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। दरअसल, शहर में लगातार आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। शहर के प्रत्येक वार्ड के साथ उपनगर के भी वार्डों में दर्जनों कुत्तों के झुंड देखे जा रहे हैं जो अब बच्चों और बुजुर्गों को अपना निशाना बना रहे हैं।

डॉग की शव यात्रा में जुटे परिवार ने खींचा झांकी के डीजे का तार, हंगामा

जागरण विदिशा। शहर की उदयनगर कॉलोनी में जहां एक डॉग की मौत के कारण काफी समय तक हंगामा हुआ। अहिरवार परिवार में पालतू बीमार कुत्ता जिसका नाम टफी था उसकी मौत हो गई। टफी के पालकों का कहना है कि टफी एक सदस्य के रूप में करीब 13 वर्ष से उनके साथ था। उसकी मौत से क्षुब्ध पालकों ने उसकी मौत के लिए डीजे के शोर-शराबे को जिम्मेदार माना। परिजनों का कहना है कि वे डीजे की आवाज को कम करने के लिए कई बार निवेदन कर चुके थे, पर वे नहीं मानें रविवार की सुबह जब कुत्ते की अंतिम यात्रा की तैयारी हुई तो उस दौरान दूसरे पक्ष से विवाद की स्थिति बनी और मामले ने हंगामे का रूप ले लिया। बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और मामला एफआईआर की मांग को लेकर सिविल लाइन थाने जा पहुंचा, जहां काफी देर तक नारेबाजी होती रही। दुर्गा उत्सव समिति के सदस्यों ने अहिरवार परिवार के परिजनों पर डीजे को नुकसान पहुंचाने और मारपीट करने आरोप लगाए और समिति सदस्य भी बड़ी संख्या में थाने में मौजूद रहे। पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

केवल दूसरी शादी बर्खास्तगी का आधार नहीं, सेवा व परिस्थिति में भी देखें

जागरण, ग्वालियर। दूसरी शादी करने पर नौकरी से हटाए गए इंडो-तिब्बत बार्डर पुलिस के जवाब की बर्खास्तगी हाईकोर्ट ने निरस्त कर दी। हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने कहाकि केवल दूसरी शादी किसी की बर्खास्तगी का आधार नहीं हो सकती। सजा तय करते समय किसी कर्मचारी की सेवा अवधि और परिस्थितियों पर भी विचार किया जाना चाहिए। अदालत ने पूरी कार्रवाई को अनुपातहीन बताते हुए कहाकि यह मामला जवान की व्यक्तिगत जिंदगी से जुड़ा है, न कि उसके कार्य प्रदर्शन से।

आईटीबीपी से 2008 में निकाले गए जवान जोगेंद्र सिंह द्वारा दायर की गई थी। विभाग ने 2005 में जोगेंद्र सिंह को कारण बताओ नोटिस देने के बाद 2008 में नौकरी से बर्खास्त कर दिया था। जवान पिछले 17 सालों से अपनी याचिका पर सुनवाई का इंतजार कर रहा था। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता डीपी सिंह की दलीलों से सहमत होते हुए न्यायालय ने माना कि अनुशासन बनाए रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन सजा तय करते समय कर्मचारी की सेवा अवधि और परिस्थितियों पर भी विचार किया जाना चाहिए।

बाइक की भिड़ंत में दो की मौत, तीन की हालत नाजुक

जागरण, मैहर। जिले के रामनगर थाना क्षेत्र के चंदवार पटना मोड़ के पास रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, अमित पटेल अपने साले संदीप साकेत और रवि साकेत के साथ बाइक से भेड़ा गांव से मिरगौती की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से गोरसरी की तरफ से आ रही दूसरी बाइक से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। दूसरी बाइक पर संजय अग्रहरि और प्रमोद उर्मलिया सवार थे। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि बाइकें बुरी तरह

क्षतिग्रस्त हो गईं और सड़क पर खून फैल गया। टक्कर में रवि साकेत और संजय अग्रहरि ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में अमित पटेल, संदीप साकेत, प्रमोद उर्मलिया गंभीर रूप से घायल हुए। तीनों को तत्काल 108 एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया। यहां उनकी हालत नाजुक है। हादसे की जानकारी मिलते ही रामनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई करते हुए शवों को पीएम के लिए भेजा।

चूहाकांड के खिलाफ जयस का इंदौर में अर्धनग्न प्रदर्शन

डीन और अधीक्षक को हटाने की मांग, सैकड़ों शामिल

जागरण, इंदौर। इंदौर के एमवाय अस्पताल के चर्चित चूहाकांड में जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई न होने पर जय आदिवासी संगठन जयस के कार्यकर्ताओं ने रविवार को अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। सैकड़ों की संख्या में जयस उघाड़े होकर प्रदर्शन में शामिल हुए तो कई कार्यकर्ता केवल बनियान पहने थे। ये प्रदर्शनकारी एमवाय हॉस्पिटल के गेट पर जमा हुए और महात्मा गांधी प्रतिमा के पास पहुंचकर जमकर नारेबाजी की। फिर अर्द्ध नग्न होकर रैली के रूप में कलेक्ट्रेट की ओर रवाना हुए। जयस कार्यकर्ता दो बच्चियों की जान लेने वाले इस कांड में अस्पताल डीन व अधीक्षक को हटाने की मांग कर रहे थे।

जयस कार्यकर्ता इस मामले को लेकर एक सप्ताह से धरनाप्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे कार्यकर्ताओं को एसडीएम रोशन राय ने समझाया कि मामला शासन स्तर का है। हाईकोर्ट ने भी संज्ञान लिया है और 6 अक्टूबर को सुनवाई है। इसके चलते जयस ने सुनवाई तक अपना प्रदर्शन स्थगित कर दिया। मगर सभी प्रदर्शनकारी यहां से फिर एमवायएच पहुंच गए। इनके आने के पहले ही भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। साथ अस्पताल के गेट बंद कर दिए गए। जयस द्वारा धार के ग्राम रूपा पाडा की आदिवासी नवजात बच्ची (बेबी ऑफ मंजू) की एमवाय अस्पताल में चूहों द्वारा अंग कुतरे जाने के मृत्यु की घटना के बाद डीन, सुपरिटेंडेंट सहित दोषी अधिकारियों को सस्पेंड करने और इन पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। जयस के प्रदेशाध्यक्ष पवन डावर की नाराजगी है कि शासन-प्रशासन बीते 22 दिनों से केवल आश्वासन दे रहा है, लेकिन किसी पर कार्रवाई नहीं हो रही है।

बच्ची को गांव से ले गए मामा-भांजे, जबलपुर में मिली, दोनों गिरफ्तार

जागरण, जबलपुर। घर के बाहर सहेलियों संग खेल रही चार साल की एक बच्ची को पड़ोसी गांव में रहने वाले मामा-भांजे बिना किसी को बताए अपने साथ ले गए। 24 घंटे ढूंढने के बाद यह बच्ची अपने घर से 65 किलोमीटर दूर जबलपुर शहर की एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में पुलिस को मिली। यहां से पुलिस ने उसका अपहरण करने वाले मामा-भांजे को भी गिरफ्तार कर लिया। अब दोनों अपने बचाव के लिए पुलिस को नई-नई कहानी सुनाकर गुमराह कर रहे हैं। आरोपियों का कहना है कि वे बच्ची को मेला घुमाने ले गए थे।

पुलिस को सुना रहे नई-नई कहानी पहले भी कर चुके हैं ऐसी ही घटना

चार वर्षीय बच्ची तनुश्री सिवनी जिले के धूमा गांव में अपनी नानी के साथ रहती है। दोनों आरोपी बच्ची को बाइक पर बैठाकर बिना बताए ले गए। शाम तक उसके न लौटने पर बच्ची की नानी खेमवती ने देर रात तक आसपास ढूंढने के बाद अगले दिन थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस द्वारा 24 घंटे तक चलाए गए सर्चिंग अभियान के तहत जबलपुर पुलिस को भी सूचना भेजी। धूमा और आसपास के इलाकों में लगे 60 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले और पोस्टर छपवाए। इस बीच बच्ची की नानी ने पड़ोसी गांव में रहने वाला रूपेश पर शक जताते हुए कहाकि वह अक्सर बच्ची को बाइक पर घुमाने ले जाता है। रुपेश के घर पूछताछ की गई तो वह दो दिन से लापता था। उसका भांजा यशवंत भी घर पर नहीं था। यह भी मालूम पड़ा कि वह जबलपुर में निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम करता है।

सूचना पर जबलपुर पुलिस ने बच्ची के साथ दोनों युवकों को निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए युवक अब हर पल नया किस्सा सुना रहे हैं। कभी कह रहे हैं कि बच्ची को मेला घुमाने ले गए थे तो कभी कहते हैं कि काम से जबलपुर गए थे।

बिजनेस प्लस

योगी सरकार की पहल ने बढ़ाया महिला उद्यमियों का विश्वास

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2025) ने इस बार महिला उद्यमियों के आत्मविश्वास और संभावनाओं को नई उड़ान दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा बनाए गए बिजनेस-फ्रेंडली माहौल और महिलाओं को बढ़ावा देने वाली नीतियों का असर इस इवेंट में साफ नजर आया। यहां देश और विदेश से आए बायर्स के साथ महिला उद्यमियों ने बड़ी डील्स साइन कीं, जिससे उनके ब्रांड्स को न केवल घरेलू बल्कि वैश्विक पहचान भी मिली। योगी सरकार के प्रयासों ने उत्तर प्रदेश को न केवल निवेश और व्यापार का हब बनाया है, बल्कि महिला उद्यमिता को भी नई पहचान दी है। यह आयोजन महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नई क्रांति साबित हो रहा है। कानपुर की एंटरप्रेन्योर संगीता सिंह ने बताया कि इवेंट में लगातार तीसरे वर्ष पार्टिसिपेट किया है। हर बार की तरह इस बार भी मुझे फॉरेन बॉयर्स से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। शनिवार को ही संगीता ने 10 हजार डॉलर का एमओयू साइन किया है। दिल्ली एनसीआर की श्रुति चंडक ने भी यूपीआईटीएस में फॉरेन बायर्स के साथ बड़ी डील साइन करते हुए एमओयू किया। कॉरिस क्वीन प्रालि की रबलीन कौर ने बताया कि इस आयोजन का हिस्सा बनकर वो बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि उनके फूड प्रोडक्ट्स को यहां फॉरेन बॉयर्स ने बहुत सराहा है। उन्हें बहुत अच्छी बिजनेस लीड्स मिली हैं, जो इवेंट के बाद एमओयू में बदलेंगी।

कानपुर से दिल्ली-एनसीआर तक गूंजी सफलता की कहानियां

विदेशी महिला बायर्स ने भी सराहा : रबलीन ने मॉरीशस की एक कंपनी के साथ एमओयू किया। कंपनी की प्रतिनिधि ने भी योगी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यहां पर जो प्रोडक्ट्स दिख रहे हैं वो वर्ल्ड क्लास हैं। इन प्रोडक्ट्स को निश्चित रूप से विदेशों में भी काफी पसंद किया जाएगा। प्रदेश सरकार ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के लिए जो नीतियां लागू की हैं, उनका सबसे अधिक लाभ महिला उद्यमियों को मिल रहा है। एकल विंडो सिस्टम, निवेश को सरल बनाने की प्रक्रिया और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले विशेष प्रोत्साहन पैकेज ने उत्तर प्रदेश को महिला उद्यमियों के लिए नई संभावनाओं की भूमि बना दिया है। महिला उद्यमियों को अपने ब्रांड्स को आगे बढ़ाने और विदेशी बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है।

एसबीआई ने किए खेल ट्रायल

भोपाल। भारतीय स्टेट बैंक मंडल कल्याण समिति, भोपाल मंडल ने विभिन्न खेलों के लिए ट्रायल आयोजित किए। इन ट्रायल का उद्घाटन उप महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी मनीष मठपाल ने किया। इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) नेहा चौगुले, अधिकारी संघ के अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव, महासचिव संजीव मिश्रा, कर्मचारी संघ के महासचिव प्रवीण मेघानी, अमित शर्मा (सचिव, सीडब्ल्यूसी) और अतुल मोरोने (प्रबंधक, कल्याण) उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी चयनकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया।

नीलकमल होम्स और रिलिंगो का शुभारंभ

भोपाल। राजधानी के बागसेवनिया थाने के सामने आज नीलकमल होम्स और रिलिंगो स्टोर्स का भव्य शुभारंभ हुआ। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री कृष्णा गौर और विधायक भगवानदास सबनानी उपस्थित रहे और फीता काटकर दोनों स्टोर्स का औपचारिक उद्घाटन किया। नीलकमल होम्स ग्राहकों के लिए सोफा, डाइनिंग सेट और होम डेकोर की आधुनिक, आकर्षक और उच्च गुणवत्ता वाली रेंज उपलब्ध कराता है। यह कलेक्शन न केवल घर को सुंदर और आरामदायक बनाने में मदद करता है, बल्कि हर तरह के इंटीरियर डिज़ाइन के अनुरूप विभिन्न विकल्प भी प्रदान करता है।

दैनिक जागरण
संगिनी
भोपाल 29 सितंबर 2025 जिंदगी के हर पहलू की

जब स्कूल से लौटे बच्चा...

बातों बातों में पूछें स्कूल की बातें

बच्चा स्कूल से लौटे तो उसे अपनी बातें साझा करने के लिए प्रेरित करें। उससे ऐसे सवाल करें जिससे उसकी सोचने-समझने की क्षमता में वृद्धि हो।

■ अंतरा पटेल ■

बच्चे के स्कूल से लौटने पर अभिभावक उससे अक्सर ये बातें पूछते हैं कि- आज होमवर्क क्या मिला? क्या पढ़ाया गया? टेस्ट में कितने नंबर आये? टिफिन का खाना खाया कि नहीं? लेकिन केवल इन्हीं सवालों तक सीमित रहना बच्चे के भावनात्मक व सामाजिक विकास के लिए पर्याप्त नहीं। उससे वे सवाल करें जिससे उसकी सोचने-समझने की क्षमता में वृद्धि हो और वह अपनी बात साझा कर सके। एक दोपहर में अपनी एक दोस्त के घर पर बैठी हुई थी कि तभी उसका आठ साल का बेटा स्कूल से लौटा। मेरी दोस्त ने अपने बेटे की स्कूल यूनिफार्म बदलने व घर के कपड़े पहनने में मदद की। इसके बाद बच्चा फ्रेश होकर आया और सबके साथ डाइनिंग टेबल पर बैठकर उसने लंच किया। खाना खाते ही उसने अपनी मम्मी से कहा, 'मैं सोने जा रहा हूं, मुझे चार बजे जगा देना, मैं अपना होमवर्क करने के बाद कॉलोनी के पार्क में अपने दोस्तों के साथ खेलने जाऊंगा।' मां ने 'ओके' कहा और बच्चा अपने कमरे में सोने के लिए चला गया। यह सब देखकर मुझे बहुत आश्चर्य हुआ। सब कुछ रुटीन सा था, मेरी दोस्त ने अपने बेटे से उसके बारे में कोई सवाल ही नहीं किया था, जबकि मेरे बच्चे जब अपने स्कूल से लौटते थे तो मैं उनसे ढेरों सवाल किया करती थी। मैंने पूछा 'जब तुम्हारा बेटा स्कूल से लौटता है तो तुम उससे स्कूल के बारे में कुछ पूछती क्यों नहीं?' उसने बड़ी लापरवाही से जवाब दिया, 'बस ऐसे ही, मैं जरूरत महसूस नहीं करती।' मैंने उसे समझाया कि यह तो गलत है, बच्चे जब स्कूल से लौटें, तो उनसे कम से कम पांच सवाल तो अवश्य करने चाहिए। यह सुनकर मेरी दोस्त की जिज्ञासा बढ़ी और उसने उन पांच आवश्यक प्रश्नों को जानना चाहा जो बच्चे के स्कूल से लौटने पर माओं को जरूर करने चाहिए। बच्चे के स्कूल से लौटने पर अधिकतर पैरेंट्स उससे कुछ रुटीन से प्रश्न करते हैं, जैसे- आज होमवर्क क्या मिला? क्या पढ़ाया गया? टेस्ट में कितने नंबर आये? लंच खाया कि नहीं? यह सवाल जरूरी तो हैं, लेकिन केवल इन्हीं तक सीमित रहना बच्चे के भावनात्मक व सामाजिक विकास के लिए पर्याप्त नहीं है। बच्चे से वह सवाल मालूम करना आवश्यक है, जिससे उसकी सोचने समझने की क्षमता में वृद्धि हो और वह खुलकर अपनी बात साझा कर सके। बाल विशेषज्ञ व ईएन पॉवर के संस्थापक सुशील मुंगेकर के मुताबिक, स्कूल से लौटने पर बच्चे से करने योग्य पांच आवश्यक सवाल ये हैं –

नयी सीख की भी करें चर्चा

आज क्लास में कुछ नया सीखा या किया? इस प्रश्न से बच्चा खुद भी सोचेगा कि दिनभर में उसने नया क्या सीखा। आहिस्ता-आहिस्ता उसकी सीखने में दिलचस्पी बढ़ेगी और वह नये-नये अनुभवों के लिए तैयार रहेगा।

स्कूल में हुई सकारात्मक घटना

आज क्लास में क्या एन्जॉय किया? यह सवाल बच्चे को सकारात्मक सोचने के लिए विवश करता है। इसके अतिरिक्त उसके जवाब से आपको भी मालूम पड़ेगा कि किस चीज ने उसका दिन खास बनाया या उसने क्या अच्छा किया और उसे क्या करना पसंद है।

परेशानी जानने का करें प्रयास : कल स्कूल जाने में आपको मजा आयेगा? इस प्रश्न से सबसे महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है। अगर बच्चा कहता है कि उसे कल स्कूल जाने में मजा नहीं आयेगा तो यह संकेत है कि वह किसी परेशानी का सामना कर रहा है। उसकी दिक्कत या परेशानी को जानने-समझने का प्रयास करें तभी उसका समाधान भी हो पायेगा। इन सवालों को सुनकर मेरी दोस्त हैरत में पड़ गई। उसने स्वीकार किया कि स्कूल से लौटने पर बच्चे से सही सवाल करना बहुत मायने रखता है। ये पांच छोटे-छोटे सवाल न केवल आपको आपके बच्चे के रोजमर्रा के अनुभवों के बारे में जानकारी देंगे बल्कि उसके आत्मविश्वास, सोचने की क्षमता और सोशल स्किल्स को भी मजबूत करेंगे। लेखिका की दोस्त बोली, 'कल जब मेरा बेटा स्कूल से लौटेगा तो मैं होमवर्क व नंबरों के अलावा ये पांचों सवाल उससे जरूर करूंगी और रोजाना ही करूंगी।'

सोशल सर्किल के बारे में

आज आपने किसके साथ अच्छा समय बिताया? इसके जवाब से आपको अपने बच्चे के सोशल सर्किल के बारे में मालूम हो जायेगा, जिसकी जानकारी हर मां बाप के लिए आवश्यक होती है। संगत से ही पता चलता है कि बच्चा किस दिशा में जा रहा है। इसके अतिरिक्त आप जान जायेंगे कि आपका बच्चा किन दोस्तों या टीचर्स की कम्पनी एन्जॉय करता है और उसके रिश्ते कैसे बन रहे हैं।

कमी की भी जानकारी है जरूरी

आज क्लास में किस चीज की कमी लगी? इसके जवाब से आप समझ पायेंगे कि आपका बच्चा किन हालात या संसाधनों की कमी महसूस कर रहा है। मुमकिन है कि उसे किसी विषय में मदद चाहिए। यह मालूम होने पर आप उसके लिए हालात बेहतर करने का प्रयास कर सकते हैं।

मैकेनिक पिता के भरोसे की जीत

मुस्कान बनी डीएसपी

मुस्कान की यह सफलता केवल एक पद या रैंक की बात नहीं है, बल्कि यह उस भरोसे की जीत है जो उनके पिता ने अपनी बेटी पर जताया था।

■ रवि सिंह ■

प्रेरणा

जब इरादे मजबूत हों और मेहनत ईमानदार, तो सपनों को हकीकत बनने से कोई नहीं रोक सकता। कुछ ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है भोपाल की मुस्कान सोनी की, जिन्होंने एमपीपीएससी 2024 परीक्षा में ऑल इंडिया 23वीं रैंक हासिल कर डीएसपी पद पर 10वीं रैंक प्राप्त की है। अब वह मध्य प्रदेश पुलिस में डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस बनने जा रही हैं। मुस्कान एक बेहद साधारण परिवार से आती हैं। उनके पिता मोहन सोनी पेशे से मैकेनिक हैं, जिनकी आमदनी सीमित थी, लेकिन बेटी के सपनों के आगे उन्होंने कभी अपनी मजबूरियों को आड़े नहीं आने दिया। मुस्कान के हर शैक्षणिक खर्च को उन्होंने कठिनाई से ही सही लेकिन, पूरा किया। आर्थिक तंगी के बावजूद, उन्होंने मुस्कान की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। मुस्कान ने स्कूली पढ़ाई के बाद उन्होंने मेनिट से बीटेक किया। उन्हें गुजरात की एक निजी कंपनी में नौकरी भी मिली, लेकिन सिविल सेवा का सपना हमेशा उनके दिल में था। जैसे ही उन्होंने एमपीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा पास की, उनके पिता ने उन्हें नौकरी छोड़कर पूरी तरह पढ़ाई पर ध्यान देने की सलाह दी। मुस्कान ने पिता की सलाह को गंभीरता से लिया और नौकरी छोड़ दी।

सरकारी नौकरी का सपना हुआ पूरा : यह सफलता मुस्कान को चौथे प्रयास में मिली। वर्ष 2021 में उन्होंने पहली बार परीक्षा पास की थी और इंदौर में ट्रेनिंग भी शुरू की थी। हालांकि 2022 और 2023 के परिणाम अभी लंबित हैं, लेकिन 2024 की सफलता ने उन्हें टॉपरों की सूची में लाकर खड़ा कर दिया। उनकी यह सफलता केवल एक पद या रैंक की बात नहीं है, बल्कि यह उस भरोसे की जीत है जो उनके पिता ने अपनी बेटी पर जताया था। मुस्कान का कहना है कि हमारे परिवार में सरकारी नौकरी एक सपना थी। मैंने वह सपना पूरा किया और यह पूरे परिवार की जीत है। वह अपने परिवार की पहली सदस्य हैं जो सरकारी सेवा में चयनित हुई हैं, जिससे उनका पूरा परिवार और समुदाय गौरव महसूस कर रहा है। मुस्कान का आत्मविश्वास, समर्पण और निरंतरता इस बात का प्रमाण है कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो रास्ते खुद बनते जाते हैं। उनकी कहानी देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा है, खासकर उन युवाओं के लिए जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। मुस्कान ने साबित किया कि परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, अगर हौसले बुलंद हों, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

कन्या पूजन में क्या चीजें दें गिफ्ट में?

नवरात्रि के अंतिम दिनों में अष्टमी और नवमी के अवसर पर कन्या पूजन का विशेष महत्व होता है। इस दिन नौ छोटी कन्याओं को घर बुलाकर उन्हें भोजन, प्रसाद और उपहार देकर सम्मानित किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ये कन्याएं ही देवी दुर्गा के नौ रूपों का स्वरूप मानी जाती हैं। परंपरागत रूप से भोजन के साथ उपहार देना भी जरूरी माना जाता है ताकि बच्चियां प्रसन्न होकर आशीर्वाद दें। कन्यापूजन के बिना नवरात्रि उपवास अधूरा माना जाता है। अगर आप कन्या पूजन करना चाहते हैं लेकिन ये सोच रहे हैं कि इस बार कन्या पूजन पर क्या गिफ्ट दें, तो यहां आपके लिए कुछ बेहतरीन सुझाव हैं। कन्या पूजन में गिफ्ट सिर्फ एक औपचारिकता नहीं, बल्कि बच्चियों के प्रति सम्मान और स्नेह व्यक्त करने का माध्यम है। चाहे आप स्टेशनरी दें या खिलौने, कपड़े दें या चॉकलेट, गिफ्ट का महत्व बच्चियों की मुस्कान से बढ़ जाता है। यहां कन्याओं के लिए गिफ्ट के आइडियाज दिए जा रहे हैं।

अगर आप कन्या पूजन करना चाहते हैं लेकिन ये सोच रहे हैं कि इस बार कन्या पूजन पर क्या गिफ्ट दें, तो यहां आपके लिए कुछ बेहतरीन सुझाव हैं।

स्टील के बर्तन और टिफिन बॉक्स

प्लेट, कटोरी, गिलास या चम्मच का सेट गिफ्ट के रूप में पारंपरिक और उपयोगी विकल्प है। यह लंबे समय तक काम आता है।

चूड़ी, बिंदी और झुमके

परंपरागत और खूबसूरत गिफ्ट के तौर पर बच्चियों को रंग-बिरंगी चूड़ियां, बिंदी और छोटे झुमके, हार के सेट आदि दिए जा सकते हैं। लड़कियों को इस तरह की चीजे काफी पसंद होती हैं।

चॉकलेट और टॉफी पैक : बच्चों की सबसे पसंदीदा चीज़ चॉकलेट और टॉफी होती है। एक छोटा सा पैकेट उन्हें बेहद खुश कर सकता है।

स्टेशनरी और स्कूल का सामान

किताबें, पेंसिल बॉक्स, क्रेयॉन, कॉपी, रंग भरने की किताबें आदि बच्चों के लिए हमेशा उपयोगी होते हैं। यह गिफ्ट उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित भी करता है।

हेयर एक्सेसरीज : लड़कियां किसी भी उम्र की हों, हेयर एक्सेसरीज उनके काम की होती है और अधिकतर लड़कियों को ये पसंद होती हैं। नवरात्रि में छोटी कन्याओं को हेयर क्लिप्स, हेयरबैंड, रिबन जैसी चीज़ें हर बच्ची को पसंद आती हैं और यह छोटा लेकिन प्यारा गिफ्ट है।

कपड़े और ड्रेस

फ्रॉक, सूट या प्यारे-से कपड़े कन्या पूजन का सबसे आकर्षक गिफ्ट हो सकते हैं। बच्चियां इन्हें खुशी से पहनती हैं।

कॉफी जम गई है, मिनटों में बनाएं पाउडर

बारिश के दिनों में अकसर कॉफी के डिब्बे में जब कॉफी जम जाती है, तो उसे निकाल पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में महिलाएं उस डिब्बे को तो फेंक देती हैं और दूसरा कॉफी का डिब्बा ले आती है। बता दें कि अब आपको जमी कॉफी को फेंकने की जरूरत नही है, बल्कि आप कुछ तरीकों को अपनाकर इसे न केवल बाहर निकाल सकती हैं बल्कि जमी कॉफी का पाउडर भी बना सकती हैं। और जमी कॉफी आसानी से बाहर भी आ सकती हैं। ये तरीके बेहद आसान हैं।

जमी कॉफी को कैसे ठीक करें?

- सबसे पहले आप जमी हुई कॉफी को एक प्लेट में फैला लें। अब तेज धूप में थोड़ी देर के लिए रख दें। उसके बाद आप देखेंगी की कॉफी से नमी दूर हो रही है। ऐसे में कॉफी को तोड़ना आसान हो जाएगा। अब आप कॉफी के डेले को मिक्सी में डालें और पीस लें। ध्यान दें कि जिस भी मिक्सी में आप कॉफी को पीसें वो गीला नहीं होना चाहिए। वरना पाउडर नहीं बनेगा।
- अगर आप कॉफी को धूप में नहीं सुखा पा रही हैं तो ऐसे में आप इसे पंखे की हवा में भी फैलाकर सुखा सकती हैं। आप भूलकर भी एसी की हवा में कॉफी को न रखें। बता दें कि एसी की हवा में नमी होती है जो कॉफी को और सख्त कर सकती है। ऐसे में आप कॉफी को केवल पंखे की हवा में रखें।

इन बातों का रखें ख्याल

- कॉफी को हमेशा कांच के कंटेनर में रखें।
- इसे निकालने के लिए गीली चम्मच का इस्तेमाल न करें।
- कॉफी के डिब्बे को टाइट बंद करके रखें।

हमेशा लग्जरी और एक्सपेंसिव दिखें ये ट्रेडीशनल फेब्रिक

भारतीय फैब्रिक अपने शानदार टेक्सचर, पारंपरिक कारीगरी और खूबसूरत लुक के लिए मशहूर हैं। बनारसी सिल्क, कांजीवरम, मूंगा सिल्क, पटोला और पश्मीना जैसे फैब्रिक न केवल अपने शानदार टेक्सचर और चमकदार चमक के लिए जाने जाते हैं, बल्कि सदियों पुरानी पारंपरिक कला के लिए भी जाने जाते हैं। जो चीज उन्हें इतना महंगा बनाती है, वह सिर्फ उनकी कीमत नहीं है, बल्कि उनका पहनने का तरीका, उनके टेक्सचर की खासियत और यह तथ्य है कि हर डिज़ाइन पीढ़ियों से चली आ रही एक कहानी बताती है। जहां फास्ट फैशन जल्दी पुराना हो जाता है, ये ऐसे कपड़े हैं जो हमेशा नए रहते हैं, हर तरह से पहने जा सकते हैं और हमेशा शानदार दिखते हैं। आप इन्हें शादी में पहन सकते हैं, मॉडर्न कपड़ों के साथ पहन सकते हैं या पारंपरिक तरीके से पहन सकते हैं और ये बिना किसी खास कोशिश के भी सबका ध्यान खींच लेंगे।

ऑल टाइम लग्जरी बनारसी सिल्क

अपने गाढ़े सुनहरे और चांदी के जरी, महीन मलबरी सिल्क और खूबसूरत फूलों वाले डिज़ाइन के लिए मशहूर बनारसी सिल्क में एक खास शान और भव्यता होती है। हर कपड़ा हाथ से बुना जाता है और इसे पूरा होने में हफ्ते या महीने भी लग सकते हैं, जो इसे एक शानदार फैब्रिक बनाता है। यह भव्यता इसे दुल्हन के कपड़ों और खास मौकों के लिए सबसे अच्छा विकल्प बनाती है। फिर आप चाहे बनारसी साड़ी पहनें या सूट, इससे बेहतर लग्जरी और कुछ नहीं।

बोल्ड रंगों वाली पटोला

गुजरात का यह डबल-इकट फैब्रिक पहले से रंगीन पैटर्न से बुना जाता है, जिससे बुनाई और धागे दोनों पर एक जैसा डिज़ाइन बनता है। इसकी खास तकनीक और बोल्ड, एक जैसे रंग पटोला को एक खास शाही और महंगा लुक देते हैं। एक साड़ी बनाने में महीनों या साल भी लग सकते हैं, जो इसे एक खास कलेक्शन वाला कपड़ा बनाता है।

कम्फर्ट का विकल्प पश्मीना

भारतीय कपड़ों में सबसे बेहतरीन माने जाने वाले पश्मीना को काश्मीरी ऊन से बनाया जाता है। यह अपनी अद्भुत हल्कीपन, मुलायमपन, गर्मी देने की क्षमता और शानदार बुनावट के लिए मशहूर है। इसे हाथ से काटा और बुना जाता है, जो बेहतरीन आराम, सुंदरता और पारंपरिक शिल्प कौशल का प्रतीक है।

राजघरानों का मूंगा सिल्क

असम का यह सुनहरे रंग का जंगली सिल्क अपनी प्राकृतिक चमक, बेहतरीन मजबूती और शानदार फिनिश के लिए कीमती है। कभी यह सिर्फ राजा-महाराजाओं के लिए ही होता था, इसका हल्का सा चमक और पारंपरिक डिज़ाइन साधारण कपड़ों को भी खास बना देता है। इसकी खासियत यह है कि यह दुनिया के सबसे कीमती सिल्क में से एक है।

मंदिर के मोटिफ वाली कांजीवरम (कांचीपुरम) सिल्क

तमिलनाडु का यह सिल्क अपने अलग तरह के बॉर्डर के लिए जाना जाता है, जिन्हें अलग से बुना जाता है और फिर एक साथ जोड़ा जाता है। शुद्ध दक्षिण भारतीय मलबरी सिल्क से बने और अक्सर मंदिर के मोटिफ से सजे ये साड़ियां अपने शानदार टेक्सचर और लंबे समय तक रहने वाले रंग और चमक की विरासत रखती हैं।

भारतीय कपड़े इतने शानदार कैसे दिखते हैं?

भारतीय कपड़ों की खासियत उनकी पारंपरिक बुनाई, जटिल कारीगरी और शानदार बनावट है, जो उन्हें एक अलग पहचान देती है। चाहे वह रेशम की चमक हो, रोशनी में चमकते जरी के धागे हों, या हफ्तों में पूरी होने वाली हाथ की कढ़ाई, इन कपड़ों के हर धागे में सदियों पुरानी परंपरा झलकती है। रंग की गहराई, कपड़े का वजन और कारीगरी का काम, ये सभी मिलकर साधारण से कपड़े को भी एक शानदार और कीमती लुक देते हैं, जिसे मशीन से बने कपड़े नहीं दे सकते।

अब सीएम हेल्प लाइन ने मांगा झूठे एवं आदतन शिकायतकर्ताओं का रिकार्ड

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। सरल सरकारी नियमों एवं खासतौर पर सूचना के अधिकार का गलत इस्तेमाल करते हुए झूठी शिकायतें कर आम शरीफ व्यक्ति के जीवन में जहर घोलने का काम लम्बे समय से चल रहा है हालांकि इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग के जारी दिशा निर्देशों एफ 11-14/2007/एक/9 दिनांक 25 अप्रैल 2007 की कंडिका 3 एवं 6 में इस बात का उल्लेख है कि शिकायकर्ता का नाम एवं पत्र व्यवहार हेतु पूर्ण पता होना आवश्यक है यदि गुमनाम शिकायत प्राप्त होती है तो उसे नस्तीबद्ध किया जाए। इसके बाद एक बार फिर सामान्य प्रशासन विभाग कक्ष 1/9 ने शासन के समस्त विभागों, विभागाध्यक्षों, डिवीजनल कमिश्नर व समस्त कलेक्टरों को दिनांक 21 मई 2004 को परिपत्र जारी कर निर्देशत किया है कि गुमनाम तथा आधारधीन शिकायतों एवं यदि पत्राचार के दौरान यह पाया जाता है कि फर्जी नाम, पते से शिकायत की गई है अथवा संबंधित व्यक्ति द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उनके द्वारा कोई शिकायत नहीं की गई है, वह उनके नाम से किसी व्यक्ति ने झूठी शिकायत की है, तो ऐसी शिकायतों को भी नस्तीबद्ध किया जाएगा। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि उक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। बावजूद इसके कतिपय सरकारी अधिकारी व कर्मचारी झूठी, आधारहीन, अस्पष्ट हस्ताक्षर व फर्जी नाम पते की शिकायतों को आधार बनाकरन केवल समाज के शरीफ एवं ईमनदार लोगों को परेशान करते हैं बल्कि कृत्रिम भय पैदा कर हजारों व लाखों का भ्रष्टाचार भी हो रहा है।

सीएम हेल्प लाइन ने मांगी जानकारी

न केवल विभिन्न सरकारी दफ्तरों में झूठी शिकायतें कर आम जनता को परेशान करने वाले गिरोह लम्बे समय से सहिक्रय है, बल्कि इससे सीएम हेल्प लाइन भी अछूता नहीं है यही कारण है कि कार्यालय सीएम हेल्प लाइन ने 25 सितम्बर 2025 को समस्त कलेक्टरों को एक परिपत्र जारी कर सीएम हेल्पलाइन पोर्टल अन्तर्गत झूठी एवं आदतन शिकायर्ता की जानकारी मांगी है। इस पत्र में कहा गया है कि समय समय पर वरिष्ठ स्तर से प्राप्त निदर्शों में सीएम हेल्नपलाइन पोर्टल अन्तर्गत झूठी एवं आदतन शिकायतकर्ता के संबंध में जानकारी प्रदान करने तथा उक्त शिकायतकर्ताओं पर कार्रवाई किए जएने हेतु निर्देशित किया गया है।

"संत हिरदाराम नगर में झूठी शिकायतें एवं चरित्र हनन करने वाला एक गिरोह सक्रिय है, जिसकी आड़ में अधिकारी भ्रष्टाचार करते हैं, इन्हें बेनकाब किया जाना चाहिए।"

- चन्द्रप्रकाश इसरानी, अध्यक्ष सिंधी सेन्ट्रल पंचायत

"शिकायत करने वाले से बाकायदा शपथ पत्र लिया जाना चाहिए और शिकायत झूठी पाए जाने पर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करनी चाहिए, बिना शपथ पत्र के शिकायत को तत्काल नस्तीबद्ध करना चाहिए"

- दिलीप हिरोनी, वरिष्ठ अधिवक्ता

संतनगर में सक्रिय हैं ऐसे गिरोह, इसकी आड़ में हो रहा भारी भ्रष्टाचार

ये गिरोह हैं सक्रिय

राजधानी के व्यापारिक एवं भाजपा बाहुल्य इलाके संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) की तो यहां आदतन एवं झूठी शिकायतें करने वाला गिरोह सक्रिय हैं, जिसमें समाज के कुछ सफेदपोश जो विभिन्न सामाजिक संस्थाओं में उच्च पदो पर आसीन है, के अलावा सूदखोर, कतिपय पत्रकार आदि शामिल हैं। शिकायतों का स्तर इस हद तक गिर चुका है कि एक पत्रकार के एक टीचर से संबंध जोड़ दिए गए, जबकि इन दोनो के बीच दूर दूर का कोई रिश्ता नहीं है। पत्रकार यह पत्र डीजीपी को पहुंचाया है, जहां से अब जांच होगी। इसी तरह एक स्कूल की पीआरओ के खिलाफ कलेक्टर, कमिश्नर से लेकर तमाम जगहों पर जाली हस्ताक्षरों से झूठी शिकायत की गई, जांच में चह झूठी पाई गई, लेकिन जब तक जांच हो इस पीआरओ की रातों की नींद हराम हो गई। संत हिरदाराम नगर में किसी भी प्रतिष्ठित व्यक्ति के खिलाफ बेबुनियाद एवं मनगढंत आरोप लगाकर उनके पर्चे एवं लेटर या तो घरों के दरवाजों के नीचे से डाले जाते हैं, या किसी ऐसे डाक खाने से पोस्ट किए जाते हैं, जहां सीसी कैमरा टीवी न हो। ऐसे ही एक कथित पत्रकार को इस तरह के अनेक लिफाफे तहसील कार्यालय स्थित पोस्ट आफिस से पोस्ट करते एक समाज सेवी ने देखा बाद में वहां से वह खिसक गया। संत हिरदाराम नगर में इस तरह का गिरोह लम्बे समय से सक्रिय होकर ब्लैकमैलिंग का काम भी कर रहा।

आरएसएस स्वयं सेवक व भाजपा पथ संचलन की तैयारियों में जुटे

2 से 12 अक्टूबर तक देशभर में आयोजन, संत नगर में 5 को

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जिसकी स्थापना दशहरे के दिन 1925 में हुई थी, इस बार 2 अक्टूबर को दशहरे के दिन उसके 1000 साल पूरे होने जा रहे है। इस यादगार लम्हें को उत्सव के रूप में मनाने के लिए इन दिनों जगह जगह बैठकों का दौर चल रहा है, और भाजपा के छोटे से लेकर बड़े नेताओं को कार्यकर्ताओं व स्वय सेवकों की बैठकें लेने का जिम्मा सौंपा गया है। जानकारी के अनुसार 2 से लेकर 12 अक्टॅबर तक देशभर में स्वयं सेवक पथ संचलन के जरिए एक तरह से अपनी शक्ति का प्रदर्शन करेंगे। इस बहाने भाजपा को भी अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का अच्छा अवसर प्राप्त हो गया है। इसी तरह की बैठकें इन दिनों लालघाटी से लेकर संत हिरदाराम नगर में अलग अलग जगहों पर हो रही हैं। भाजपा जिला महामंत्री जगदीश यादव ने रविवार को लगभग आधा दर्जन बैठकें ली जिसमें आरएसएस स्वयं सेवकों के अलावा भाजपा कार्यकर्ता भी शामिल थे। 2 से 12 अक्टूबर तक इसे उत्सव के रूप में देशभर में मनाने का प्रोग्राम दिया गया है। अकेले रविवार को जगदीश यादव ने आधा दर्जन जगहों पर इस तरह की बैठकें ली। इधर आरएसएस स्वयं सेवक कमल प्रेमचंदानी ने बताया कि संत हिरदाराम नगर में 5 अक्टूबर को तीन जगहों से पथ संचलन का आयोजन किया गया है। इस बार संस्कार संस्था के सचिव बसंत चेलानी को आरएसएस संत हिरदाराम नगर का प्रमुख बनाया गया है। आयोजन को लेकर पिछले दिनों संस्कार स्कूल में बैठक का भी आयोजन किया गया। कमल प्रेमचंदानी ने बताया कि 5 अक्टूबर को 10 बजे केटी शहानी स्कूल परिसर, सीटीओ में आय्पा मंदिर तथा सीआरपी में धनाराम दरबार से पथ संचलन निकलेगा। जिसके लिए हर स्तर पर जोरदार तैयारियां चल रही हैं। 2 से लेकर 12 अक्टूबर तक अपने हिसाब से ये पंथ संचलन निकलेंगे जिसमें सभी से गणवेश में शामिल होने की अपील की गई है।

एक दिवसीय रासरंग गरबा महोत्सव का आयोजन

बैरसिया। माँ की आराधना के पवित्र पर्व नवरात्री पर महावीर पैलेस में भाजपा महिला जिला ग्रामीण अध्यक्ष श्रीमती नम्रता शर्मा द्वारा एक दिवसीय गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया।गरबा महोत्सव में कई टीमों ने भाग लिया। अलग अलग टीमों की महिलाएं एवं बालिकाओं ने मां दुर्गा के भजनों पर गरबा में अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी।जिसे उपस्थित जन समूह ने करतल ध्वनि से उनका उत्साह बर्धन करते हुए सराहना की। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक विविधता और परंपरागत उत्सवधर्मिता का अद्भुत संगम है बल्कि समाज में आपसी भाईचारे, आनंद और ऊर्जा के संदेश को भी प्रकट करता है। उन्होंने गरबा महोत्सव की आयोजक भाजपा महिला जिला ग्रामीण की जिला अध्यक्ष नम्रता शर्मा और उनकी टीम को बधाई दी और साथ ही अतिथियों द्वारा विजय प्रतिभागियों को पुरस्कार भी वितरण किए गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, सांसद माया नारोलिया एवं सांसद, अलोक शर्मा थे कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री कर रहे थे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रामकुवर नौरंग गुर्जर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता कुबेर सिंह गुर्जर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ भाजपा जिला ग्रामीणअध्यक्ष तीरथ सिंह मीणा हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष श्याम साहू विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम रात 8:00 बजे से प्रारंभ होकर देर रात तक चलता रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

निषाद सेना ने निकाली चुनरी यात्रा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। नव दुर्गा महोत्सव की जहां संत हिरदाराम नगर में धूम मची है, वहीं निषाद सेना के तत्वावधान में आकर्षक चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया जो बेटा गांव स्थित राहुल नगर से निकलकर उपनगर के मुख्य मार्गो से होती हुई वापस राहुल नगर पहुंची। चुनरी यात्रा में कार्यक्रम संयोजक एसं प्रदेश अध्यक्ष सामाजिक कल्याण समिति जिला भोपाल निषाद सेना के भूरा मांझी भूपेन्द्र, योगेन्द्र मांझी, सचिन यादव, प्रकाश मांझी, गौदव यादव, भरत मेहरा, आशीष राजपूत के अलावा एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारन, हुजूर विधान सभा प्रभारी एवं सिंधी सेन्ट्रल पंचायत अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल रैनवाल, राहुल राजपूत, मण्डल अध्यक्ष मनीष बागवानी, सूरत यादव, महेश खटवानी, सुमित आहूजा, विकास मारन, शेट्टी चंदनानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इसमें सबसे आगे कन्याएं कलश लेकर चल रही थी, जबकि डीजे पर बज रहे धार्मिक गीतों पर युवाओं ने खूद नृत्य किया।

दशहरा उत्सव मंच निर्माण का हुआ भूमिपूजन समिति ने बताई इस बार के आयोजन की खूबियां

जागरण प्रतिनिधि ओबेदुल्लागंज। हिंदु उत्सव समिति सदस्यों ने दशहरा मैदान पर दशहरा उत्सव मंच का भूमिपूजन किया इस दौरान पंडित शैलेश पांडे ने मंत्रोउच्चार के साथ भूमिपूजन कराकर मंच निर्माण कार्य शुरू कराया इस दौरान हिंदु उत्सव समिति अध्यक्ष सोनू चौकसे कार्यकारी अध्यक्ष अशोक जयसवाल सुजीत यादव पंकज यादव हरपाल सिंह राजपूत प्रदीप अरोरा ने अपने सदस्यों के साथ दशहरा आयोजन की रूपरेखा बताई समिति सदस्यों ने बताया कि सभी प्रशासनिक आवश्यक अनुमति के बाद दशहरा पर्व धूमधाम से मनाने की तैयारियां शुरू कर दी गई है जिसके अंतर्गत महावीर सेवा धारकों का सम्मान श्रीराम बजरंज अखाड़े का सम्मान नगर के प्रतिभावान लोगों का सम्मान चल समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने झांकियों का सम्मान सहित समय सीमा में रावण दहन जैसे विषयों की जानकारी दी। समिति के सदस्यों ने बताया कि आयोजन में मुख्य अतिथि हेतु केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पूर्व राज्यसभा सांसद सुरेश पचौरी क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर अनिल अरोरा जगदीश चंदानी बल्लू अरोड़ा बागीश अग्रवाल विनोद नामदेव बाला चौधरी पामेश यादव अमित राय विवेक मित्तल नरेंद्र राजपूत नरेश श्रीवास्तव राकेश माहेश्वरी कमलेश नरवरिया अनिल शर्मा नीटू अरोरा सहित पत्रकार बंधु विशेष रूप से उपस्थित रहे।

PUBLIC NOTICE

I, Shailu Cherian, daughter of Itty Cherian, aged 48 years, state that my correct name is "Shailu Cherian". In some documents such as Aadhaar, my name has been wrongly written as "Shailu Cheria". Both names refer to one and the same person. This notice is published to declare that my true and correct name is "Shailu Cherian", which should be taken on record for all purposes including school records of my daughter Abia Jose.Sd/-(Shailu Cherian) D/o Itty CherianR/o 101, Rishipuram Phase-3, Anand Nagar, Bhopal-462021

प्रथम पृष्ठ के शेष

सियासी रैली: बदइंतजामी....

हमें स्थानीय लोगों से विश्वसनीय जानकारी मिली है और हमारे पास कुछ सीसीटीवी फुटेज भी हैं। इनसे पता चलता है कि करूर जिले में सत्तारूढ़ पार्टी के कुछ पदाधिकारियों ने आपराधिक साजिश रची थी। **भगदड़ की वजह ?:** कार्यक्रमों में भगदड़ की सबसे बड़ी वजह भीड़ का सही आंकलन नहीं कर पाना है। आयोजन स्थल पर अपेक्षा से कई गुना ज्यादा भीड़ जमा हो जाती है और स्थानीय प्रशासन हाथ खड़े कर देता है। भीड़ बढ़ने से सारे इंतजाम धरे रह जाते हैं। विजय की रैली में भी यही हुआ। विजय ने 10 हजार लोगों की अनुमति मांगी थी, लेकिन 27,000 लोग जुटे। हालांकि, प्रत्यक्षदर्शी ये आंकड़ा करीब एक लाख बता रहे हैं।

असहनीय पीड़ा से गुजर रहा: विजयः विजय ने हाल ही में नई राजनीतिक पार्टी बनाई है। इसी को लेकर वे राज्यभर में रैलियां कर रहे हैं। इसी दौरान 27 सितंबर को करूर में उनकी रैली थी। इसमें भारी भीड़ जुटी और भगदड़ मच गई, जिसमें महिलाओं-बच्चों समेत 39 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। घटना के बाद विजय ने कहा कि वे असहनीय, अवर्णनीय पीड़ा और दुख से छटपटा रहे हैं, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

राज्य सरकार ने टीवीके पर लगाए हैं आरोप: रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु सरकार ने भगदड़ के पीछे टीवीके को जिम्मेदार बताया है। सरकार ने कहा कि विजय रैली में 6 घंटे देरी से आए, अपने वाहन की लाइट बंद रखी, भारी संख्या में भीड़ जुटने दी, उनके लिए पानी तक का इंतजाम नहीं किया, यातायात बाधित किया गया और अनुमति की शर्तों का उल्लंघन किया। सरकार ने कहा, 10,000 लोगों की अनुमति के बावजूद 25,000 से ज्यादा लोग एकत्र हुए।

नाबालिग बेटी को गोली..

इससे डरकर छोटी बेटी की चीख निकल गई, जिसे पड़ोसियों ने सुना। इसके बाद भरत से इस बारे में पूछा तो उसने कहा कि दिव्या के ऊपर पंखा गिर गया है।

पुलिस को पीएम रिपोर्ट का इंतजार : एडिशनल एसपी सुरेंद्र पाल सिंह डावर ने कहा-दिव्या का शव बरामद कर लिया है, उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। एसडीईआरएफ जवान अरविंद केन ने बताया कि रात होने से तलाशी अभियान रोक दिया था। रविवार सुबह लोहे के कांटे फेंके गए, उनमें फंसकर शव बाहर आ गया।

वारदात के पहले हुआ था झगड़ा : पुलिस के मुताबिक, दिव्या दूसरी जाति के लड़के से प्यार करती थी और शादी करने पर अड़ी थी। परिजनों के समझाने पर भी नहीं मान रही थी। 23 सितंबर की रात करीब 9 बजे पिता-बेटी में झगड़ा हुआ। गुस्से में भरत ने दिव्या को गोली मार दी। फिर शव को बोरे में भरकर तिरपाल से बांधा और गलेथा पंचायत में पैतृक गांव भगवान सिंह का पुरा ले गया। यहां शव को पत्थर बांधकर क्वॉरी नदी में फेंक दिया। भरत के इस खुलासे के बाद पुलिस वहां पहुंची जहां दिव्या का शव फेंका था। दो दिन की तलाश के बाद रविवार सुबह शव नदी में मिल गया।

उत्सवी माहौल में हुआ स्टूडेंट यूनियन काउंसिल का शपथ ग्रहण समारोह

अध्यक्ष बनी आयशा खानम, अनुश्री नामदेव सचिव

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम गर्ल्स कालेज में स्टुडेंट यूनियन काउंसिल का शपथ समारोह उत्सवी माहोल में आयोजित किया गया इस बार आयशा खानम अध्यक्ष एवं अन्नु श्री नामदेव सचिव बनी हैं। अन्य पदाधिकारियों में उपाध्क्ष याशिका परयानी, सहसचिव, नफिसा हसन, मुख्य संपादक अलिश्बा खान, सह-सम्पादक प्रियांशी धाकड़, सांस्कृतिक सचिव लक्षिता साकल्ले, सह-सांस्कृतिक सचिव, तहूरा खान, क्रीडा अध्यक्ष्य, समायरा खान, संयुक्त क्रीडा अध्यक्ष्य ज्योति निरंजन, आईक्यूएसी समन्वयक सुभाना खान, टी एंड पी समन्वयक अनुष्का ईश्वय, आईआईसी एवं ई-सेल समन्वयक यशस्वी पंडित, विज्ञान अध्यक्ष्य सिमरन मेवाड़ा, कंप्यूटर विज्ञान अध्यक्ष्य आश्विनी भिलाला, वाणिज्य अध्यक्ष्य खुशी जायसवाल, प्रबंधन अध्यक्ष्य हावरा हसन एवं शिक्षा अध्यक्ष्य उर्वशी चैधरी निर्वाचित हुई हैं। इस अवसर पर कालेज के डायरेक्टर हीरो ज्ञानंचदानी ने कहा कि नेतृत्व एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है तथा स्टूडेंट यूनियन, कॉलेज की परंपराओं, अनुशासन और छात्राओं के हित को सर्वोपरी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. डालिमा परवानी ने विद्यार्थियों को जिम्मेदारी और नेतृत्व की भावना के साथ कार्य करने का आव्हान किया तथा कहा कि स्टूडेंट काउंसिल कॉलेज और छात्राओं के बीच एक सेतु का कार्य करती है। यह मंच छात्राओं के नेतृत्व कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करता है।

सरस्वती शिशु मंदिर में नौ देवियों की पूजन कर कन्याओं को कराया गया भोज

बैरसिया। सरस्वती शिशु मंदिर जैन कॉलोनी बैरसिया में नवरात्रि के पावन अवसर पर विद्यालय में नौ देवियों के स्वरूप में बालिकाओं का पूजन कर कन्या भोज और उपहार प्रदान कर सम्मान किया गया। जिसमे अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माँ सरस्वती की वंदना और प्रार्थना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अर्जुन शिक्षा समिति के अध्यक्ष राजीव शर्मा, सचिव दीपक दुबे, सदस्य सुनील जाटव, प्रधानाचार्य श्रीमती प्रीती जैन द्वारा विधि विधान से कन्याओं का पूजन कर आरती उतारी और समिति के पदाधिकारी एवं श्री मती ब्यूटी गुप्ता एवं प्रेमलता शर्मा द्वारा कन्याभोज एवं सहभोज कराया गया। अर्जुन शिक्षा समिति के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर कन्याओं का पूजन हमारी परंपरा और संस्कृति की जीवंत धरोहर हे। अर्जुन शिक्षा समिति के सचिव नगर के वरिष्ठ समाज सेवी दीपक दुबे ने कहा कि कन्या पूजन में कन्याओं को देवी दुर्गा का स्वरूप माना जाता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मध्य प्रदेश राज्य सरकार की 20 और 23 वर्षीय प्रतिभूतियों की नीलामी

मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने नीलामी के माध्यम से कुल ₹3,000 **करोड़ (अंकित मूल्य)** राशि की प्रतिभूतियों की बिक्री का प्रस्ताव किया है।

एकाधिक मूल्य प्रारुप के अंतर्गत प्रतिफल आधारित नीलामी भारतीय रिज़र्व बैंक के कोर बैंकिंग सोल्यूशन **(ई-कुबेर)** पर **30 सितंबर 2025 (मंगलवार)** को आयोजित की जाएगी। व्यक्तिगत निवेशक भी **रिटेल डायरेक्ट पोर्टल (https://rbiretaildirect.org.in)** के माध्यम से गैर-प्रतिस्पर्धी योजना के अनुसर बोली लगा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट **(www.rbi.org.in)** पर **26 सितंबर 2025 (शुक्रवार)** की प्रेस प्रकाशनी देखें।

''पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/कॉल द्वारा धोखा न खाएं''

SUDOKU 12

4		9		1			2	
			5		6			
6					7	3	9	
9				7				
7			9		4			3
				6				8
	9	5	7					6
			8		2			
	2			4		5		1

SOLUTIONS 11

1	8	2	5	3	4	7	9	6
9	4	3	1	6	7	8	2	5
6	5	7	9	8	2	3	4	1
3	7	4	6	5	1	9	8	2
5	6	9	8	2	3	4	1	7
2	1	8	4	7	9	6	5	3
8	2	5	3	4	6	1	7	9
7	9	6	2	1	8	5	3	4
4	3	1	7	9	5	2	6	8

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज आप नई ऊर्जा महसूस करेंगे। पुराने अधूरे कामों को पूरा करने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्षेत्र में मन लगा रहेगा। धन की स्थिति ठीक रहेगी। लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचें।

वृषभ : आज स्थिरता आपके साथ होगी। कार्यक्षेत्र में सहयोग मिलेगा, और टीम वर्क से काम आगे बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी।

मिथुन : आज आपको नई दिशा मिल सकती है। रिश्तों में संवाद की कमी से भ्रम हो सकता है। अपनी सोच स्पष्ट रखें। तनाव हो सकता है।

कर्क : आज आपका मन कुछ भावुक हो सकता है। कार्य में चुनौतियां आएंगी, लेकिन संयम से आप उनसे पार पाएंगे। धन की स्थिति मिश्रित रहेगी। अनपेक्षित खर्चे हो सकते हैं।

सिंह : आज आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे। नेतृत्व और आयोजन की जिम्मेदारियां अच्छी तरह निभा पाएंगे। धन की स्थिति मजबूत रहेगी। रिश्तों में आपकी चमक दिखेगी।

कन्या : कार्य में विवरणों पर ध्यान दें। छोटी गलतियों से बड़ा फर्क पड़ सकता है। धन संबंधी फैसलों में सावधानी रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला : आज संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। कार्य में साझेदारी और सौहार्द उपयोगी होंगे। धन संबंधी मामलें कुछ जटिल हो सकते हैं। समझौता या विचार-विमर्श लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक : आज आपके अंदर गहराई और अंतर्मुखी भाव रहेंगे। कार्यक्षेत्र में गुप्त या जटिल विषयों में सफलता मिलने की संभावना है। धन मामलों में सावधानी आवश्यक है।

धनु : आज आपका उत्साह बढ़ा रहेगा। कार्य में बड़े दृष्टिकोण से सोचने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, संतुलन बनाए रखें।

मकर : आज मेहनत और अनुशासन से काम बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी लगन और समर्पण पहचान दिलाएंगे।

कुंभ : आज आपके विचार और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। धन संबंधित मामलों में स्थिरता रहेगी।

मीन : रचनात्मक या सेवा-प्रधान कार्यों में सफलता मिल सकती है। धन के मामलों में सोच-समझ कर कदम उठाएं। अनावश्यक व्यय न करें। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

आज का पंचांग: 29 सितम्बर सोमवार 2025। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **भद्रा :** सायं 04.32 से 30 सितंबर को प्रातः 05:19 तक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, शरद ऋतु आश्विन मास शुक्ल पक्ष की सप्तमी 16 घंटे 32 मिनट तक, तत्पश्चात् अष्टमी मूल नक्षत्र 29 घंटे 52 मिनट तक, सौभाग्य योग 25 घंटे 01 मिनट तक, तत्पश्चात् शोभन योग, धनु में चंद्रमा।

कार्यालय वनमंडलाधिकारी उत्तर बैतूल (सामान्य) वनमंडल

ई-मेल dfotnbetul@mp.gov.in फोन

क्रमांक/स्टोर/2025/1516 बैतूल दिनांक / 25/09/2025

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वन विभाग, वन वृत्त बैतूल (म.प्र.) के अंतर्गत कार्यालय वन संरक्षक, वन वृत्त, बैतूल के जीर्ण-शीर्ण (कंडम) भवन की समस्त सामग्रियों 'जहा है जैसी है' की स्थिति के आधार पर खुली नीलामी दिनाँक 16.10.2025 को आयोजित की गई है। इच्छुक व्यक्ति कार्यालय, वनमंडलाधिकारी, उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल के सभाकक्ष में दिनांक 16.10.2025 दिन गुरूवार को समय 01.00 बजे आवश्यक रूप से निर्धारित अमानती राशि जो कि राष्ट्रीकृत बैंक द्वारा जारी एफ. डी. आर. / डी. डी. जो कि, वनमंडलाधिकारी, उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल के नाम से देय हो, समय 12.00 बजे तक बोलीकर्ता को अपनी पहचान हेतु आधारकार्ड की प्रति के साथ जमा की जाकर बोली लगाने हेतु उपस्थित हो सकते है। नीलाम की जाने वाली सम्पत्ति का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	नीलाम की जाने वाली सम्पत्ति का विवरण	ऑफसेट प्राइज	अमानत राशि	स्थान जहां सामग्री उपलब्ध है
1.	वन संरक्षक कार्यालय कालापाठा बैतूल	80,588/-	8100/-	वन संरक्षक कार्यालय कालापाठा, बैतूल

शेष नियम एवं शर्त कार्यालय, वनमंडलाधिकारी, उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

वनमंडलाधिकारी,
(उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल

जी-19306/25

स्पिनर्स के बाद तिलक ने लिखी जीत की कहानी

टी-20 में पाकिस्तान के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए कभी नहीं हारा भारत, अंतिम ओवर में जीता मैच

जेएनएन, दुबई

तिलक वर्मा ने नाबाद अर्धशतक लगाकर 'संकटमोचक' की भूमिका निभाई और बेहद रोमांचक फाइनल मुकाबले में रविवार को भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का एक बार फिर मानमर्दन करते हुए पांच विकेट से हराकर नौवीं बार एशिया कप जीता। भारत को आखिरी ओवर में दस रन की जरूरत थी और विवादों से घिरे रहने वाले पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ के हाथ में गेंद थी। तिलक ने दूसरी गेंद पर छक्का लगाया और चौथी गेंद पर रिंकू सिंह ने चौका जड़कर स्टेडियम में मौजूद भारतीय दर्शकों के साथ टीवी के आगे नजरें गड़ाए बैठे प्रशंसकों को जश्न में सराबोर कर दिया। जीत के लिए 147 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत खराब रही थी और पहले पांच ओवर में 20 रन के भीतर तीन विकेट गिर गए थे। इसके बाद तिलक ने एक मोर्चा संभालकर 53 गेंद में नाबाद 69 रन बनाए, जबकि संजू सैमसन (24) और शिवम दुबे (21 गेंद में 33 रन) ने उनका पूरा साथ दिया। फाइनल से पहले मैदान से बाहर के तनाव के बीच सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर की इस टीम ने फॉर्म में चल रहे बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने के बावजूद बेखौफ खेल दिखाया और दबाव को हावी नहीं होने दिया। पहले कुलदीप यादव ने चार विकेट लेकर पाकिस्तान को 19.1 ओवर में 146 रन पर समेट दिया और उसके बाद तिलक ने अपनी पारी से टीम को जीत तक पहुंचाया। उन्होंने सैमसन के साथ 57 और दुबे के साथ 64 रन की साझेदारी की। मैच का निर्णायक पल रऊफ का 15वां ओवर था, जिसमें भारतीय बल्लेबाजों ने 17 रन निकाले। सुपर 4 चरण में भारतीय प्रशंसकों को भड़काऊ इशारे करने वाले रऊफ ने 3.4 ओवर में 50 रन दे डाले और उन्हें कोई विकेट भी नहीं मिला। इससे पहले अभिषेक शर्मा (पांच) जल्दी आउट हो गए। पाकिस्तान के लिए नई गेंद संभालने वाले शाहीन शाह अफरीदी और फहीम अशरफ ने धीमी गेंदें डाली जिसका फायदा मिला। सूर्यकुमार (एक) और शुभमन गिल (12) के आउट होने के बाद भारतीय खेमे में सन्नाटा पसर गया। इसके बाद संजू और तिलक ने पारी को संभाला। संजू ने सैम अयूब को छक्का जड़ा, लेकिन अबरार की गेंद पर विकेट गंवा बैठे। इससे पहले कुलदीप यादव की अगुआई में स्पिन तिकड़ी के शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ने पाकिस्तान को 19.1 ओवर में 146 रन पर आउट कर दिया।

प्लेयर ऑफ द मैच : तिलक वर्मा
प्लेयर ऑफ द सीरीज : अभिषेक

स्पिनर्स ने कराई टीम इंडिया की वापसी

पाकिस्तान ने आक्रामक शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (38 गेंद में 57 रन) और फखर जमान (35 गेंद में 46 रन) ने दसवें ओवर तक 84 रन की साझेदारी कर ली थी। आखिरी दस ओवर में हालांकि भारतीय स्पिनरों ने उन्हें पूरी तरह दबाव में ला दिया। कुलदीप ने चार ओवर में 30 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि अक्षर पटेल ने चार ओवर में 26 और वरुण चक्रवर्ती ने 30 रन देकर दो दो विकेट चटकाए। एक समय पर पाकिस्तान का स्कोर एक विकेट पर 113 रन था, जब फखर और अयूब क्रीज पर थे। इसके बाद पाकिस्तानी पारी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत ने आखिरी नौ विकेट 33 रन के भीतर चटका दिए। जसप्रीत बुमराह ने 3.1 ओवर में 25 रन देकर दो विकेट लिए। बुमराह ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर हारिस रऊफ को बोल्ड करने के बाद विमान गिरने के जैसा इशारा करते हुए उन्हें विदाई दी। पिछले मैच में रऊफ ने भारतीय प्रशंसकों की ओर भड़काऊ इशारे किए थे। भारतीय स्पिनरों ने आखिरी दस ओवरों में मैच की तस्वीर पलट दी। सभी ने धीमी गेंदबाजी करते हुए बाहर की तरफ गेंदें डाली।

■ पुरुषों के टी-20 में पाकिस्तान के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अब तक एक भी मैच नहीं हारा है। यह किसी भी टीम का सबसे ज्यादा मैचों में 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड है।

■ भारत के पहले तीन विकेट सिर्फ 20 रन पर गिरे और उन्हें तब 127 रनों की जरूरत थी। यह पुरुषों के टी-20 में पहले तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा सफल रनचेज है। इस मामले में रिकॉर्ड 2022 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 134 रन का है, जब वे 160 रन का पीछा करते हुए 26 पर तीन विकेट खो चुके थे।

■ कुलदीप यादव ने टी-20 में चार या उससे ज्यादा विकेट पांच बार लिए हैं, जो भारत के लिए भुवनेश्वर कुमार के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। रविवार को कुलदीप के चार विकेटों में से तीन विकेट उनके आखिरी ओवर में आए। यह पांचवीं बार था, जब उन्होंने एक ओवर में तीन (या उससे ज्यादा) विकेट लिए हों। पुरुषों के टी-20 में केवल राशिद खान (6) ने कुलदीप से ज्यादा बार ऐसा किया है।

■ पाकिस्तान का स्कोर पहला दो विकेट गिरने के बाद 113 रन था, लेकिन इसके बाद वे 150 से भी कम स्कोर पर आउट हो गए। यह पुरुषों के टी-20 में किसी भी टीम का 150 से कम के स्कोर पर ऑलआउट होने का सबसे बड़ा स्कोर है।

■ पाकिस्तान के आखिरी आठ विकेट ने सिर्फ 33 रन जोड़े, जो पुरुषों के टी-20 में उनका अब तक का सबसे न्यूनतम रिकॉर्ड है। उनका पिछला न्यूनतम 56 रन था, जो उन्होंने पिछले साल होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाए थे।

"वर्ल्ड कप जीतने के बाद इस टीम में जगह बनाना आसान नहीं था। अगर आप इस तरह का खेल खेलना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको कप्तान और कोच से सहायता की जरूरत होती है और मुझे उनसे भरपूर सहयोग मिला। प्रोसेस को फॉलो करना जरूरी है। मेरी यही योजना थी कि पावरप्ले को भुनाना जरूरी है और गेंदबाजड कोई भी हो मैं पहली गेंद से आक्रमण करूंगा।

- अभिषेक शर्मा, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

"यह एक सुखद अनुभव है, खासकर हम बिना एक भी मैच हारे टूर्नामेंट जीते हैं। ड्रेसिंग रूम से संदेश यही था कि जितना हो सके मैच को डीप ले जाना है, क्योंकि लक्ष्य अधिक नहीं था और हमने शुरुआत में विकेट भी गंवा दिए थे। लेकिन पहले संजू ने तिलक का साथ दिया और फिर शिवम ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी की। अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 30 रन चाहिए थे, पैनिक जैसी स्थिति नहीं थी, लेकिन गेम किसी तरफ झुक सकता था। बाउंड्री बड़ी थी, इसलिए बड़े हिट्स लगाना जरूरी था। **- शुभमन गिल**

"हमने बेहतरीन गेंदबाजी की। अगर हमने बल्लेबाजी में अच्छा फिनिश किया होता तो आज कहानी कुछ और हो सकती थी। हमने बल्लेबाजी में स्ट्राइक रोटेट नहीं किया और लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। लेकिन हमें अपनी बल्लेबाजी ठीक करनी होगी। उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की और इसके लिए हमें विपक्षी टीम को श्रेय देना होगा। मुझे अपनी टीम पर गर्व है और हम अधिक मजबूती के साथ वापस आएंगे।

- सलमान आगा, कप्तान, पाकिस्तान

■ भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का खराब फॉर्म फाइनल में भी देखने को मिला। पिछली चार पारियों में भारत के टी-20 कप्तान के स्कोर 0, 5, 12 और 1 रहे हैं।

एशिया कप में सबसे ज्यादा विकेट

कुलदीप यादव	36
लसिथ मलिंगा	33
मुरलीधरन	30
रविंद्र जडेजा	29
शाकिब अल हसन	28

■ भारत ने अब तक पिछले पांच एशिया कप प्रतियोगिताओं में से चार और कुल मिलाकर नौ (सात वनडे और दो टी-20) जीते हैं। किसी भी टीम ने भारत से ज्यादा एशिया कप नहीं जीता है।

■ भारत ने 2023 के बाद से बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में 17 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इसमें उसने सभी में जीत हासिल की है। भारत ने एशियाई खेल 2023 में दो, टी-20 विश्व कप 2024 में आठ और एशिया कप 2025 में सात मैच जीते।

सबसे ज्यादा छक्के
अभिषेक शर्मा 19
सबसे ज्यादा चौके
अभिषेक शर्मा 32
सबसे ज्यादा अर्धशतक
अभिषेक शर्मा 03

सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज (शीर्ष तीन)

देश	खिलाड़ी	मैच	औसत	रन
भारत	अभिषेक शर्मा	07	44.85	314
श्रीलंका	पथुम निसांका	06	43.50	261
पाकिस्तान	फरहान	07	31.00	217

सर्वाधिक रन बनाने वाले गेंदबाज (शीर्ष तीन)

देश	खिलाड़ी	मैच	विकेट
भारत	कुलदीप यादव	07	17
पाकिस्तान	शाहीन अफरीदी	07	10
यूएई	जुनैद सिद्दीकी	03	09

टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी

देश	खिलाड़ी	विकेट
भारत	कुलदीप यादव	7/4
यूएई	जुनैद सिद्दीकी	18/4
श्रीलंका	नुवान तुषारा	18/4

टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर

देश	खिलाड़ी	रन
श्रीलंका	पथुम निसांका	107
भारत	अभिषेक शर्मा	75
भारत	अभिषेक शर्मा	74

एसीसी प्रमुख नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार

भारतीय टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष और पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नकवी से एशिया कप विजेता की ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद क्लोजिंग सेरेमनी नहीं हुई। फाइनल से पहले ही अटकलें लगाई जा रही थी कि भारतीय खिलाड़ी जीतने पर नकवी से ट्रॉफी नहीं लेंगे। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष और अपने देश के गृहमंत्री भी हैं और भारत विरोधी रवैये के लिए जाने जाते हैं। एसीसी अध्यक्ष होने के नाते उन्हें विजयी टीम को ट्रॉफी देनी है और दोनों टीमों से हाथ भी मिलाना है। भारतीय टीम ने हालांकि पाकिस्तान की ओर से किसी से भी हाथ नहीं मिलाने और मैदान से इतर कोई बातचीत नहीं करने की नीति अपनाई है।

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान: 146/10 (19.1 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
फरहान का. तिलक बो. वरुण	57	38	5	3
जमान का. कुलदीप बो. वरुण	46	35	2	2
अयूब का. बुमराह बो. कुलदीप	14	11	2	0
हारिस का. रिंकू बो. अक्षर	0	2	0	0
सलमान का. सैमसन बो. कुलदीप	8	7	0	0
हुसैन तलत का. सैमसन बो. अक्षर	1	2	0	0
मोहम्मद नवाज का. रिंकू बो. बुमराह	6	9	0	0
शाहीन पगबाधा बो. कुलदीप	0	3	0	0
अशरफ का. तिलक बो. कुलदीप	0	2	0	0
हारिस रउफ बो. बुमराह	6	4	1	0
अबरार अहमद नाबाद	1	2	0	0

अतिरिक्त: 7, कुल: 19.1 ओवर में 146 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन:** 1-84, 2-113, 3-114, 4-126, 5-131, 6-133, 7-134, 8-134, 9-141, 10-146, **गेंदबाजी:** शिवम दुबे 3-0-23-0, बुमराह 3.1-0-25-2, वरुण चक्रवर्ती 4-0-30-2, अक्षर पटेल 4-0-26-2, कुलदीप यादव 4-0-30-4, तिलक वर्मा 1-0-9-0,

भारत: 150/5 (19.4 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का. रउफ बो. अशरफ	5	6	1	0
गिल का. रउफ बो. अशरफ	12	10	1	0
सूर्यकुमार का. सलमान बो. शाहीन	1	5	0	0
तिलक वर्मा नाबाद	69	53	3	4
सैमसन का. फरहान बो. अबरार	24	21	2	1
शिवम का. शाहीन बो. अशरफ	33	22	2	2
रिंकू सिंह नाबाद	4	1	1	0

अतिरिक्त: 2, कुल: 19.4 ओवर में 5 विकेट पर 150 रन, **विकेट पतन:** 1-7, 2-10, 3-20, 4-77, 5-137, **गेंदबाजी:** शाहीन अफरीदी 4-0-20-1, फहीम अशरफ 4-0-29-3, मोहम्मद नवाज 1-0-6-0, राउफ 3.4-0-50-0, अबरार अहमद 4-0-29-1, अयुब 3-0-16-0.

खेल एक नजर

इशान किशन को लगातार दूसरी बार मिली झारखंड टीम की कमान

रांची, जेएनएन। विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन को एक बार फिर 2025-26 के आगामी रणजी सीजन के लिए झारखंड क्रिकेट टीम की कमान सौंपी गई है।

अनुभवी बल्लेबाज विराट सिंह को टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। यह लगातार दूसरा साल है, जब किशन को झारखंड टीम की कप्तानी सौंपी गई है। पिछले सीजन किशन ने कुल चार मैचों में कप्तानी की थी, जिसमें दो मैच ड्रॉ हुए थे और दो मैचों में झारखंड की टीम को जीत मिली थी। हालांकि टीम नॉकआउट चरण तक पहुंचने में सफल नहीं हो पाई थी। किशन इस घरेलू सीजन की शुरुआत में चोट के कारण दलीप ट्रॉफी का पहला मैच भी नहीं खेल पाए थे। वह नॉटिंघमशायर के साथ काउंटी कार्यकाल के दौरान इंग्लैंड में चोटिल हुए थे।

जूनियर विश्व कप: अनुष्का का दूसरा स्वर्ण, एड्रियन को रजत

नई दिल्ली, जेएनएन। उभरती हुई निशानेबाज अनुष्का ठोकुर ने रविवार को आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल कर दूसरा स्वर्ण जीता, जबकि एड्रियन करमाकर ने इसी स्पर्धा के पुरुष वर्ग में रजत पदक हासिल किया। इससे भारत के पदकों की संख्या 13 हो गई है, जिसमें चार स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं।

व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) तीन स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक से दूसरे स्थान पर है, जबकि इटली दो स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। 18 साल की अनुष्का ने चार दिन में जूनियर विश्व कप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने प्रतियोगिता के पहले दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया था। जूनियर पुरुषों की थ्रीपी स्पर्धा में घरेलू निशानेबाज एड्रियन ने फाइनल में 454.8 अंक से रजत पदक जीता।

पहली बार आईसीसी के पूर्ण सदस्य के खिलाफ जीत, नेपाल के 148 रन के जवाब में विंडीज 129/9 बना पाई

दो बार की विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज को टी-20 में हराकर नेपाल ने रचा इतिहास

शारजाह, जेएनएन। नेपाल ने दो बार के विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज को पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 19 रन से हराकर आईसीसी के किसी पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ पहली जीत दर्ज करके इतिहास रच दिया। नेपाल ने इससे पहले 2014 में अफगानिस्तान को हराया था, लेकिन उस समय वह एसोसिएट सदस्य था। यह परिणाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेपाल की अब तक की सबसे बड़ी जीत थी और यह जीत कैरेबियाई टीम के खिलाफ उनके पहले टी-20 मुकाबले और किसी पूर्ण सदस्य के खिलाफ पहली द्विपक्षीय सीरीज में आई। बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर नेपाल ने आठ विकेट पर 148 रन बनाए और फिर वेस्टइंडीज को नौ विकेट पर 129 रन पर रोक दिया। अकील हुसैन और जेसन होल्डर के शुरुआती झटकों से वेस्टइंडीज ने चौथे ओवर में नेपाल का स्कोर दो विकेट पर 12 रन कर दिया। कप्तान रोहित पोडेल (38) और कुशल मल्ला (30) ने 58 रन की साझेदारी करके नेपाल की पारी को संभाला, लेकिन नवीन बिदाईसी ने दोनों को जल्दी-जल्दी आउट कर दिया। दीपेंद्र सिंह ऐरी (24) और गुलशन झा (22) ने भी उम्दा पारियां खेली। होल्डर ने 19वें ओवर में तीन विकेट चटकाए। उन्होंने कुल चार, जबकि नवीन ने तीन विकेट लिए। जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। कुशल भुर्तेल ने काइल मायर्स (05) को रनआउट किया। अकीम ऑगस्टे (15) ने दो छक्कों के साथ पलटवार किया, लेकिन नेपाल के स्पिनरों ने जल्द ही रन गति पर ब्रेक लगा दिया। ललित राजवंशी (छह रन पर एक विकेट) और पोडेल (20 रन पर एक विकेट) ने बीच के ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी की, जिससे वेस्टइंडीज की पारी लड़खड़ा गई। ऐरी ने कीसी कार्टी (16) को रनआउट किया। होल्डर (05) के भुर्तेल (17 रन पर दो विकेट) की गेंद पर सस्ते में आउट होने के साथ ही कैरेबियाई टीम की जीत की उम्मीदें धूमिल हो गईं। हुसैन (18) और फैबियन एलेन (19) ने नेपाल की जीत के अंतर को कम किया लेकिन वेस्टइंडीज को हार से नहीं बचा पाए।

मिथुन मन्हास बीसीसीआई के 37वें अध्यक्ष, रोजर बिन्नी की जगह लेंगे

मुंबई, जेएनएन। दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास को रविवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में उसकी 94वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया, जबकि बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया सहित अन्य सदस्य भी निर्विरोध चुने गए। मन्हास (45 वर्ष) बोर्ड के 37वें अध्यक्ष बने। उन्होंने रोजर बिन्नी की जगह ली, जिन्होंने पिछले महीने 70 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। मन्हास बिन्नी और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के बाद बोर्ड के अध्यक्ष बनने वाले लगातार तीसरे प्रथम श्रेणी क्रिकेटर हैं। पूर्व ऑलराउंडर मन्हास ने 1997-98 और 2016-17 के बीच 157 प्रथम श्रेणी, 130 लिस्ट-ए और 55 आईपीएल मैच खेले। उनके प्रथम श्रेणी में 27 शतक सहित 9,714 रन और लिस्ट ए में 4,126 रन है। नामांकन के अंतिम दिन से पहले 20 सितंबर को नई दिल्ली में बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों की एक अनौपचारिक बैठक के बाद वह पद के दावेदार के रूप में उभरे थे। उन्होंने कुप्रबंधन के कारण जम्मू-कश्मीर राज्य क्रिकेट संघ (जेकेसीए) के मामलों के प्रबंधन के लिए बीसीसीआई द्वारा गठित तीन सदस्यीय तदर्थ समिति के निदेशक के रूप में भी काम किया। एजीएम में कुछ और अहम नियुक्तियों की भी पुष्टि की गई। बीसीसीआई सचिव सैकिया और आईपीएल संचालन परिषद के अध्यक्ष अरुण धूमल को उनके पद पर बरकरार रखा गया है।

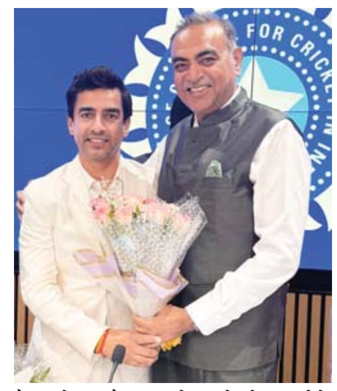

बुल्गारिया के रुझदी ने विश्व रिकॉर्ड के साथ लगातार छठा स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली, जेएनएन। बुल्गारिया के रुझदी ने रविवार को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पुरुष गोला फेंक एफ55 स्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड थ्रो के साथ लगातार छठा स्वर्ण पदक जीता। 34 साल के रुझदी ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 12.94 मीटर की दूरी के साथ 12.68 मीटर के अपने ही पिछले विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया, जो उन्होंने पेरिस में 2023 विश्व चैंपियनशिप के दौरान बनाया था। इस स्पर्धा में खिलाड़ी बैठकर प्रतिस्पर्धा करते हैं, क्योंकि उनके निचले अंग काम नहीं करते। रुझदी एक कार दुर्घटना में घायल हो गए थे, जिसके कारण कमर के नीचे का उनका शरीर काम नहीं करता। उन्होंने 2015 में दोहा से विश्व चैंपियनशिप के प्रत्येक सत्र में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने तीसरी बार विश्व रिकॉर्ड प्रयास के साथ खिताब जीता। सर्बिया के नेबोसा ड्यूरिक ने 12.52 मीटर के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत, जबकि स्कॉटलैंड के लेच स्टोल्टमैन ने 12.02 मीटर के प्रयास से कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता के दूसरे दिन सुबह के सत्र में तीन विश्व रिकॉर्ड बने। मलेशिया के अब्दुल लतीफ रोमली ने पुरुष लंबी कूद टी20 स्पर्धा में 7.67 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक की हैट्रिक बनाई, जबकि यूक्रेन के वोलोदिमिर पोनोमरेंको ने पुरष गोला फेंक टी12 स्पर्धा में 17.39 मीटर के नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ खिताब अपने नाम किया। रोमली का लंबी कूद स्पर्धा में दबदबा रहा है।

ईपीएल : क्रिस्टल पैलेस की लगातार 18वीं जीत, लीवरपूल की इस सत्र में पहली हार

मैनचेस्टर सिटी ने बर्नले को 5-1 से हराया, चेल्सी की भी लगातार दूसरी हार

लंदन, जेएनएन। एडी एनकेतिया के इंजरी टाइम के सातवें मिनट में दागे गोल की बदौलत क्रिस्टल पैलेस ने ईपीएल में लीवरपूल को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ क्रिस्टल पैलेस का अजेय अभियान 18 मैच तक पहुंच गया। टीम ने अप्रैल से कोई मैच नहीं गंवाया है। गत चैंपियन लीवरपूल की मौजूदा सत्र में यह पहली हार है। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत लगातार पांच जीत के साथ की थी। अंक तालिका के शीर्ष पर लीवरपूल की बढ़त अब सिर्फ तीन अंक की रह गई है। क्रिस्टल पैलेस की टीम दूसरे स्थान पर है। चेल्सी को ब्राइटन के खिलाफ दूसरा लगभग पूरा हाफ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, जिससे उसे 1-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। चेल्सी की यह लगातार दूसरी हार है। मैनचेस्टर सिटी ने एर्लिंग हेलेंड के 90वें मिनट और फिर इंजरी टाइम में दागे गोल की मदद से बर्नले को 5-1 से शिकस्त दी।

पहली बार एटलेटिको ने रीयाल मैड्रिड के खिलाफ दागे 5 गोल

बार्सीलोना। जूलियन अल्वारेज के दो गोल की बदौलत एटलेटिको मैड्रिड ने ला लीग में रीयाल मैड्रिड के खिलाफ 5-2 की आसान जीत दर्ज की। यह 75 साल में पहला मौका है, जब एटलेटिको ने शहर की अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ पांच गोल किए हैं। अन्य मुकाबलों में स्थानापन्न खिलाड़ी अल्बर्टो मोलेइरो के गोल से तीसरे स्थान पर चल रहे विलारीयाल ने एथलेटिक बिलबाओ को 1-0 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

सामाजिक समरसता बिगाड़ने की हो रही कोशिश : गिरिराज

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश में आई लव मोहम्मद पोस्टर को लेकर भड़की तनावपूर्ण स्थिति पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मौलवियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे लगातार गजवा-ए-हिंद की कोशिशों में लगे हैं। गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि जहां-जहां मुस्लिमों की आबादी ज्यादा है, वहां सामाजिक समरसता बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है और इस पूरे खेल में सबसे प्रमुख नाम असदुद्दीन ओवैसी का है। गिरिराज सिंह ने कहा कि 1947 में ही मुस्लिमों को पाकिस्तान भेज देना चाहिए था और वहां से हिंदुओं को भारत बुला लेना चाहिए था।

जेन जी केस : पूर्व पीएम व पांच का पासपोर्ट होगा रद्द

काठमांडू, जेएनएन। नेपाल के जेन जी आंदोलन के दौरान युवा प्रदर्शनकारियों पर हुई गोलीबारी की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सहित पांच प्रमुख व्यक्तियों को बिना अनुमति काठमांडू छोड़ने से रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता में गठित इस आयोग ने यह निर्देश जारी किया। आयोग ने इनके पासपोर्ट निलंबित करने का भी आदेश दिया। इनमें पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक सहित पांच लोगों के पासपोर्ट निलंबित करने के निर्देश दिए हैं और कई के रद्द भी कर दिए गए हैं। पूर्व पीएम शेरबहादुर देउवा और पूर्व विदेश मंत्री डा आरजू देउवा द्वारा हाल ही में जारी किए गए नए पासपोर्ट को रद्द करने का भी निर्देश दिया गया।

एयरपोर्ट, स्कूलों और कई संस्थानों को बम की धमकी

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली एयरपोर्ट, विभिन्न स्कूलों और अन्य संस्थानों को शनिवार को ईमेल के जरिए बम धमकी दी गई। दिल्ली पुलिस का कहना है कि सभी जगह बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड तैनात किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक एयरपोर्ट पर यात्रियों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जा रही है, जबकि स्कूलों से छात्रों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। इससे पहले सुबह जम्मू एयरपोर्ट प्रशासन को ईमेल भेजा गया था। इसमें एक निजी एयरलाइन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। हालांकि जांच के बाद जांच टीम को कुछ नहीं मिला। इससे पहले 13 सितंबर को दिल्ली और बॉम्बे हाईकोर्ट को बम की धमकी मिली थी। दो घंटे की तलाशी के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था।

कुपवाड़ा में घुसपैठ कर रहे दो आतंकी ढेर

जम्मू, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में सेना ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया। ये आतंकी एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, शव एलओसी के बहुत करीब पड़े हैं। सीमा पार से गोलीबारी के खतरे को देखते हुए कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें निकालने का अभियान जारी है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान और उनके संगठन की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। पिछले 8 दिनों में सेना और आतंकवादियों के बीच यह दूसरा एनकाउंटर है। इससे पहले 20 सितंबर को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया था। वहीं एसपीओ समेत दो पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

जेलेंस्की की हथियारों की डील के बाद रूस का यूक्रेन पर 595 ड्रोन और 48 मिसाइलों से हमला

कीव, जेएनएन। रूस ने रविवार को यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइलों से बड़ा हमला किया है, जिसमें कम से कम चार लोग मारे गए हैं। रूस ने यह हमला राजधानी कीव को निशाना बनाकर किया गया था। पिछले महीने कीव पर हुए हवाई हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हुई थी इसकेबाद यह पहला बड़ा हमला है। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने रविवार को टेलीग्राम के ज़रिए हताहतों की पुष्टि की और बताया कि शहर के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाकर किए गए इस हमले में 10 अन्य घायल हुए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतकों में एक 12 साल की बच्ची भी शामिल है। शहर के केंद्र के पास हुए धमाके से घना काला धुआं उठता देखा जा सकता था। तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा, रूसियों ने बच्चों का डेथ काउंटर फिर से शुरू कर दिया है। यूक्रेन की वायु सेना ने रविवार को बताया कि रूस ने कुल 595 विस्फोटक ड्रोन और नकली हथियार और 48 मिसाइलें दागीं। इनमें से एयर डिफेंस सिस्टम ने 566 ड्रोन और 45 मिसाइलों को मार गिराया या जाम कर दिया। कीव के अलावा, यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि बमबारी ने ज़ापोरिजिया, खमेलनित्सकी, सुमी, मायकोलाइव, चेर्निहाइव और ओडेसा के इलाकों को निशाना बनाया। जेलेंस्की के मुताबिक, देश भर में कम से कम 40 लोग घायल हुए हैं।

रिहायशी इलाकों में भी हुई तबाही।

अपील

जेलेंस्की ने की दबाव बनाने की अपील

जेलेंस्की ने कहा कि यह घिनौना हमला संयुक्त राष्ट्र महासभा वीक के समापन पर हुआ और रूस अपनी असली स्थिति इसी तरह व्यक्त करता है। मॉस्को लड़ाई और हत्याएं जारी रखना चाहता है, इसके लिए दुनिया से सबसे कड़े दबाव की ज़रूरत है। जापोरीज्जिया के क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेडोरोव ने कहा कि इलाके में घायल हुए 27 लोगों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र की राजधानी में दो दर्जन से ज्यादा इमारतों को नुकसान पहुंचा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में बोलते हुए रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने विश्व नेताओं से कहा कि उनका देश यूरोप पर हमला करने का इरादा नहीं रखता है।

निशाना

अस्पताल और स्कूल को भी बनाया निशाना

कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को के मुताबिक, रात में शुरू हुए और रविवार को भोर के बाद भी जारी रहे हमलों में रिहायशी इमारतों, सिविल इंफ्रास्ट्र.र, एक चिकित्सा सुविधा और एक किंडरगार्टन को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने यह भी बताया कि राजधानी में 20 से ज्यादा जगहों पर नुकसान की सूचना है। एंटी-एयरक्राफ्ट गनफायर की तड़तड़ाहट और हमलावर ड्रोनों की गड़गड़ाहट के बीच यात्री कीव के सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचे। ज़्यादातर महिलाएं, हवाई हमले की चेतावनी खत्म होने तक प्लेटफ़ॉर्म अंडरपास पर चुपचाप इंतज़ार कर रहीं। बच्चे ऑनलाइन गेम खेल रहे थे।

निशाना

यूक्रेन ने दी जवाबी हमले की धमकी

एरिका नाम की महिला ने बताया कि आसमान फिर से काला हो गया है। ड्रोन हमले से बुरी तरह तबाह हुई एक बहुमंजिला इमारत की ऊपरी मंजिलों का एक बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया और खिड़कियां उड़ गईं। इमरजेंसी सर्विस कर्मियों ने मलबा हटाने के लिए मशीनों का इस्तेमाल किया। आस-पास के फुटपाथों पर कांच के ढेर बिखरे पड़े थे और सहमे हुए इमारत के निवासी बेंचों पर बैठे थे यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने हमले के दायरे को सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों से जुड़ा बताया। सिबिहा ने एक्स पर लिखते हुए कहा, हमें रूस के लिए आगे की कार्रवाई की लागत को बढ़ाना होगा।

फटकार

यूरोपीय देशों ने रूस को लगाई फटकार

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय चिंताएं बढ़ गई हैं कि यह लड़ाई यूक्रेन की सीमाओं से आगे भी फैल सकती है क्योंकि यूरोपीय देशों ने रूस को उकसावे वाली कार्रवाई के लिए फटकार लगाई है। इन घटनाओं में रूसी ड्रोन का पोलेंड की धरती पर उतरना और रूसी लड़ाकू विमानों का एस्टोनियाई हवाई क्षेत्र में एंट्री करना शामिल है। रूस ने विमानों के एस्टोनियाई हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से इनकार किया और कहा कि ड्रोन ने पोलेंड को निशाना नहीं बनाया। यह बमबारी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की तरफ से अमेरिका से हथियार खरीद के लिए एक मेगा डील के ऐलान बाद हुई है।

मन की बात का 126वां एपिसोड

पीएम का स्वदेशी अपनाने पर जोर बेटी हर क्षेत्र में लहरा रही परचम

नई दिल्ली, जेएनएन। पीएम मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 126वां एपिसोड रविवार को जारी किया गया। इस दौरान उन्होंने श्रोताओं से कहा, 'मन की बात' में आप सभी से जुड़ना, आप सभी से सीखना, देश के लोगों की उपलब्धियों के बारे में जानना, वाकई मुझे बहुत सुखद अनुभव देता है। अपने मन की बात करते हुए, हमें पता ही नहीं चला, इस कार्यक्रम ने 125 एपिसोड पूरे कर लिए हैं।

भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि: उन्होंने कहा, आज भारत की दो महान विभूतियों की जयंती है। मैं बात कर रहा हूं शहीद भगत सिंह और लता दीदी की। साथियों, अमर शहीद भगत सिंह हर भारतवासी, विशेषकर देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा पुंज हैं। निर्भीकता उनके स्वभाव में कूट-कूटकर भरी थी। देश के लिए फांसी के फंदे पर झूलने से पहले भगत सिंह जी ने अंग्रेजों को पत्र भी लिखा था। उन्होंने कहा था कि मैं चाहता हूं कि आप मेरे और मेरे साथियों से युद्धबंदियों से जैसा व्यवहार करें। इसलिए हमारी जान फांसी से नहीं, सीधा गोली मारकर ली जाए। यह उनके अदम्य साहस का प्रमाण है। मैं शहीद भगत सिंह को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने आगे कहा, साथियों, आज लता मंगेशकर की भी जयंती है। भारतीय संस्कृति और संगीत में रुचि रखने वाला कोई भी उनके गीतों को सुनकर अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता। उनके गीतों में वह सबकुछ है, जो मानवीय संवेदनाओं को झकझोरता है। उन्होंने देशभक्ति के जो गीत गाए, उन गीतों ने लोगों को बहुत प्रेरित किया।

परचमा लहरा रही बेटियां: प्रधानमंत्री ने कहा, मेरे प्यारे देशवासियों, नवरात्रि के इस समय में हम शक्ति की उपासना करते हैं। हम नारी शक्ति का उत्सव मनाते हैं। बिजनेस से लेकर स्पोर्ट्स तक, एजुकेशन से लेकर साइंस तक.. आप किसी भी क्षेत्र को लीजिए देश की बेटियां हर जगह अपना परचम लहरा रही हैं। आज वह ऐसी चुनौतियों को भी पार कर रही हैं, जिनकी कल्पना तक मुश्किल है। उन्होंने कहा, दो अक्तूबर को गांधी जयंती है। गांधी जी ने हमेशा स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया। दुर्भाग्य से आजादी के बाद खादी की रौनक कुछ फीकी पड़ती जा रही थी। लेकिन बीते ग्यारह साल में खादी के प्रति देश के लोगों का आकर्षण बहुत बढ़ गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा-कायर लोग बच्चों के हाथ में आई लव मोहम्मद के पोस्टर पकड़ा रहे

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश में आई लव मोहम्मद विवाद के बाद अब योगी सरकार ने सख्त एक्शन लेना शुरू कर दिया है। खुद सीएम योगी ने ऐसे लोगों को चेतावनी देते हुए आज बलराम में कहा कि याद रखना जब भी दुस्साहस करोगे ऐसी ही पिटोगे जैसे बरेली के अन्दर पीटे गए थे।

ये लाइन लिखकर खुद सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक दो मिनट का एक वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में सीएम योगी ने कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को सख्त चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर उन्हें बख्सा नहीं जाएगा। वीडियो में योगी ने कहा कि जिसने भी कानून को हाथ में लेने का

प्रयास किया, जो भी राह चलते हुए राहगीर पर हमला करेगा, जो भी बेटी की सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश करेगा, और जो भी व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आगजनी करने का दुस्साहस करेगा, जो भी पर्व और त्योहारों में उपद्रव करेगा, उसको हम पहले से इस बारे में कह देंगे कि उसको बिना मांगें जहन्नुम का टिकट काटकर दे देंगे। इतना पर्याप्त होगा उसके लिए, ये अराजकता स्वीकार्य नहीं की जाएगी।

बिना भेदभाव के लाभ तो फिर अराजकता क्यों

आगे कहा कि विकास में हर व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की गयी है। गांव-गांव का विकास हो रहा है, कल्याणकारी योजनाओं में बिना भेदभाव शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध करवाया जा रहा है, बिना भेदभाव के युवाओं को नौकरी और रोजगार पलब्ध करवाया जा रहा है, तो फिर ये अराजकता कैसी। कुछ चंद लोगों को माहौल खराब करने की छूट नहीं देनी चाहिए। सपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये वही लोग हैं जिन्होंने उत्तर प्रदेश की भ्रष्ट सरकारों के साथ मिलाकर उत्तर प्रदेश की पहचान का संकट खड़ा किया। जिन्होंने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था।

लद्दाख की संस्कृति पर हमला कर रहे भाजपा और आरएसएस, वांगचुक की गिरफ्तारी पर बोले राहुल

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि लद्दाख के लोगों, संस्कृति और परंपराओं पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आरएसएस की ओर से हमला किया जा रहा है। उन्होंने लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने की भी वकालत की। गांधी की यह टिप्पणी लेह में हुई हिंसा के मद्देनजर आई है। लेह में बुधवार को हुई हिंसा में सुरक्षा बलों की गोलीबारी में चार लोग मारे गये थे और कई अन्य घायल हो गये। तब से, दंगों में संलिप्तता के आरोप में 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को रासुका के तहत हिरासत में लिया गया है।

लद्दाख में पांचवें दिन भी कर्फ्यू

गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'लद्दाख के अद्भुत लोगों, संस्कृति और परंपराओं पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) हमला कर रहे हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, लद्दाख के लोगों ने आवाज उठाई। भाजपा ने चार युवकों की जान लेकर और सोनम वांगचुक को जेल में डालकर जवाब दिया। हत्या बंद करो, हिंसा बंद करो, धमकी देना बंद करो। उन्होंने कहा, लद्दाख को आवाज दीजिए, उन्हें छठी अनुसूची दीजिए।

सोनम वांगचुक का पत्नी ने किया बचाव

लद्दाख में हुई हिंसा के मामले में जेल में बंद वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने अपने पति का बचाव करते हुए उनके खिलाफ वित्तीय अनियमितताओं और पाकिस्तान से संबंध के आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने विरोध प्रदर्शन को शांतिपूर्ण बताते हुए 24 सितंबर को हुई हिंसा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को जिम्मेदार ठहराया है। वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया है।

'पिंक पावर रन 2.0' में हजारों लोगों ने दिया स्तन कैंसर के खिलाफ संदेश

सुधा रेड्डी, पेस और मिस वर्ल्ड प्रतिनिधियों ने दिखाई एकजुटता

हैदराबाद, जेएनएन। स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित पिंक पावर रन 2025 के दूसरे संस्करण में रविवार को 20,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। नेकलेस रोड पर हुई इस दौड़ का आयोजन सुधा रेड्डी फाउंडेशन ने किया, जिसमें मशहूर हस्तियों, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने एकजुट होकर स्वास्थ्य और जागरूकता का संदेश दिया। दौड़ की शुरुआत सुधा रेड्डी, लिएंडर पेस, मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की चेयरपर्सन जूलिया मॉरले और मिस वर्ल्ड 2025 ओपल सुचाता चुआंगसरी ने हरी झंडी दिखाकर की। मिस इंडिया वर्ल्ड नंदिनी गुप्ता समेत कई देशों की मिस वर्ल्ड प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस बार की थीम स्ट्राइड शाइनरही, जिसमें 3यरू 5किमी और 10किमी की दौड़ आयोजित की गई। विजेताओं को कुल 15 लाख से अधिक के नगद पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में फिटनेस वर्कशॉप, कैंसर सर्वाइवर्स की कहानियाँ और सोशल मीडिया चैलेंजेज़ भी शामिल रहे। जूलिया मॉरले को एक्सीलेंस इन मेंटोरशिप अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। अब इस अभियान को 'पिंक पावर रन बियॉन्ड बॉर्डर्स' नाम से 2026 में 140 देशों में ले जाने की तैयारी है। यह पहल मिस वर्ल्ड की 75वीं वर्षगांठ का भी हिस्सा होगी।

अमेरिका के रेस्टोरेंट में फायरिंग में 3 मरे 8 घायल

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में शनिवार रात एक नाव से रेस्टोरेंट पर अंधाधुंध फायरिंग की गई, इस गोलीबारी में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हो गए। हमलावर फायरिंग के बाद मौके से फरार हो गया। ये घटना साउथपोर्ट यॉट बेसिन इलाके में स्थित अमेरिकन फिश कंपनी रेस्तरां और पब में हुई। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने कहा कि फायरिंग में 7 लोगों को गोली लगी है, जिनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। बाकी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज जारी हैं। फिलहाल उनकी हालत के बारे में जानकारी शेयर नहीं की गई है। वहीं, साउथपोर्ट के सिटी मैनेजर नोहा साल्डो ने बताया कि नाव सीधे रेस्तरां के पास आई और वहां मौजूद भीड़ पर गोलियां बरसा दीं। इसके बाद नाव तेजी से वहां से निकल गई।

अर्जेंटीना में 3 युवतियों की हत्या कर इंस्टाग्राम पर भी किया लाइव

ब्यनर्स आयर्स, जेएनएन। अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में तीन युवतियों की हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बता दें कि, इनकी हत्या न सिर्फ बेरहमी से की गई, बल्कि इसे सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर लाइव भी दिखाया गया। ये वारदात नशे के गिरोह से जुड़ी बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों में 20 वर्षीय मोरेना वेरदी और ब्रेंडा डेल कास्टिलो, जो आपस में चचेरी बहनें थीं, और 15 वर्षीय लारा गुटिरेज शामिल हैं। इनके शव बुधवार को ब्यूनस आयर्स के दक्षिणी इलाके में एक घर के आंगन में दफन मिले। ये तीनों 19 सितंबर से लापता थीं। पुलिस जांच में हुआ बड़ा खुलासा पुलिस जांच में पता चला कि युवतियों को पार्टी का झांसा देकर एक वैन में ले जाया गया। वहां गिरोह के लोगों ने उन्हें यातनाएं दीं और फिर उनकी हत्या कर दी। इस गिरोह का मकसद दूसरों को डराना और यह संदेश देना था कि उनसे नशीली दवाओं की चोरी करने वालों का यही अंजाम होगा। अधिकारियों के अनुसार, यह खौफनाक घटना इंस्टाग्राम के एक निजी अकाउंट पर लाइव दिखाई गई, जिसे 45 लोगों ने देखा। हालांकि इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा का कहना है कि उन्हें ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि वीडियो उनके प्लेटफॉर्म पर लाइव किया गया। अर्जेंटीना की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवतियों की यातना इतनी भयानक थी कि उनके शरीर की पहचान करना मुश्किल हो गया। पुलिस का कहना है कि उनके नाखून उखाड़े गए, उंगलियां काटी गईं और उन्हें पीटने के बाद गला घोंटकर मार डाला गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी भड़के

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रसिद्ध जलवायु कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को गिरफ्तारी के बाद जोधपुर जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। हेमंत सोरेन ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, उम्मीद की एक और किरण सलाखों के पीछे... जल-जंगल-जमीन, भाषा-संस्कृति-अधिकार की रक्षा एवं देश के लिए समर्पित एक और मजबूत आवाज को गुमनाम बनाने के लिए किए जा रहे षड्यंत्रों पर पूरे देश की नजर है।

MADHUR CARGO
Packers & Movers
A Unit of Shree Madhur Transport Co.
CONTACT : 9713068681
OUR SERVICES
HOUSE HOLD SERVICE
LOADING/UNLOADING
MOVING & SHIFTING
PACKING SERVICE
OFFICE SHIFTING
TRANSPORTATION PAN INDIA
24/7 Hours Service
SAFE & ECONOMICAL MOVING SERVICE
B-34, Madhur Plaza Near Gurudwara
Transport Nagar Kokta, Bhopal PIN-462028

रणबीर कपूर ने मुंबई में मनाया 43वां जन्मदिन

एक्टर रणबीर कपूर ने रविवार को अपना 43वां जन्मदिन मनाया। रणबीर ने मुंबई में पैपराजी की मौजूदगी में केक काटते हुए जन्मदिन सेलिब्रेट किया। वैसे तो रणबीर सोशल मीडिया से दूर रहते हैं, लेकिन जन्मदिन के मौके पर उन्होंने फैंस को धन्यवाद देते हुए एक वीडियो मैसेज शेयर किया। यह वीडियो उनके लाइफस्टाइल ब्रांड अर्क्स के इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए शेयर किया गया। वीडियो में रणबीर ने कहा, हाय, मैं इस मौके पर आप सभी का धन्यवाद कहना चाहता हूं, जो मुझे मेरे जन्मदिन पर प्यार और शुभकामनाएं भेज रहे हैं। मैं आज 43 साल का हो गया हूं। जैसा आप देख सकते हैं, दाढ़ी में कई सफेद बाल आ गए हैं, और हर साल बढ़ते रहते हैं, लेकिन मेरे दिल में परिवार, दोस्तों, मेरे काम और सबसे ज्यादा आप सभी के लिए बहुत आभार है। आपका समय देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आप मुझे बहुत खास महसूस कराते हैं। रणबीर की मां, नीता कपूर ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी में उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। उन्होंने रणबीर और आलिया की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मेरी जान। मुझे खुशकिस्मती महसूस होती है कि तुम मेरे जीवन में हो ।बता दें कि रणबीर जल्द ही नितेश तिवारी की फिल्म %रामायण में भगवान राम का रोल निभाने वाले हैं। फिल्म में साई पल्लवी सीता की भूमिका में और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पार्ट अगले साल दीवाली पर थिएटर्स में रिलीज होगा।

खुलासा सरकारी आंकड़ों ने किया चौकाने वाला खुलासा, 6 महीने में 7000 से ज्यादा लोगों ने की खुदकुशी

द.कोरिया में शादी और बच्चों की दर में हुई बढ़ोतरी

सियोल, जेएनएन। दक्षिण कोरिया की ओर से जारी सरकारी आंकड़ों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस साल की पहली छमाही में 7 हजार से ज्यादा लोगों ने आत्महत्या कर ली। सांख्यिकी कोरिया के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से जून के बीच कुल 7,067 लोगों ने आत्महत्या की, जो पिछले साल के इसी समय के 7,844 संख्या से थोड़ी कम है, लेकिन 2023 की पहली छमाही में 7,142 लोगों के बराबर है। इन आंकड़ों में 50 साल से अधिक उम्र के लोगों की हिस्सेदारी सबसे अधिक 22.4 प्रतिशत है, इसके बाद 40 साल (19 प्रतिशत), 60 साल (15.1 प्रतिशत), 30 साल (13.5 प्रतिशत) और 70 साल (9.8 प्रतिशत) के लोग शामिल हैं। वहीं बाकी की संख्या अन्य आयु वर्गों से है। विशेषज्ञों का कहना है कि आत्महत्या को केवल एक व्यक्तिगत समस्या के रूप में नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और संरचनात्मक समस्या के रूप में भी देखा

जाना चाहिए और इसके लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप की आवश्यकता है। कोरिया इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ एंड सोशल अफेयर्स (केआईएचएएसए) के अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा समीक्षा में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में, कोरिया विश्वविद्यालय ग्रेजुएट स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ता चोई मिन-जे ने कहा कि सरकार को उच्च जोखिम वाले समूहों के लिए लक्षित हस्तक्षेपों से आगे बढ़कर सामान्य आबादी में जोखिमों को संबोधित करने वाले चयनात्मक और सार्वभौमिक उपायों को शामिल करना चाहिए।

पिछले वर्ष की तुलना में अधिक बच्चों ने लिया जन्म

आंकड़ों से पता चला कि दक्षिण कोरिया में जुलाई में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या में पिछले साल की तुलना में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसका एक कारण शादियों में बढ़ोतरी है। सांख्यिकी कोरिया के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में कुल 21,803 बच्चों का जन्म हुआ, जो पिछले साल की तुलना में 20,580 बच्चों के जन्म की तुलना में 5.9 प्रतिशत अधिक है। यह लगातार 13वें महीने वार्षिक वृद्धि का रिकॉर्ड है, लेकिन 1981 में सरकार द्वारा रिकॉर्ड दर्ज करने के बाद से जुलाई का चौथा सबसे कम आंकड़ा है। जनवरी से जुलाई के बीच कुल 147,804 बच्चों का जन्म हुआ। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

आत्महत्या की दर द. कोरिया में अधिक

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के सदस्य देशों में दक्षिण कोरिया में वर्तमान में आत्महत्या की दर सबसे अधिक है, जो 2024 में प्रति 100,000 लोगों पर 26.2 थी, जो ओईसीडी के औसत 10.8 से कहीं अधिक है।

नियंत्रण केंद्र की स्थापना की मांग

कोरिया विश्वविद्यालय ग्रेजुएट स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ता चोई मिन-जे ने एक व्यापक नियंत्रण केंद्र की स्थापना का भी आग्रह किया ताकि यह आकलन किया जा सके कि राजकोषीय, श्रम और अन्य नीतियां आत्महत्या दरों को कैसे प्रभावित कर सकती हैं और जहां इस तरह के जोखिमों की पहचान की जाती है, वहां सही तरीके से पूरे उपायों को लागू किया जा सके।

वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण M.P. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826433122
9826065324
₹50/-

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/ सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है।
-व्यवस्थापक

बेचना है
दुकानें बेचना है, नवनिर्मित कॉम्प्लेक्स वैरोनिका हाइट्स, गोंदरमऊ मेनरोड पर श्री कालेज से लगा, अब्बास नगर के पहले पार्किंग,पानी, टॉयलेट सुविधा प्रथम तल कीमत 3 से 18 लाख। 9359811415, 8319739969
(7-10)

अण्डा
BHOPAL EGG RATE
520/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

दैनिक जागरण
भोपाल, 29 सितंबर 2025
विविध
www.dainikjagranmpcg.com

डिजिटल पेमेंट करना होगा और सुरक्षित

जागरण, ग्वालियर। एक अक्टूबर से डिजिटल भुगतान करना और अधिक सुरक्षित होगा। क्योंकि आरबीआई ने डिजिटल भुगतान को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है और बैंक व वित्तीय संस्थानों को आरबीआई के इन निर्देशों का पालन एक अप्रैल तक करना है, क्योंकि एक अप्रैल को फिर से नई गाइडलाइन आएगी। नई गाइडलाइन से क्रेडट कार्ड, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग और एप आदि भुगतान करने में अधिक सुरक्षा मिलेगी।

कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या से परेशान ग्रामीण

जागरण, डिंडोरी। जिले के बजाग विकासखंड मुख्यालय में सिंगार सत्ती गांव के सरपंच और ग्रामीणों ने बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या को लेकर बिजली विभाग के दफ्तर में जूनियर इंजीनियर को ज्ञापन दिया। उन्होंने बिजली व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की। सरपंच संपत सिंह धुर्वे ने बताया कि गांव में पिछले तीन साल से बिजली कटौती और लो वोल्टेज की गंभीर समस्या बनी हुई है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

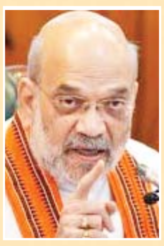

अमित शाह
केंद्रीय गृहमंत्री

ये वामपंथी जो नक्सलियों के बचाव में खड़े हैं और कहते हैं कि वे हमारे लोग हैं और उन्हें क्यों मारा जाना चाहिए ? हम उन्हें मारना नहीं चाहते। 290 लोग इसलिए मारे गए क्योंकि वे हथियारबंद थे। हमने 1,090 को गिरफ्तार किया, जहां गिरफ्तारी संभव थी, हमने उन्हें गिरफ्तार किया। 881 ने आत्मसमर्पण किया। यह सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

विश्व हृदय दिवस आज, इस बार की थीम, अपनी धड़कनों को बचाएं

प्रदेश में 33% मौतें हार्ट अटैक से, आयुष्मान योजना भी लाचार

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। पूरी दुनिया आज विश्व हृदय दिवस मना रही है। डब्ल्यूएचओ द्वारा इस बार की थीम 'डोंट मिस अ बीट' निर्धारित की गई है। इसका मतलब है कि अपनी धड़कन को बचाएं। दिल से जुड़ी बीमारियां कितनी जानलेवा हैं, इसका उदाहरण मप्र में होने वाली कुल मौतों में हार्ट से हुई मौतों का प्रतिशत बता रहा है। हाल ही में जारी हुई एमसीसीडी (मेडिकल सर्टिफिकेशन कॉज ऑफ डेथ) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में प्रदेश में जितनी भी मौतें हुई हैं, उनमें 33.9 फीसदी मौतें सिर्फ हार्ट अटैक से दर्ज की गई हैं। इतनी बड़ी संख्या में हो रहीं मौतों को रोकने में सरकार की योजनाएं भी नाकाफी साबित हो रही हैं। इसकी बानगी है, भोपाल में आयुष्मान योजना से जुड़े ऐसे अस्पताल।

- एमसीसीडी की रिपोर्ट से खुलासा
- प्रदेश के एक भी जिला अस्पताल में नहीं कैथलैब

कोरोना के बाद बदली स्थिति

एमसीसीडी वर्ष 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है कि अब 18 साल की उम्र के युवाओं में भी हृदय रोग की समस्या सामने आ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि युवाओं को नियमित व्यायाम करना चाहिए, धूम्रपान से बचना चाहिए और अगर सीने में दर्द, घबराहट या हार्टबीट में अचानक बदलाव महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से मिलकर सलाह लेनी चाहिए।

कम उम्र में भी आ रहा हार्ट अटैक

रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2018 में 1 से 4 साल की उम्र के बच्चों में हृदय रोग से होने वाली मौतें केवल 0.6 प्रतिशत थीं। लेकिन 2022 में यह आंकड़ा 14.1 प्रतिशत तक पहुंच गया। यानी केवल चार साल में में इसमें 2250 गुना बढ़ोतरी हुई है जो की अविश्वसनीय है। वहीं, 5 से 14 साल के बच्चों में भी 3.7 प्रतिशत से बढ़कर 18.6 प्रतिशत तक, यानी 403 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

आयुष्मान योजना से दिल का इलाज देने वाले अस्पतालों की संख्या कम

हृदय रोगियों की जान बचाने के लिए भले ही सरकार कई योजनाएं चला रही हो, लेकिन जमीन स्थिति कुछ ओर है। यदि बात करें आयुष्मान योजना की तो भोपाल में सिर्फ 28 निजी अस्पताल हैं, जो आयुष्मान योजना के तहत हृदय रोग का इलाज दे रहे हैं, जबकि सरकार अस्पतालों की संख्या सिर्फ 4 है। इसी के साथ कॉर्डियोथोरोसिक की सुविधा देने वाले निजी अस्पतालों की संख्या 14 है। जबकि भोपाल में कुल निजी अस्पतालों की संख्या 400 से अधिक है। ऐसे में हार्ट अटैक के हर मरीज को त्वरित इलाज नहीं मिल पा रहा। अक्सर मरीज भटकते हुए अंत में हमीदिया या फिर एम्स ही पहुंचता है।

अन्य राज्यों में भी स्थिति चिंताजनक

एमपी में हृदय रोग से होने वाली मौतें 2008 में 19.2 प्रतिशत थीं, 2013 में बढ़कर 24.8 प्रतिशत और 2022 में 33.9 प्रतिशत हो गईं। छत्तीसगढ़ में 2008 में 20.7 प्रतिशत, 2013 में 50.7 और 2022 में 27.2 प्रतिशत दर्ज की गई। बिहार, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब में भी हृदय रोग से मौतों की दरों में बढ़ोतरी देखी गई है। खासकर गुजरात में आंकड़ा 2008 के 21.2 से बढ़कर 2022 में 45.2 प्रतिशत हो गया। हालांकि, इस मामले में छत्तीसगढ़ कुछ हद तक सेफ साइड पर है। वहां कोविड के बाद हृदय रोग से होने वाली मौतों में 9.93 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। अगर बात करें राष्ट्रीय स्तर पर हृदय रोग से होने वाली मौतों की आंकड़े की तो, 2008 में हृदय रोग से होने वाली मौतें 27.7 प्रतिशत थीं, जो 2022 में बढ़कर 40.8 प्रतिशत तक पहुंच गईं।

संक्षिप्त खबरें

रिहायशी इलाके में भालू की दस्तक से दहशत

जागरण, शहडोल। जिले के एक गांव मेंग्रामीणों ने एक भालू को सड़क पार करते देखा। अचानक गांव में आए इस जंगली मेहमान को देखकर लोग हैरान और सहम गए। ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाते हुए जोर-जोर से आवाजें लगाकर और शोर मचाकर भालू को खदेड़ दिया। यह नजारा वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिले के उत्तर वन मंडल अंतर्गत केशवाही वन परिक्षेत्र बलबहरा से एक रोमांचक लेकिन खौफनाक नजारा सामने आया है। जहां एक भालू रिहायशी इलाके में घूमता हुआ देखा गया। भालू ने अचानक सड़क पार की, जिसे देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई।

प्रेमिका के साथ कर रहा था सिरप की तस्करी

जागरण, रीवा। पुलिस ने रीवा के कबाड़ी मोहल्ले में दबिश देकर एक महिला को 360 शीशी नशीली सिरप के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने एक तस्कर को उसकी प्रेमिका और नाबालिग के साथ पकड़ा, जिनके पास से 105 शीशी नशीली सिरप बरामद हुई। पुलिस का कहना है कि आरोपी तस्कर अपनी गर्लफ्रेंड को आगे बैठाकर पुलिस को चकमा देने की कोशिश कर रहा था, लेकिन टीम की सतर्कता से पूरा खेल बिगड़ गया। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सलकनपुर दर्शन से पहले बुधनी घाट पर नर्मदा स्नान के दौरान दीवानगंज के युवकों के साथ हादसा

नर्मदा घाट पर तीन युवक डूबे, एक को बचाया, दो भाइयों की तलाश

जागरण बुधनी। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल सलकनपुर देवी धाम जाने से पहले बुधनी के मां नर्मदा घाट पर स्नान कर रहे तीन युवक गहरे पानी में जाने से डूबने लगे। स्थानीय लोगों की सतर्कता से एक युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया लेकिन दो युवक नदी की लहरों में डूब गए। सूचना मिलते ही पुलिस व गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

बारिश और अंधेरे के चलते देर शाम तक लापता युवकों का पता नहीं चल सका। अब सोमवार सुबह पुनः सर्च ऑपरेशन चलाया जाएगा। लापता युवकों की पहचान 25 साल के नीलेश साहू और उसके 24 साल के चचेरे भाई योगेश के रूप में हुई है। दोनों रायसेन जिले के दीवानगंज के रहने वाले थे। तीनों युवक बाइक से सलकनपुर दर्शन के लिए जा रहे थे। सुबह करीब 11.30 बजे बुधनी घाट नर्मदा नदी में नहाने के लिए रुके। तीनों युवक नर्मदा नदी में नहाने के दौरान डूबने लगे। इनमें से तोरण यादव पिता भीकम यादव उम्र 25 साल निवासी दीवानगंज जिला रायसेन को स्थानीय नाविक देव मांझी और दीपक मांझी ने मशक्कत कर बचा लिया।

आज फिर चलेगी सर्चिंग : थाना प्रभारी बुधनी चैन सिंह रघुवंशी ने बताया कि निलेश और योगेश की तलाश जारी है यह दोनों युवक चचेरे भाई हैं। थाना बुधनी स्टाफ एवं एसडीआरएफ सीहोर की टीम व स्थानीय नागरिकों की मदद से दोनों की नर्मदा नदी में सर्चिंग की। तीनों युवक बाइक से दीवानगंज से सलकनपुर मां विजयासन देवी सलकनपुर जा रहे थे। इसी दौरान स्नान के लिए बुधनी नर्मदा घाट पर पहुंचे। नहाते-नहाते गहरे पानी में पहुंच गए और हादसा हो गया। अंधेरा होने के कारण रात में सर्चिंग बंद कर दी गई है। सुबह फिर सर्चिंग की जाएगी।

इंदौर में अब मिनी ट्रक ने बरपाया कहर, थमी सांसें

जागरण, इंदौर। एक बार फिर इंदौर में ट्रक के कारण इंदौर के लोगों की सांसें थमती नजर आईं, जब एक तेज रफ्तार मिनी ट्रक सामने आ रहीं सारी गाड़ियों को कुचलते हुए आगे बढ़ता गया। देखने वालों को इस मिनी ट्रक में भी एयरपोर्ट रोड पर पिछले दिनों यमदूत की तरह तीन लोगों की जान लेने और दर्जनों को कुचलने वाला ट्रक नजर आने लगा। यह मिनी ट्रक भी गाड़ियों को कुचलते हुए तेज रफ्तार में आगे बढ़ता जा रहा था। इसकी चपेट में सबसे पहले एक स्कूटर सवार महिला आई, जो बुरी तरह घायल हो गई। वहीं करीब आधा दर्जन गाड़ियों को इस मिनी ट्रक ने कुचल डाला। गनीमत रही कि यह मिनी ट्रक आगे चलकर एक खड़े टक से टकरा गया और वहीं रुक गया। वरना लोग एक बार फिर बेकाबू ट्रक के कारण शहर में बड़े हादसे की आशंका जताते हुए यहां-वहां भागने लगे थे। इस मिनी ट्रक का कहर शनिवार रात शहर के रावजी बाजार थाना क्षेत्र के लोहा मंडी ब्रिज पर बरपा। जहां मिनी ट्रक ब्रेक फेल होने के बाद तीन-चार वाहनों और लोगों को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ता रहा। यह नवलखा से टक्कर मारते हुए आ रहा था। दो से तीन गाड़ियां इसने तोड़ दी। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस भी तत्काल एक्टिव हो गई। तब तक एक स्कूटी सवार महिला शर्मिला पति इस्लाम पटेल निवासी भीमा नगर इसकी चपेट में आ गई। लोगों ने तत्काल उसे अस्पताल भिजवाया।

ब्रेक फेल होने से कई गाड़ियां कुचलीं, एक घायल

डबरा स्टेशन के पास झांसी-इटावा एक्सप्रेस पर पथराव

कोच की खिड़की पर पत्थर लगने से फैली दशहत

जागरण, ग्वालियर। जिले के डबरा स्टेशन के पास झांसी इटावा एक्सप्रेस पर अज्ञात लोगों ने पथराव किया, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। ट्रेन स्टाफ ने तत्काल घटना की सूचना कंट्रोल रूम को दी। फिलहाल रेलवे पथराव करने वाले लोगों की पहचान में जुटा हुआ है। ग्वालियर के डबरा रेलवे स्टेशन के पास झांसी इटावा एक्सप्रेस पर पथराव किया।

बताया जा रहा है कि कोच की खिड़की पर पत्थर लगा, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। गनीमत रही किसी यात्री को चोट नहीं लगी। यात्रियों का कहना है कि घटना के वक्त सभी डर गए थे। यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी ट्रेनों पर पथराव के मामले सामने आ चुके हैं। वहीं ट्रेन स्टाफ ने झांसी कंट्रोल रूम की इसकी सूचना दी है। फिलहाल रेलवे विभाग पथराव करने वाले लोगों की पहचान में जुटा हुआ है।

रीवा जिले के मऊगंज का मामला

किसान को गाली देकर तू कौन पूछने वाला तहसीलदार सस्पेंड

जागरण, मऊगंज। जमीन विवाद में किसान की कॉलर पकड़कर गाली-गलौज करने वाले मऊगंज तहसीलदार बीके पटेल को रीवा कमिश्नर बीएस जामोद ने सस्पेंड कर दिया। किसानों से अभद्रता का वीडियो वायरल होने पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने नाराजगी जताई थी। इसके बाद कमिश्नर ने कलेक्टर से रिपोर्ट तलब की। कलेक्टर संजय कुमार ने एडीएम से जांच रिपार्ट मांगी। मामला उपतहसील देवतालाब के गनिगमा का है। वीडियो में दिख रहा था कि गांव पहुंचे तहसीलदार ने किसान सुषमेश पांडे की कॉलर पकड़कर झकझोर दिया। मारपीट के लहजे में तहसीलदार ने किसान को गालियां बकते हुए पूछा था तू है कौन? बकवास मत करना। इस किसान की पहचान के रूप में हुई। एक अन्य किसान कौशलेश प्रजापति ने भी तहसीलदार पर गाली देने का आरोप लगाया था।

कमिश्नर ने की कार्रवाई, एसडीएम को सौंपी जांच

एम्स ने खरीदी 3 करोड़ की मशीन, बढ़ेगी जांचों की रफ्तार

नई मशीन हर घंटे 2 हजार टेस्ट करने में सक्षम, एलएफटी, आरएफटी, ब्लड शुगर और थायराउड जांच में मिलेगा फायदा

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में अब मरीजों को कम समय जांच रिपोर्ट उपलब्ध हो सकेगी। अभी छोटी जांच की रिपोर्ट में दो से तीन दिन लग जाते हैं, लेकिन अब यह व्यवस्था बदल जाएगी। एम्स से मिली जानकारी अनुसार संस्थान ने 3 करोड़ रुपए से नई कोबास मशीन खरीदी है। इसकी खासियत यह है कि हर घंटे 2 हजार सैंपल जांचने की इसमें क्षमता है।

यानि एक दिन में 48 हजार सैंपलों की जांच की सकेगी। एम्स प्रबंधन ने बताया कि तीन शिफ्ट में काम करने और कुछ समय मशीन को आराम देने के लिए भी निकाल दें तो हर दिन औसतन 30 हजार सैंपलों की जांच की जा सकती है। एम्स द्वारा जो 3 करोड़ रुपए से नई कोबास मशीन खरीदी गई है, उसका संचालन बायोकेमिस्ट्री विभाग करेगा। शनिवार को संस्थान में सांसद आलोक शर्मा, विवेक तन्खा और भरत कुशवाह ने इस मशीन का लोकार्पण किया। कोबास प्रो एडवांस्ड इंटीग्रेटेड क्लिनिकल मशीन से कई प्रकार की जांचें एक साथ की जा सकेंगी। इस नई सुविधा से मरीजों के लिए समय पर और सटीक जांच संभव होगी। एम्स के अधिकारियों ने बताया कि इस मशीन की सहायता से 230 से अधिक प्रकार के नैदानिक परीक्षण किए जा सकेंगे। कोबास प्रो उपकरण उच्च दक्षता और त्वरित परिणाम देने की क्षमता रखता है। एक ही मशीन में इतनी सारी जांचें करने की क्षमता के कारण अब और अधिक मरीजों को समय पर जांच का लाभ मिलेगा। बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि कोबास-प्रो एक अत्याधुनिक, पूरी तरह से एकीकृत जैव रसायन विश्लेषक है। यह मध्य प्रदेश के किसी भी सरकारी अस्पताल में पहली मशीन है। एम्स प्रबंधन ने बताया कि मशीन की खरीदी एम्स ने की लेकिन इसके लिए रिएजेंट की सप्लाई कंपनी द्वारा की जाएगी, जिसकी कीमत संस्थान अदा करेगा।

हर दिन 4 से 5 हजार जांचें

एम्स भोपाल में हर दिन 6 हजार से अधिक मरीज पहुंचते हैं। यहां हर दिन की ओपीडी का औसत आंकड़ा 6 हजार के आस पास है। इनमें से करीब 80 फीसदी मरीज ऐसे होते हैं, जिन्हें बायोकेमिस्ट्री विभाग में ब्लड टेस्ट के लिए भेजा जाता है। इन मरीजों की प्रतिदिन औसत संख्या 4 से 5 हजार तक होती है। सितंबर महीने में अब तक 1 लाख 70 हजार से ज्यादा टेस्ट यहां किए गए हैं। इस आधार पर नई मशीन से मरीजों को फायदा मिलने वाला है।

यह जांचें हो सकेंगी

ब्लड शुगर, लिवर रोग (एलएफटी), गुर्दे (आरएफटी), हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल, थायरॉयड, अन्य हार्मोन, विटामिन और कैंसर मार्कर जैसी महत्वपूर्ण जांचें शामिल हैं।

वेटिंग से मिलेगा छुटकारा

एम्स में नई कोबास मशीन आने से यहां लैब टेस्ट की रिपोर्ट एक दिन में आने की संभावना है। इसलिए उम्मीद जताई जा रही है कि मरीजों को अब ब्लड टेस्ट रिपोर्ट के लिए दो से तीन दिन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अब एम्स की अधिकतर जांच रिपोर्ट आभा आईडी के माध्यम से मोबाइल पर भेज दी जाती हैं। इसलिए मरीजों को रिपोर्ट लेने के लिए बार बार एम्स जाने की जरूरत नहीं है।

आदमपुर खंती में लीचेट और कचरे के निपटारे पर एनजीटी सख्त, कहा- जवाबदारी तय करें

भोपाल नगर निगम 9 माह बाद भी नहीं उठा सका ठोस कदम, बार-बार लग रही आग

जागरण संवाददाता, भोपाल। आदमपुर छावनी स्थित कचरा खंती में नगर निगम द्वारा लीचेट और कचरे के निपटारे को लेकर नगर निगम द्वारा लगातार लापरवाही की जा रही है। जिसके चलते नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने नगर निगम के अधिकारियों द्वारा की जा रही इस लापरवाही के चलते उनकी जबावदेही तय करने के आदेश दे दिए हैं। मामले पर अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को की जाएगी। जिसमें अवैज्ञानिक तरीके से कचरा इकट्ठा करने, कचरे में आग लगने, लीचेट व मीथेन बनने पर अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। बता दें कि भोपाल के आरटीआई व पर्यावरण कार्यकर्ता नितिन सक्सेना द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बैंच ने यह टिप्पणी की। आदमपुर छावनी में लगातार आगजनी के चलते आसपास का पर्यावरण तो प्रदूषित हो ही रहा है।

इससे लोगों और वन्य जन जीवन भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। जहां लोगों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है, वहीं दूसरी ओर वन्य जीव भी इस क्षेत्र से पलायन कर रहे हैं। वर्तमान में पुरानी डंपसाइट पर लगभग 1.5 लाख घन मीटर कचरा पड़ा हुआ है, जो लगातार मीथेन जैसी विस्फोटक गैसें उत्सर्जित कर रहा है और बार-बार आग लगने की मुख्य वजह बन रहा है। यह जानकारी बैंच के समक्ष जनवरी 2025 में नेशनल एन्वायर्मेंट इन्जीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (नीरी) द्वारा सौंपी रिपोर्ट में सामने आई थी।

खंती तो बना दी, लेकिन कचरा निपटाने के साधन नहीं बनाए

एनजीटी ने इस दौरान कचरा निपटारे को लेकर अवैज्ञानिक तरीके से किए जा रहे कार्यों पर नाराजगी जताई। अधिकरण ने कहा कि भोपाल नगर निगम द्वारा रोजाना 600 से 700 टन कचरा उत्पन्न किया जाता है। लेकिन इस कचरे के वैज्ञानिक व सुरक्षित निपटारे को लेकर निगम ने अब तक कोई ठोस उपाय नहीं किए हैं। बता दें कि न तो निगम कचरे से बायो सीएनजी बनाने वाला प्लांट और न ही चारकोल प्लांट ही शुरू कर सका है, जिसके चलते कचरा सड़ता है और इससे मीथेन गैस और लीचेट बनता है, जिससे पर्यावरण को नुकसान होता है। जबकि इन्हीं सभी लापरवाही लेकर नीरी द्वारा जनवरी 2025 में रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी है, लेकिन इसके बाद भी कचरे के निपटारे को लेकर अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा सके।

परिवर्तन

पीएचक्यू स्टाफ के वेतन से वसूलेगा 1200 रुपए सालाना अंशदान, आठ साल बाद हुआ इजाफा

पुलिसकर्मी की मौत पर अब 5 लाख की आर्थिक मदद

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस मुख्यालय ने सर्विस के दौरान मृत हुए पुलिसकर्मियों के परिवार को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि को 1 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने का फैसला लिया है। यह योजना 1 अक्टूबर से लागू होगी। राच्य में पुलिसकर्मियों के लिए 21 दिसंबर 1999 से शुरू की गई इस योजना के तहत किसी भी स्टाफ की मौत पर उनके परिवार को केवल 20 हजार रुपए मिलते थे। वर्ष 2011 में इसे 35 हजार और 2014 में यह राशि बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दी गई। इसके बाद 2016 में यह रकम 1 लाख रुपए की गई थी। पिछले आठ सालों से यही राशि मृतक स्टाफ के परिवारों को दी जा रही है।

नियमित अंशदान देने वालों को ही मिलेगी मदद

स्पेशल डीजी वेलफेयर अनिल कुमार ने बताया कि 1 अक्टूबर से शुरू होने वाली इस योजना के लिए पीएचक्यू ने सभी पुलिस यूनिटों को निर्देश जारी करते हुए इसका सख्ती से पालन करने को कहा है। उन्होंने बताया कि 19 सितंबर को डीजीपी की अध्यक्षता में हुई राच्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक के दौरान योजना में संशोधन करते हुए सहायता राशि बढ़ाने का फैसला लिया गया।

इस योजना के अनुसार उन सभी पुलिसकर्मियों के परिजन इस योजना के लिए पात्र होंगे जो अपना नियमित अंशदान जमा कर रहे हैं। यह योजना ऐसे पुलिसकर्मियों के लिए भी है जो अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर तैनात हैं। इस योजना का फायदा केवल उन पुलिसकर्मियों के परिवार को नहीं मिलेगा जिन्होंने एक वर्ष से अधिक समय से अपना अंशदान जमा नहीं किया है। प्रदेश में फिलहाल कुल 1 लाख 6 हजार पुलिस कर्मी हैं, जिनमें आरक्षक से लेकर डीजीपी तक शामिल हैं।

हर साल वेतन से कटेंगे 1200 रुपए

इस योजना के लिए हर पुलिसकर्मी के वेतन से 100 रुपए प्रतिमाह अंशदान लिया जाएगा। यह राशि साल में 1200 रुपए होती है। पीएचक्यू ने ये साफ कर दिया है कि जो भी इस योजना का हिस्सा नहीं बनना चाहते वे लिखित तौर पर अपना आवेदन पुलिस यूनिट के प्रमुख को देकर इससे अलग हो सकते हैं। योजना का लाभ न लेने वाले पुलिसकर्मियों का अंशदान मार्च 2026 से बंद कर दिया जाएगा। पीएचक्यू से जारी गाइडलाइन के अनुसार किसी स्टाफ की मृत्यु होने पर परिवार को पहले की तरह तुरंत 1 लाख रुपए मिलेंगे और शेष 4 लाख की रकम के लिए यूनिट हेड 15 दिनो के भीतर मृत पुलिसकर्मी या अधिकारी का मृत्यु प्रमाण पत्र, कैंसल चेक, बैंक की डिटेल और परिवार का विवरण अपनी सिफारिश के साथ पीएचक्यू की कल्याण शाखा को भेजेंगे। इसके बाद ही 4 लाख की शेष राशि जारी की जाएगी।

श्रीसीम यौन शोषण मामला

चैतन्यानंद आगरा से गिरफ्तार 5 दिन पुलिस रिमांड पर भेजा

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के वसंतकुंज स्थित श्रीशारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट-रिसर्च के हेड स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी को दिल्ली पुलिस ने 27 सितंबर की रात आगरा से गिरफ्तार किया। चैतन्यानंद पर कई छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोप हैं। चैत्यानंद को पटियाला कोर्ट में पेश किया गया, जहां से 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। इसके पहले फरार चैतन्यानंद की आखिरी लोकेशन आगरा में मिली थी। पुलिस की कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही थी। चैतन्यानंद को वसंत कुंज पुलिस स्टेशन लाया गया है, जहां पूछताछ जारी है। दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद के पास से 2 फर्जी विजिटिंग कार्ड बरामद किए हैं। एक कार्ड में उसे संयुक्त राष्ट्र में स्थायी राजदूत और दूसरे में ब्रिक्स संयुक्त आयोग का सदस्य और भारत का विशेष दूत बताया गया है। आगरा के होटल से स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती को गिरफ्तार किया था, उसके रिसेप्शनिस्ट भरत ने बताया कि चैतन्यानंद शनिवार शाम 4 बजे वहां पहुंचे।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,**
संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।